- प. एशिया में संघर्ष विराम बहुत दूर विदेशी मुद्रा बचाने में सहयोग करें देशवासी : वैष्णव - 10

- सेंसेक्स 1,313 अंक टूटा प्रधानमंत्री की मितव्ययिता की अपील से निवेशक चिंतित - 10

- होर्मुज की सुरक्षा पर रक्षा मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेंगे ब्रिटेन-फ्रांस - 11

- प्रतिबंध के बाद भी विनेश फोगाट राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में उतरने को तैयार - 12

आज का मौसम
35.0° अधिकतम तापमान
26.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.28
सूर्यास्त 06.51

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष दशमी 02:52 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 12 मई 2026, वर्ष 7, अंक 167, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

दुनिया की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती, न दबाव में ला सकती : मोदी

कहा- पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद पूरा विश्व भारत को दबोचने मैदान में उतरा, हम डटे रहे

- सोमनाथ अमृत महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर में की महा पूजा

सोमनाथ, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती या दबाव में नहीं ला सकती है। भगवान शिव के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि दुर्भाग्य से देश में ऐसी शक्तियां आज भी प्रभावी हैं, जिन्हें राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टीकरण जरूरी लगता है और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के विरोध के दौरान भी इसी तरह की सोच दिखाई दी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, अगर 1947 में भारत आजाद हुआ था तो, 1951 में सोमनाथ की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था। मोदी ने कहा कि सोमनाथ का 'अमृत महोत्सव' केवल अतीत का उत्सव नहीं है, यह अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का महोत्सव भी है। कहा कि 11 मई केवल सोमनाथ मंदिर के नए स्वरूप में प्राण प्रतिष्ठा के लिए ही नहीं, बल्कि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 1998 में आज के ही दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत ने परमाणु परीक्षण किए थे। उन्होंने कहा, 11 मई 1998, यानी आज के ही दिन, देश ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था।

हमारे वैज्ञानिकों ने भारत के सामर्थ्य को, भारत की क्षमता को दुनिया के सामने रखा, दुनिया में तूफान आ गया। मोदी ने कहा, कई देश इससे नाराज हो गए, वे पूछने लगे कि भारत कौन होता है, जो परमाणु परीक्षण करे। दुनिया की आंखें लाल हो गईं। दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने के लिए मैदान में उतरी। अनेक प्रकार के प्रतिबंध लगाए गए। संभावित आर्थिक संकट से बचने का हर रास्ता रोकने की कोशिश की गई। ऐसे हालात में कई देश हिल जाते, लेकिन भारत दृढ़ता से खड़ा रहा।

गुजरात के वेरावल स्थित सोमनाथ अमृत महोत्सव मंदिर में प्रार्थना करते प्रधानमंत्री मोदी।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद को नेहरू के विरोध का करना पड़ा था सामना

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल और भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के अनेक प्रयास किए थे, लेकिन उन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से विरोध का सामना करना पड़ा। कहा, हमें विरासत और धरोहर दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। हमारे सांस्कृतिक केंद्रों की अनदेखी ने दरअसल हमारी प्रगति को बाधित ही किया है। प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर में महापूजा और अन्य अनुष्ठानों में भाग लिया।

जड़ों से जुड़ा रहने वाला राष्ट्र लंबे समय तक रहता मजबूत

प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तभी लंबे समय तक मजबूत रह सकता है, जब वह अपनी जड़ों से जुड़ा रहे। मोदी ने इस अवसर पर एक विशेष डाक टिकट भी जारी किया। उन्होंने कहा, लुटेरों ने सोमनाथ मंदिर का वैभव मिटाने का प्रयास किया, वे सोमनाथ को एक भौतिक ढांचा मानकर उससे टकराते रहे! बार-बार इस मंदिर को तोड़ा गया, ये बार-बार बनता रहा हर बार उठ खड़ा होता रहा।

सोमनाथ में संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी।

भारत की आत्मा है सनातन, कोई पराजित नहीं कर सकता : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

- वाराणसी में 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' में राज्यपाल के साथ शामिल हुए मुख्यमंत्री
- कहा, सनातन को मिटाने की कोशिश करने वाले आक्रांता इतिहास की धूल में मिल गए

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सनातन संस्कृति को भारत की आत्मा बताते हुए कहा कि इसे कभी पराजित नहीं किया जा सकता। विदेशी आक्रांताओं ने सोमनाथ से लेकर काशी विश्वनाथ तक मंदिरों को तोड़ने और भारत की सांस्कृतिक पहचान मिटाने का प्रयास किया। लेकिन वे भारत की चेतना को नहीं तोड़ सके। जिन्होंने सनातन को मिटाने की कोशिश की, वे खुद इतिहास की धूल में मिल गए।

मुख्यमंत्री सोमवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के साथ सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' में शामिल हुए। यह आयोजन श्री काशी विश्वनाथ धाम परिसर स्थित त्र्यंबकेश्वर बहुउद्देशीय हॉल में किया गया। लोगों ने सोमनाथ मंदिर गुजरात में हो रहे मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विशेष महापूजा के साथ ही कुंभाभिषेक, ध्वजारोहण, पुष्पवृष्टि आदि का सजीव प्रसारण भी देखा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन केवल किसी मंदिर, मूर्ति या इमारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की चेतना, जीवन दर्शन और सांस्कृतिक प्रवाह में रचा-बसा है। महमूद गजनवी और औरंगजेब जैसे आक्रांताओं ने मंदिर ध्वस्त किए, लेकिन वे भारत की आत्मा को नहीं झुका सके। आज सोमनाथ और काशी विश्वनाथ दोनों भारत के पुनर्जागरण और स्वाभिमान के प्रतीक बनकर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक विरासत के पुनर्जागरण का साक्षी बन रहा है।

काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भव्य राममंदिर, उज्जैन में महाकाल महालोक और सोमनाथ मंदिर का विकास भारत की गौरव यात्रा के नए अध्याय हैं। यह केवल धार्मिक स्थलों का विकास नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के पुनर्स्थापन का अभियान है। योगी ने विपक्ष पर अप्रत्यक्ष निशाना साधते हुए कहा कि कुछ शक्तियां आज भी भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों का उत्थान नहीं देखना चाहतीं। यही लोग पहले सोमनाथ मंदिर की पुनर्प्रतिष्ठा और राममंदिर निर्माण के विरोध में खड़े थे, लेकिन अब देश सांस्कृतिक आत्मविश्वास के नए युग में प्रवेश कर चुका है।

काशी-सोमनाथ सभ्यता के दो ज्योति स्तंभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी और सोमनाथ भारत की सभ्यागत चेतना के दो अमर केंद्र हैं। एक ओर गंगा तट पर स्थित काशी ने सनातन की आध्यात्मिक धारा को जीवित रखा, तो दूसरी ओर सागर तट पर स्थित सोमनाथ ने राष्ट्र के स्वाभिमान और पुनर्जागरण की लौ जलाए रखी। उन्होंने कहा कि विनाश क्षणिक होता है, जबकि सृजन शाश्वत होता है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से शिवमय हुआ माहौल

'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' में कथक नृत्यांगना अंकिता भट्टाचार्य ने शिव तांडव की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। डॉ. दिव्या श्रीवास्तव और उनकी टीम ने भगवान सोमनाथ की स्तुति प्रस्तुत की, जबकि बनारस घराने के अंशुमान महाराज के सरोद वादन ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

ब्रीफ न्यूज

हिमंत असम के सीएम के रूप में आज लेंगे शपथ

गुवाहाटी। असम में मंगलवार को हिमंत विश्व शर्मा के लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की तैयारी पूरी हो चुकी है। इसके साथ ही राज्य में भाजपा नीत राजग सरकार का लगातार तीसरा कार्यकाल शुरू होगा। खानापारा के पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ-साथ राजग शासित राज्यों के 40 से अधिक मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के उपस्थित रहने की संभावना है।

नोएडा : 16 जून से उड़ानें शुरू करेगी अकासा एयर

नई दिल्ली। अकासा एयर 16 जून से नोएडा हवाई अड्डे से अपनी उड़ान सेवाएं शुरू करेगी। यह इस नए हवाई अड्डे से सेवाएं शुरू करने वाली दूसरी एयरलाइन होगी। हवाई अड्डे का उद्घाटन 28 मार्च को हुआ था और वहां से 15 जून से वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने जा रहा है। अकासा ने सोमवार को कहा कि वह 16 जून से नोएडा हवाई अड्डे को बेंगलुरु और नवी मुंबई से जोड़ने वाली दैनिक उड़ानें शुरू करेगी।

अमेरिका ने ईरान का शांति प्रस्ताव ठुकराया

वाशिंगटन, एजेंसी

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने संबंधी उसके (ईरान) प्रस्ताव को पूरी तरह से अस्वीकार्य करार देते हुए खारिज कर दिया। ट्रंप को रविवार को ईरान का प्रस्ताव प्राप्त हुआ और उम्मीद जताई जा रही थी कि युद्ध को समाप्त करने में सफलता मिलेगी। इस युद्ध ने वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम, समुद्री मार्ग को अवरुद्ध कर दिया है जिससे कई देश ईंधन की कमी का सामना कर रहे हैं।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, ईरान के तथाकथित प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया - यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। इससे पहले ट्रंप ने ईरान पर लगभग 50 वर्षों से अमेरिका के साथ खेल खेलने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा, अब वे ज्यादा समय तक खुश नहीं रह पाएंगे। उन्होंने नेतन्याहू से हुई बात को लेकर कहा, बातचीत बहुत अच्छी रही। हमारे संबंध अच्छे हैं। ईरान वार्ता अन्य किसी का नहीं बल्कि मेरा अपना मुद्दा है।

संकट में संघर्ष विराम

- ट्रंप बोले- पूरी तरह अस्वीकार्य अमेरिका ने एनरिच्ड यूरेनियम सौंपने की शर्त रखी

अवास्तविक मांगों पर अड़ा है अमेरिका : ईरान

तेहरान। ईरान ने कहा है कि युद्ध समाप्त करने के लिए उसका प्रस्ताव उदार और तार्किक था, जबकि अमेरिका अब भी इजराइल की सोच से प्रभावित अवास्तविक मांगों पर अड़ा हुआ है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरान की ओर से अमेरिकी प्रस्ताव के जवाब में जो योजना भेजी गयी, वह हद से ज्यादा नहीं थी और उसका उद्देश्य पूरे क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता स्थापित करना था।

लोकतंत्र को हाईजैक नहीं होने देंगे, बहाल की विधायकी

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए कांग्रेस नेता टीडी राजेगौड़ा की कर्नाटक विधानसभा सदस्यता फिलहाल बहाल कर दी है। न्यायालय ने तीन मई 2026 को हुई उन डाक मतपत्रों की दोबारा जांच के नतीजे पर भी रोक लगा दी है, जिसमें भाजपा के नेता डीएन जीवराज को विजेता घोषित किया गया था।

पीठ ने यह आदेश दिया है। पीठ ने गौर किया कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने केवल 279 खारिज हुए मत पत्रों की जांच के आदेश दिए थे, लेकिन चुनाव अधिकारी ने उन 562 सही वोटों को भी दोबारा गिन लिया जो पहले ही श्री राजेगौड़ा के पक्ष में गिने जा चुके थे। न्यायालय ने पाया कि चुनाव अधिकारी ने राजेगौड़ा के उन 562 वोटों में से 248 वोट घटा दिए, जिससे मुकाबला भाजपा उम्मीदवार जीवराज के पक्ष में झुक गया। इस पर कड़ी टिप्पणी करते हुए पीठ ने कहा कि लोकतंत्र को इस तरह 'हाईजैक' करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। निर्देश दिया कि दोबारा गिनती के बाद उठाए गए सभी कदम तब तक रुके रहेंगे जब तक राजेगौड़ा की अपील पर अंतिम फैसला नहीं आ जाता। मामला 2023 का है।

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कर्नाटक की शृंगेरी सीट से राजेगौड़ा ही विधायक

एसआईआर पर ममता बनर्जी व अन्य को नई याचिकाएं दायर करने की अनुमति

नई दिल्ली। कोर्ट ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य व्यक्ति अपने इन दावों के संबंध में नई याचिकाएं दायर कर सकते हैं कि राज्य में हाल में हुए चुनाव में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जीत का अंतर मतदाता सूची के एसआईआर के दौरान हटाए (डिलीट किए) गए वोटों की तुलना में कम रहा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह टिप्पणी वरिष्ठ अधिवक्ता एवं तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी के इस आरोप के बाद की कि 31 सीट पर जीत का अंतर 'डिलीट' किए गए मतों के मुकाबले कम रहा। कल्याण बनर्जी ने न्यायमूर्ति बागची की पहले की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि यदि जीत का अंतर एसआईआर के दौरान हटाए गए नामों की संख्या से कम होता है, तो शीर्ष अदालत शिकायतों पर विचार कर सकती है। उनकी इन दलीलों का पीठ ने संज्ञान लिया। निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने बनर्जी की दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि इस मामले में उचित उपाय चुनाव याचिका दायर करना है।

वीबी जीरामजी अधिनियम 1 जुलाई से होगा लागू, मनरेगा निरस्त होगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) के स्थान पर नया 'विकसित भारत- रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम एक जुलाई से पूरे देश में लागू हो जाएगा। नए अधिनियम में एक नया ढांचा होगा जो ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का वैधानिक वैतनिक रोजगार देने का वादा करता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इसे ग्रामीण विकास संरचना में एक ऐतिहासिक परिवर्तन बताया है, जो विकसित भारत 2047 की परिकल्पना के अनुरूप है।

शुभेंदु के पीए का हत्यारोपी अयोध्या से गिरफ्तार

संवाददाता, अयोध्या/लखनऊ

- 9 मई को मां के साथ आया था दर्शन-पूजन करने, होटल से निकलते समय कोलकाता व उप्र पुलिस ने दबोचा

अमृत विचार : कोलकाता व यूपी पुलिस की संयुक्त टीम ने प. बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या के एक आरोपी को अयोध्या से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी नौ मई की बताई जा रही है। आरोपी को बंगाल पुलिस अपने साथ कोलकाता ले गई थी। इस संदर्भ में अयोध्या पुलिस कुछ भी बोलने से इनकार कर रही है।

बंगाल में चुनाव खत्म होने के बाद ही 6 मई की रात मध्यमग्राम के डोडरिया इलाके में चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच में एक बलिया जिले के निवासी राज सिंह का निकला था। नौ मई को वह अयोध्या पहुंचा व अपनी मां के साथ राम मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद एक होटल से वापस बलिया रवाना होने के लिए निकला तभी दबोच लिया।

बंगाल के पूर्व मंत्री गिरफ्तार

कोलकाता। ईडी ने सोमवार को पूर्व मंत्री व टीएमसी के नेता सुजीत बोस को राज्य में नगरपालिका भर्ती घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने सॉल्ट लेक स्थित अपने सीजीओ कॉम्प्लेक्स कार्यालय में दिन भर की पूछताछ के बाद बोस (63) को धनशोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत हिरासत में ले लिया। बोस अपने बेटे समुद्र के साथ पूर्वाह्न करीब 10:30 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे।

बंगाल में बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी के लिए बीएसएफ को मिलेगी जमीन

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक और नीतिगत उपायों की घोषणा की, जिनमें राज्य को केंद्र की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना में शामिल करना, सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को भूमि का हस्तांतरण और बीएनएस आपराधिक कानून को लागू करना शामिल है।

ये निर्णय बंगाल में भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल की पहली बैठक के दौरान लिए गए। मुख्यमंत्री ने बताया कि बंगाल अब आयुष्मान भारत योजना का हिस्सा बन जाएगा, साथ ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, किसानों को फसल बीमा प्रदान करने वाली प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सरकारी स्कूलों के उन्नयन के लिए पीएम श्री योजना और कारीगरों एवं शिल्पकारों को समर्थन देने वाली प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना जैसी कई अन्य केंद्रीय कल्याणकारी परियोजनाओं का भी हिस्सा होगा। महिलाओं की शिक्षा और सशक्तीकरण के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना और रियायती दरों पर खाना पकाने के रसोई गैस प्रदान करने वाली उज्ज्वला 3.0 योजना भी लागू की जाएगी।

- शुभेंदु सरकार ने पहली बैठक में केंद्र की कई योजनाएं की शुरू

बंगाल में अब बीएनएस

अधिकारी ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) - आपराधिक कानून जिन्होंने क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) अधिनियमों का स्थान लिया है- इसे बंगाल में इन अधिनियमों को अब तक आधिकारिक तौर पर लागू नहीं किया गया है। मंत्रिमंडल ने बंगाल में इसके तत्काल प्रभाव से लागू होने की मंजूरी दे दी है।

हालात इलाहाबाद हाईकोर्ट बोली- अपर्याप्त स्टाफ, समन-वारंट की तामील में असहयोग, त्रुटिपूर्ण जांच से असहाय महसूस कर रहे युवा जज

तारीख पर तारीख के लिए सरकार-पुलिस भी जिम्मेदार

प्रयागराज, एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फिल्म 'दामिनी' के प्रसिद्ध डयलॉग 'तारीख पर तारीख' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह डायलॉग न्याय मिलने में देरी को लेकर आम लोगों के नजरिए को दर्शाता है और कोर्ट में बड़ी संख्या में आपराधिक मामलों के लंबित रहने के लिए केवल जज जिम्मेदार नहीं हैं। कहा कि राज्य सरकार और पुलिस की भूमिका भी इसके लिए काफी हद तक जिम्मेदार है।

फतेहपुर निवासी मेवालाल प्रजापति की जमानत याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने कहा, ईमानदारी और कठिन परिश्रम से न्यायिक सेवा में आने वाले युवा न्यायिक अधिकारी अपर्याप्त स्टाफ, समन और वारंट की तामील में पुलिस के असहयोग, त्रुटिपूर्ण जांच और अधूरी एफएसएल रिपोर्ट के कारण खुद को असहाय महसूस करते हैं। 7 मई को दिए गए अपने आदेश में अदालत ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में न्यायिक अधिकारी निराश होकर हाईकोर्ट की ओर देखते हैं। जिला अदालतों में ढांचागत, प्रशासनिक और प्रक्रियागत कमियों पर चिंता जताते हुए हाईकोर्ट ने कई निर्देश भी जारी किए। अदालत हत्या के एक आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। मामले में खून से सना एक स्क्रूड्राइवर बरामद हुआ था, लेकिन जांच अधिकारी यह साबित करने के लिए डीएनए जांच रिपोर्ट पेश नहीं कर सका कि वह खून मृतक का ही था। इस मामले में कोर्ट ने पहले पुलिस महानिदेशक, गृह सचिव व एफएसएल निदेशक को समन जारी किया था। सुनवाई में निदेशक ने बताया कि राज्य की 12 प्रयोगशालाओं में से केवल आठ में डीएनए प्रोफाइलिंग की सुविधा उपलब्ध है और प्रयोगशालाएं न केवल कर्मचारियों की कमी से जूझ रही हैं, बल्कि जांच के लिए आधुनिक मशीनों की भी आवश्यकता है।

अपराध के कई आदी विधायक सांसद और मंत्री तक बन जाते हैं

अदालत ने कहा कि व्यवस्थागत कमियों के कारण कई अपराधी बिना किसी भय के अपराध करते रहते हैं और उनमें से कुछ विधायक, सांसद और मंत्री तक बन जाते हैं। एडीआर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि उप्र सरकार में 49% मंत्री आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं, जिनमें से 44% गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपी हैं। जजों को लगातार खतरे का सामना करना पड़ता है सार्वजनिक स्थानों पर डराने की घटनाएं होती रहती हैं।

सुरक्षा नहीं मिलने से जजों की क्षमता हो रही प्रभावित

कोर्ट ने कहा कि उप्र में सभी जजों को निजी सुरक्षा उपलब्ध नहीं होने से उनके निर्भीक होकर काम करने की क्षमता प्रभावित होती है। कोर्ट ने राज्य सरकार से उप्र एफएसएल को गृह विभाग के अधीन एक स्वायत्त संस्था बनाने, रिक्त पद भरने और सभी जिला जजों को निजी सुरक्षा अधिकारी उपलब्ध कराने की संभावना पर विचार करने को कहा। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि आदेश की प्रति आगे की कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की जाए।

विश्व नर्सिंग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आर.के. इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बरेली
बी एस सी नर्सिंग | ए एन एम
ऑप्टोमेट्री | ओटी तकनीशियन
फिजियोथेरेपी
देवरनिया फरीदपुर, बरेली
6395538811, 6397130018

विश्व नर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

'लेडी विद द लैंप' फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती आज, दुनिया भर में मनाया जा रहा अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस

मुख्य विवरण :

आज पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस (International Nurses Day) मना रहा है। यह दिन स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ कही जाने वाली नर्सों के निस्वार्थ समर्पण और कड़ी मेहनत को समर्पित है। हर साल 12 मई को आधुनिक नर्सिंग की जनक फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिन के अवसर पर यह विशेष दिन मनाया जाताहै।

इस वर्ष की थीम

साल 2026 में अंतरराष्ट्रीय नर्स परिषद (ICN) ने इस दिन की थीम **''हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं''** रखी है। यह थीम इस बात पर जोर देती है कि कैसे बेहतर नर्सिंग सुविधाएं और नर्सों का सशक्तिकरण भविष्य की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बना सकता है।

देश भर में आयोजन

भारत के विभिन्न अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में आज कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कई राज्यों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली नर्सों को सम्मानित किया जा रहा है। डॉक्टरों और मरीजों ने नर्सों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें रियल लाइफ ही रोज बताया। राजस्थान से लेकर उत्तर प्रदेश तक, नर्सिंग कॉलेजों में आज छात्राओं ने लैंपलाइटिंग समारोह के जरिए फ्लोरेंस नाइटिंगेल की शपथ को दोहराया।

इतिहास और महत्व

1820 में जन्मीं फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने क्रीमिया युद्ध के दौरान घायल सैनिकों की निस्वार्थ सेवा कर नर्सिंग को एक नई पहचान दी थी। उन्हें 'लेडी विद द लैंप' भी कहा जाता है। नर्स दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में नर्सों की भूमि का सबसे महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि वे मरीजों की देखभाल में सबसे अग्रिम पंक्ति में खड़ी रहती हैं।

सेवा, समर्पण और मानवता का प्रतीक

प्रत्येक वर्ष 12 मई को पूरे विश्व में International Nurses Day मनाया जाता है। यह दिन उन नर्सों को सम्मान देने के लिए समर्पित है, जो अपनी मेहनत, सेवा और त्याग के माध्यम से मानव जीवन को सुरक्षित रखने का कार्य करती हैं। किसी भी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे मरीजों की देखभाल करने के साथ-साथ उन्हें मानसिक साहस और आत्मविश्वास भी प्रदान करती हैं।

यह दिवस आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक Florence Nightingale की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। उन्होंने नर्सिंग सेवा को एक नई पहचान दी और यह सिद्ध किया कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है। घायल सैनिकों और बीमार लोगों की सेवा कर उन्होंने पूरी दुनिया को प्रेरणा दी। आज भी नर्सिंग क्षेत्र में उनका योगदान आदर्श माना जाता है।

नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होती हैं। डॉक्टर मरीजों का उपचार करते हैं, लेकिन मरीजों की नियमित देखभाल, दवाइयों का सही समय पर उपयोग, स्वास्थ्य की निगरानी और भावनात्मक सहयोग का कार्य नर्सें करती हैं। मरीजों के प्रति उनका व्यवहार, धैर्य और संवेदनशीलता उन्हें समाज में विशेष स्थान दिलाता है।

COVID-19 Pandemic के दौरान पूरी दुनिया ने नर्सों के साहस और समर्पण को बहुत करीब से देखा। जब लोग अपने घरों में सुरक्षित थे, तब नर्सें अस्पतालों में लगातार मरीजों की सेवा कर रही थीं। कई नर्सों ने अपनी जान की परवाह किए बिना दिन-रात काम किया। इस कठिन समय में उन्होंने मानवता की मिसाल पेश की।

आज के समय में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए नर्सों का सम्मान और उनका सहयोग आवश्यक है। उन्हें बेहतर कार्य वातावरण, उचित वेतन और सुरक्षित सुविधाएँ मिलनी चाहिए, ताकि वे और अधिक समर्पण के साथ समाज की सेवा कर सकें।

विश्व नर्सिंग दिवस हमें यह संदेश देता है कि नर्सें केवल एक कर्मचारी नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवक हैं। उनका त्याग, करुणा और समर्पण समाज के लिए प्रेरणा है। हमें उनके योगदान का सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए।

सभी नर्सों को उनके अथक परिश्रम और सेवा भावना के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं शुभकामनाएँ।

अनीस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड फहमी आई.वी.एफ. सेन्टर
डॉ. फैहमी खान
M.B.B.S., D.G.O D.M.A.S., F.M.A.S
Gynaecologist, Ivf Specialist
डॉ. अनीस बेग
M.B.B.S., D.C.H.
Child Specialist
लैप्रोस्कोपिक सर्जरी | एडवांस आई.सी.यू. | एडवांस एन.आई.सी.यू. | मॉड्यूलर ऑपरेशन
सुविधायें
कैथलैब | एन्जियोप्लास्टी | एन्जियोग्राफी | डायलेसिस | वैन्टीलेटर | इको टी.एम.टी.
आई.सी.यू. | एन.आई.सी.यू. | एच.डी.यू. | सी.सी.यू. | पेसमेकर
निकट सैटेलाइट, मालियों और ईसाइयों की पुलिया के बीच, श्यामगंज रोड, बरेली
0581-2990926, 0581-2990928

डॉ. विवेक गुप्ता
MBBS, DNB, DTCD, FCCS, ISCUE
चेस्ट फिजिशियन एवं क्रिटिकल केयर इंटेसिविस्ट
मो. 9520530141
• श्वास फूलना है, थकान लगती है।
• सीने में जकड़न, भारीपन या सीटी सी आवाज आती है।
• खाँसी बनी रहती है, बार-बार आती है।
• न्यूमोनिया, फेफड़ों में हवा, पानी या मवाद भर गया है।
• सामान्य टी.बी./बिगड़ी (Resistant) टी.बी. का इलाज।
• फेफड़ों की क्षमता की जाँच (Spirometry)
• फेफड़ों की दूरबीन विधि से जाँच (Bronchoscopy)
• Nebulizer/ई.सी.जी (ECG)
श्री वेदांता हॉस्पिटल
डोहरा रोड, रामगंगा नगर योजना, बरेली
आर.आर. हॉस्पिटल
मल्टीस्पेशलिटी, क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा सेन्टर
100 फिटा रोड, निकट अशर्फी बैंकट हॉल, बरेली

(Managed by Rohilkhand Medical Educational Welfare Trust)
Asian College of Nursing
wishes you a very
Happy Nursing Day - 2026
"A Nurse will always give us hope
An Angel with a Stethoscope"
Jeevan Jyoti Campus, Near Old Roadways, Behind Imperial Cinema, Bareilly
9675831542, 05812551543

S.R. INSTITUTIONS
Approved by PCI, INC & DGT New Delhi
Affiliated to AKTU, BTE, ABVMU, UPSMF, SCVT/NCVT, Lucknow
(College Codes - AKTU-867, B.T.S.-2715, UPSMF-1496, ITI-4119)
ADMISSION OPEN
(Academic Session 2026-27)
D.PHARM (2 Years Course) Admission Through JEECUP-2026
B.Pharm (4 Years Course) Direct Admission
B.Pharm (3 Years Course) (Lateral Entry)
B.Sc. Nursing (4 Years Course) Admission Through CNET-2026
G.N.M. (3 Years Course)
D.PT (2 Years Course)
ELECTRICIAN (2 Years Course)
COPA (1 Years Course)
HSI (1 Years Course)
Radiology Technician (2 Years Course)
Transport & Hostel Facilities Available
Dewrania, Faridpur-Bukhara Road, Bareilly
Website : www.srinstitutions.org
E-mail : srinstitutionsbly@gmail.com
9720456885
9837464606

विश्व नर्सिंग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
यू.पी. स्टेट मेडिकल फैकल्टी द्वारा मान्यता प्राप्त
सांई पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट
सांई अस्पताल
पैरामेडिकल कोर्स
• डिप्लोमा कार्डियो टैक्नीशियन (2 वर्ष) PCB/PCM
• डिप्लोमा ओ.टी. टैक्नीशियन (2 वर्ष) PCB/PCM
• डिप्लोमा डायलिसिस टैक्नीशियन (2 वर्ष) PCB/PCM
• DOT/DDT/DCT
सत्र 2026-27
सरकारी नौकरी के मान्य
प्लेसमेन्ट 100%
छात्रवृत्ति उपलब्ध
स्टेडियम रोड, बरेली
सम्पर्क : 6399449913, 9870743055

राजश्री ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस एण्ड हॉस्पिटल, बरेली
Rajshree Group of Institutions LIVE • LEARN • LEAD
आप सभी को राजश्री परिवार की ओर से
विश्व नर्सिंग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राजेन्द्र अग्रवाल (चेयरमैन)
Rajshree Institute of Management & Technology, Bareilly
Rajshree Medical Research Institute, Bareilly
Rajshree Ayurvedic Medical College & Hospital, Bareilly
Rajshree Nursing Institute, Bareilly
Rajshree Institute of Paramedical Sciences, Bareilly
Rajshree Institute of Management & Technology Degree College, Bareilly
Rajshree Fine Chemical Industries India Private Limited Shahjahanpur
Rajshree College of Nursing and Paramedical, Bareilly
Rajshree Teachers Training Institute Bareilly
Rajshree College of Pharmacy, Bareilly
Rajshree Law College, Bareilly
Rajshree Institute of Management & Technology Pvt. ITI, Bareilly
Rajshree Hospital and Institute of Medical Sciences
Rameswaram
Rajshree Bright Star Private Limited

VARDAN GROUP OF INSTITUTIONS VGI BAREILLY
VARDAN COLLEGE OF NURSING
• NURSING • PARAMEDICAL
Affiliated to U.P. State Medical Faculty
Course Offered :
ANM
GNM
OT DIPLOMA
ADMISSION OPEN
VARDAN GROUP OF INSTITUTIONS
Address : Vill-Kaimua, Tahsil-Anola, Badaun Road, Bareilly
www.vardangroupofinstitution.com
Contact : 8279659434, 8279659434, 9412193065

SSVGI
SHRI SIDDHI VINAYAK GROUP OF INSTITUTIONS
17 Years EDUCATIONAL EXCELLENCE
A LEGACY OF TRUST A FUTURE OF SUCCESS
ADMISSION OPEN SESSION 2026-27
SSVIT | B.Tech (CS • IT • ME • CE • EE • EC) | M.Tech (CS • ME)
SSVIM | MBA • Int. MBA • BBA • BCA • B.COM • B.COM (H) B.SC (PCM) • B.SC (ZBC) • B.SC (Home Sci. • Biotech)
SSVP | Polytechnic (ME(A) • ME(P) • IT • EC • EE • CE)
SSVSN | GNM • ANM
SSVIP | D.Pharma • B.Pharma
SSVIPS | Diploma in Optometry • Emergency & Trauma care X-Ray Tech. • Dialysis • Physiotherapy • O.T. Tech.
Why Enroll @ SSVGI
20 LPA Highest CTC
4.5 LPA Average CTC
92% Placement in Past 5 Year
1200+ SSVGIians Placed in Top MNC's
2000+ Placement Offers
550+ Recruitment Partners
CAREER-FOCUSED EDUCATION
BEST PLACEMENT IN THE REGION
HIGH-TECH ACADEMIC INFRASTRUCTURE
HIGHLY EXPERIENCED FACULTY
7599471145, 7599471144 | www.ssvgi.org
Campus: 10th Km Stone, Nainital Rd, Bareilly, U.P.
City Office: Avas Vikas Complex, Sheet Chauraha, Bareilly

न्यूज ब्रीफ

पांच स्पोर्ट्स कॉलेजों में दाखिले शुरू

लखनऊ, अमृत विचार : योगी सरकार ने प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को नई पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सत्र 2026-27 के लिए स्पोर्ट्स कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। लखनऊ, गोरखपुर, सैफई, फतेहपुर और सहारनपुर स्थित पांच स्पोर्ट्स कॉलेजों में कक्षा 6, 9 और 11 की कुल 518 संभावित रिक्त सीटों पर दाखिले होंगे। खास बात यह है कि सहारनपुर और फतेहपुर के नए स्पोर्ट्स कॉलेजों में पहली बार प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई है। प्रदेश सरकार ने आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी बनाया है।

50 प्रतिशत अनुदान पर किसानों को मिलेंगे बीज

लखनऊ, अमृत विचार : सूर्य प्रताप शाही ने कहा है कि खरीफ 2026 सीजन में किसानों को समय से गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए प्रदेशभर में व्यापक इंतजाम किए गए हैं। किसानों को धान, उड़द, मूंग, तिल और मोटे अनाजों के बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही दलहन और तिलहन फसलों के मिनी किट भी वितरित किए जाएंगे। कृषि भवन में सोमवार को आयोजित समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री ने बताया कि इस खरीफ सीजन में कुल 1,96,117 क्विंटल बीज वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बकरी पालन को मिलेगा 90 प्रतिशत अनुदान

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए बकरी पालन सब्सिडी योजना शुरू की है। योजना के तहत लाभार्थी को केवल छह हजार रुपये जमा करने होंगे, जबकि शेष 54 हजार रुपये राज्य सरकार अनुदान के रूप में देगी। इस राशि से एक बकरा और पांच बकरियों की यूनिट खरीदी जाएगी।आकांक्षी जिलों में इस योजना को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाएगा। योजना से गरीब और निराश्रित परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

गंगनहर में मिला आईआईटी रुड़की के छात्र का शव

देहरादून, अमृत विचार : आईआईटी रुड़की के नैनीताल निवासी शोधार्थी छात्र का रुड़की गंगनहर से संदिग्ध हालात में शव बरामद हुआ है। एसपी देहात हरिद्वार शेखर चंद सुयाल ने बताया कि मंगलौर कोतवाली क्षेत्र में आसफनगर झाल पर रविवार देर रात गंगनहर से मिले शव की शिनाख्त शोधार्थी मोहित आर्य (40) के रूप में हुई, जो नैनीताल का निवासी था। इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग में शोध कर रहा मोहित तीन-चार दिन से लापता था।

माफिया कुंटू सिंह की बड़ी हवेली कुर्क

लखनऊ, अमृत विचार : आजमगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देश पर सोमवार को माफिया ध्रुव कुमार सिंह उर्फ कुन्टू सिंह की लगभग डेढ़ करोड़ की संपत्ति को कुर्क किया गया। कुर्क किया गया भवन बड़ी हवेली के नाम से चर्चित है। बता दें कि कुंटू सिंह पर कुल 78 मुकदमे दर्ज हैं। एसएसपी के मुताबिक, ध्रुव सिंह उर्फ कुंटु सिंह प्रदेश स्तर पर चिन्हित माफिया है। जिसने अपने गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी, धोखाधड़ी एवं अन्य संगठित अपराधों के माध्यम से अवैध धन अर्जित किया है ।

सरकार संरक्षित करेगी 40 ऐतिहासिक स्मारक

लखनऊ, अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्रदेश के 40 स्मारकों और एतिहासिक स्थलों को संरक्षित घोषित करने का निर्णय लिया है। संरक्षित किए जाने वाले कई स्मारक 2,500 से 3,000 वर्ष पुराने हैं, जबकि कुछ अवशेष कुषाण काल के प्रतीत होते हैं। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को दी। संरक्षित किए जाने वाले स्मारक सीतापुर, उन्नाव, हरदोई, बाराबंकी, कानपुर नगर आदि शामिल हैं।

स्वास्थ्य विभाग में स्थानांतरण के लिए 17 तक खुला पोर्टल

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल 11 मई से 17 मई 2026 की मध्य रात्रि तक खोला जाएगा। यह निर्णय सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण की अध्यक्षता में लिया गया है। महानिदेशक ने बताया कि बैठक में स्पष्ट किया गया कि पोर्टल पर केवल 5 मई 2026 या उसके बाद किए गए ऑनलाइन आवेदन ही मान्य होंगे। इससे पहले किए गए सभी आवेदन स्वत: निरस्त माने जाएंगे ।

बाबा विश्वनाथ के दरबार में नतमस्तक हुए राज्यपाल और मुख्यमंत्री

सोमनाथ के पवित्र जल से किया जलाभिषेक, लोकमंगल और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

- शंखध्वनि, डमरू और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंजा काशी विश्वनाथ धाम

अमृत विचार: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह काशी पहुंचकर काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर से लाए गए पवित्र जल से बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को अंगवस्त्र और रुद्राक्ष की माला भी भेंट की।

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, अटूट आस्था की गौरव गाथा' के अंतर्गत आयोजित 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' में शामिल होने पहुंचे दोनों अतिथियों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में माथा टेककर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और लोकमंगल की कामना की। सोमनाथ और काशी विश्वनाथ मंदिर के अर्चकों ने संयुक्त रूप से पूजन-अर्चन संपन्न कराया। 'हर-हर महादेव' के जयघोष के बीच राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। सोमवार के कार्यक्रम में मंत्री अनिल राजभर, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', हंसराज विश्वकर्मा, महापौर अशोक तिवारी, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, और जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

'ॐ जप' में शामिल हुए अतिथि

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर में सामूहिक 'ॐ जप' में हिस्सा लिया। इसके बाद सोमनाथ भवन में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की प्रतिकृति के रूप में निर्मित पार्थिव शिवलिंग की पूजा-अर्चना और आरती की।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व प्रदर्शनी देखी

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सोमनाथ भवन में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रदर्शनी में सोमनाथ मंदिर के इतिहास, पुनर्प्रतिष्ठा और सांस्कृतिक गौरव से जुड़े चित्रों व जानकारियों को प्रदर्शित किया गया था।

पीएम आवास योजना के तहत प्रदेश में बनेंगे 63,433 नए घर

अमृत विचार, लखनऊ: प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत प्रदेश के शहरी गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा फैसला लिया गया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (एसएलएसएमसी) की बैठक में लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (बीएलसी) योजना के अंतर्गत 55 जिलों के 225 नगर निकायों के लिए 63,433 नए आवासों की डीपीआर को मंजूरी दी गई। नई स्वीकृतियों के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत बीएलसी घटक में अब तक स्वीकृत आवासों की कुल संख्या बढ़कर 3,68,138 हो जाएगी।

खुले स्थलों के व्यावसायिक उपयोग पर हाईकोर्ट सख्त

सरकार और प्राधिकरणों को व्यवस्था पर पुनर्विचार के आदेश

विधि संवाददाता, लखनऊ

- रात 10 बजे के बाद तेज आवाज वाले आयोजनों पर भी रोक लगाने के आदेश

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पार्कों, खेल मैदानों और अन्य खुले स्थलों के व्यवसायिक इस्तेमाल पर नाराजगी जताते हुए राज्य सरकार और संबंधित प्राधिकरणों को इस व्यवस्था पर पुनर्विचार करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसे आयोजनों से पर्यावरण, पक्षियों और आसपास रहने वाले लोगों पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

कोर्ट ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पार्कों, खेल मैदानों और खुली जगहों का सर्वे कराने तथा उन्हें उत्तर प्रदेश पार्क, खेल मैदान और खुली जगह संरक्षण एवं विनियमन अधिनियम-1975 के तहत तैयार की जाने वाली सरकारी सूची में शामिल करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने इन स्थलों का पूरा विवरण भी पेश करने को कहा है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने यह आदेश धर्मपाल यादव की जनहित याचिका पर पारित किया। याचिका में लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क समेत अन्य पार्कों में होने वाली व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि अधिनियम की धारा-6 के अनुसार सूचीबद्ध पार्कों, खेल मैदानों और खुले स्थलों का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्य के लिए ही किया जा सकता है, किसी अन्य गतिविधि के लिए संबंधित प्राधिकरण की पूर्व अनुमति आवश्यक होगी। इसी के साथ कोर्ट ने शादी-विवाह और अन्य समारोहों में रात 10 बजे के बाद तेज आवाज और ध्वनि प्रदूषण पर भी सख्त रुख अपनाया।

कोर्ट ने राज्य सरकार, पुलिस, नगर निगम और विकास प्राधिकरणों को निर्देश दिया कि तय मानकों से अधिक शोर होने पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी कहा कि आम लोगों, बच्चों और बुजुर्गों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण जरूरी है।

डिग्री कॉलेजों को भी रैंकिंग दिलाने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ: योगी सरकार ने प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधार की दिशा में अब नया लक्ष्य तय किया है। अब सरकार डिग्री कॉलेजों को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग दिलाने की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए कॉलेजों के प्राचार्यों और शिक्षकों को विशेष कार्यशालाओं के जरिए प्रशिक्षित और प्रोत्साहित किया जा रहा है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने सोमवार को विधानसभा में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि सरकार अब केवल विश्वविद्यालयों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि डिग्री कॉलेजों को भी उत्कृष्टता के नए मानकों तक पहुंचाने पर फोकस कर रही है।

महिलाओं के सशक्तीकरण को 495 करोड़ रुपये की सौगात

एनआरएलएम के तहत एससी-एसटी मद में धनराशि जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वयं सहायता समूहों, स्वरोजगार और आजीविका कार्यक्रमों को मिलेगी रफ्तार

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत ग्रामीण महिलाओं और कमजोर वर्गों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 495 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जारी की है। ग्राम्य विकास विभाग ने सोमवार को दो अलग-अलग शासनादेश जारी कर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति मद में केंद्रांश के सापेक्ष राज्यांश की धनराशि जारी करने की मंजूरी दी।

जारी शासनादेश के अनुसार, अनुसूचित जाति मद में 482.14 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसमें केंद्र सरकार का 289.28 करोड़ रुपये और राज्य सरकार का 192.85 करोड़ रुपये का अंश शामिल है। वहीं अनुसूचित जनजाति मद में 13.77 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जिसमें 8.26 करोड़ रुपये केंद्रांश और 5.51 करोड़ रुपये राज्यांश के रूप में दिए जाएंगे। यह धनराशि वित्तीय वर्ष 2026-27 में एसएनए स्पर्श प्रणाली के माध्यम से खर्च की जाएगी। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि राशि का उपयोग राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की गाइडलाइन और वित्तीय नियमों के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। धनराशि के उपयोग, सत्यापन और लक्ष्य पूर्ति की जिम्मेदारी आयुक्त ग्राम्य विकास और मिशन निदेशक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को सौंपी गई है।

कैबिनेट विस्तार का दिखना चाहिए असर : मायावती

लखनऊ, अमृत विचार : बसपा प्रमुख मायावती ने उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल विस्तार पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसका वास्तविक प्रभाव आमजन के हित में दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कैबिनेट विस्तार से गरीबों, मजदूरों, किसानों, युवाओं और महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं दिखता, तो लोग इसे केवल राजनीतिक जुगाड़ और सरकारी संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ मानेंगे। समाज के हर वर्ग, विशेषकर कमजोर तबकों के जान-माल और धर्म की सुरक्षा सुनिश्चित होना सरकार और मंत्रियों की पहली संवैधानिक जिम्मेदारी है।

यूएस नगर में धर्मांतरण के तीन मामले मिले, एसआईटी गठित

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: ऊधमसिंह नगर जनपद में सामने आए धर्मांतरण से जुड़े तीन मामलों की जांच के लिए पुलिस उपाधीक्षक (सीओ) के पर्यवेक्षण में विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) का गठन किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय गणपति ने सोमवार को जानकारी दी कि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में जनपद ऊधमसिंह नगर पुलिस धर्मांतरण जैसे संवेदनशील मामलों पर पूरी गंभीरता एवं सख्ती के साथ कार्यवाही कर रही है। ऊधमसिंह नगर जिले में धर्मांतरण के तीन गंभीर मामले सामने आए हैं। इनमें से दो मामले खटीमा थाना क्षेत्र से जुड़े हैं जबकि एक नानकमत्ता थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। एसएसपी के अनुसार पुलिस उपाधीक्षक विभव सैनी की अगुवाई में गठित एसआईटी टीम में संबंधित मामलों के विवेचक, थाना प्रभारियों तथा स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की सर्विलांस टीम को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि, भय, दबाव, लालच अथवा झूठे प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने के प्रयासों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसएसपी ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कहीं इस प्रकार की गतिविधि की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।

पास्टर को दिया नोटिस, तीन अन्य संस्थाएं चिह्नित

सितारगंज : नानकमत्ता के दीननगर में धर्मांतरण विवाद के बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। एडीएम पंकज उपाध्याय के निर्देश पर राजस्व विभाग ने संदिग्ध संस्थाओं की जांच शुरू कर दी है। इसी क्रम में तहसीलदार हिमांशु जोशी ने बताया कि सुनखरीकला क्षेत्र में प्रार्थना सभाएं आयोजित करने और धर्मांतरण कराने के आरोप में सितारगंज निवासी एक पास्टर को नोटिस जारी किया गया है। आरोप है कि यह प्रार्थना सभा एसटी वर्ग की भूमि पर बने भवन में चल रही थी, जो ''उत्तराखण्ड धर्म स्वतंत्रता अधिनियम'' का उल्लंघन है। प्रशासन ने पास्टर को सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं।

आखिर कैसे रोकेंगे चाइनीज मांझा का इस्तेमाल: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

- गृह व पर्यावरण विभाग के सचिव स्तर के अफसरों को भी किया तलब

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने चाइनीज मांझा कहे जाने वाले लेड-कोटेड व नायलॉन मांझे की खरीद-बिक्री व इस्तेमाल रोकने को लेकर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि इसका इस्तेमाल रोकने के लिए उसने क्या योजना बनाई है।

वहीं सरकार की ओर से भी भरोसा दिलाया गया है कि वह ऐसे मांझे का इस्तेमाल रोकने के लिए कानून बनाने की प्रक्रिया में है, इसके लिए छह सदस्यीय एक कमेटी का भी गठन किया जा चुका है। कोर्ट ने 13 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई पर गृह व पर्यावरण विभाग के सचिव या इससे ऊपर के अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित रहने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर पारित किया। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता राजकुमार सिंह ने बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा लेड-कोटेड व नायलॉन मांझे का इस्तेमाल पहले से प्रतिबंधित किया जा चुका है। इस पर कोर्ट का कहना था कि प्रतिबंध का पालन भी होना चाहिए, जहां इनका निर्माण व बिक्री हो रही हो, उसकी जांच करना भी राज्य सरकार का दायित्व है।

कारीगिरी

प्रयागराज में भीषण गर्मी के दौरान बांस की चटाइयां या चिक बनाने का काम काफी बढ़ जाता है। ये चिक चिलचिलाती धूप से बचने का एक पारंपरिक और सस्ता साधन हैं। इनका उपयोग खिड़कियों और बालकनी में किया जाता है ताकि सीधी धूप को रोका जा सके और ताजी हवा अंदर आती रहे। स्थानीय मजदूर बांस की पतली तीलियों को धागे से बुनकर इन्हें तैयार करते हैं। गर्मी के मौसम में इनकी मांग बढ़ने से कारीगरों को रोजगार मिलता है।

दूल्हे की तबीयत बिगड़ी, दुल्हन ने शादी से किया इन्कार

एटा,एजेंसी: जिले के सकीट थाना क्षेत्र में दूल्हे की तबीयत अचानक बिगड़ने पर दुल्हन और उसके परिवार वालों ने मेडिकल रिपोर्ट मांगते हुए शादी से इनकार कर दिया। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि काफी मान-मनौव्वल के बावजूद बात नहीं बनने पर बारात लौट गई। सूत्रों के मुताबिक, कोतवाली देहात क्षेत्र के कठोली गांव के रहने वाले युवक का रिश्ता सकीट थाना क्षेत्र के नगला फुले गांव निवासी विजय सिंह की बेटी से तय हुआ था।

रविवार शाम सकीट स्थित सोनू गेस्ट हाउस में बारात पहुंची, लेकिन शादी की रस्में शुरू होने के दौरान दूल्हा कुर्सी पर ठीक से बैठ नहीं पाया और अचानक नीचे गिर पड़ा, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूत्रों के अनुसार, मौके पर मौजूद लोगों ने दूल्हे को संभालने का प्रयास किया और पानी पिलाया, लेकिन दुल्हन पक्ष के लोगों ने दूल्हे की सेहत को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए और उसकी मेडिकल रिपोर्ट मांगी। दुल्हन की मां ने आरोप लगाया कि वर पक्ष ने दूल्हे की बीमारी की बात उनसे छिपाई थी। उन्होंने बताया कि इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस और विवाद होने लगा।

चुनाव खत्म होते ही सरकार को याद आया संकट

अमृत विचार, लखनऊ: अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव खत्म होते ही सरकार को अचानक संकट याद आ गया। अगर हालात इतने गंभीर थे तो चुनाव के दौरान हजारों चार्टर उड़ानें क्यों भरी गईं? उन्होंने कहा कि देश के लिए सबसे बड़ा संकट सिर्फ एक है और उसका नाम भारतीय जनता पार्टी है।

सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि अगर इतनी पाबंदियां लगानी पड़ रही हैं तो सरकार जिस 'पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था' का दावा करती रही है, उसकी सच्चाई अब सामने आ गई है।

तकनीक

आईआईटी कानपुर के शोधकर्ताओं का कमाल, इशारों पर नाचेंगी तरल बूंदें

लेजर से तय होगी पानी की बूंदों की दिशा और रफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

प्लेसमेंट-एनर्जी मैप्स विकसित

शोधकर्ताओं ने हाई-स्पीड इमेजिंग, ऑप्टिकल मॉडलिंग और मल्टीफेज न्यूमेरिकल सिमुलेशन की सहायता से 'प्लेसमेंट-एनर्जी मैप्स' विकसित किए हैं, जो विभिन्न लेजर परिस्थितियों में बूंदों के व्यवहार का पूर्वानुमान लगाने में सक्षम हैं। यह प्रणाली उन जटिल प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने में सहायक होगी जिन्हें अब तक लगातार और सटीक रूप से दोहराना कठिन माना जाता था।

उपकरणों व ऊर्जा प्रणालियों में मिलेंगे नए अवसर

इस शोध के महत्व पर आईआईटी कानपुर के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. डी. चैतन्य कुमार राव ने कहा कि हम लंबे समय से इस बात का अध्ययन कर रहे हैं कि उच्च-शक्ति वाले लेजर जब तरल पदार्थों और सॉफ्ट मैटर के साथ संपर्क करते हैं, तो किस प्रकार की जटिल भौतिक प्रक्रियाएं उत्पन्न होती हैं। अपने पूर्ववर्ती अध्ययनों में हमने लेजर-प्रेरित एटोमाइजेशन, बबल डायनेमिक्स और इंटरफेस से जुड़ी प्रक्रियाओं का अध्ययन किया था। यह नया शोध उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो लेजर द्वारा नियंत्रित बूंदों के व्यवहार को सटीक रूप से समझने और नियंत्रित करने में सहायता करेगा।

अमृत विचार: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के शोधकर्ताओं ने लेजर की मदद से बूंदों की दिशा और गति को सटीक रूप से नियंत्रित करने की नई तकनीक विकसित की है। यह तकनीक भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु तथा जर्मनी के यूनिवर्सिटी ऑफ ल्यूबेक के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर तैयार की गई है। इस तकनीक में लेजर पल्स की सहायता से तरल बूंदों की गति और उनके विखंडन को सटीक रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। यह शोध प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज जर्नल में प्रकाशित हुआ है। यह अध्ययन लेजर और पदार्थ के बीच होने वाली जटिल क्रियाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा। इससे लक्षित दवा वितरण, इंकजेट प्रिंटिंग, लेजर आधारित निर्माण तकनीक और बायोमेडिकल जैसे क्षेत्र में नई संभावनाएं खुल सकती हैं। सूक्ष्म तरल बूंदों को लेजर की सहायता से विभिन्न दिशाओं जैसे आगे, पीछे अथवा चारों ओर नियंत्रित रूप से संचालित किया जा सकता है। इसके लिए शोधकर्ताओं ने बूंद की स्थिति को लेजर फोकस के अनुसार समायोजित किया तथा लेजर पल्स की ऊर्जा को नियंत्रित किया। शोध में पाया गया कि लेजर से उत्पन्न प्रारंभिक प्लाज्मा की स्थिति बूंद के आकार में परिवर्तन, उसके विखंडन और गति को प्रभावित करती है।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

मिल प्रबंधन ने कहा- पैसे ही नहीं, बेमियादी धरना शुरु

160 करोड़ बकाया भुगतान नहीं होने पर बहेड़ी में भाकियू (टिकैत) ने केसर मिल गेट पर तंबू गाड़ा, दोपहर में बनाई खिचड़ी

संवाददाता, बहेड़ी

बहेड़ी में केसर चीनी मिल गेट पर बेमियादी धरने पर बैठे भाकियू की सभा हुई।

अमृत विचार : गन्ना मूल्य भुगतान को लेकर किसानों का आक्रोश सोमवार को उस समय खुलकर सामने आ गया, जब भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) से जुड़े किसानों ने केसर शुगर मिल के मुख्य गेट पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। किसानों ने मिल का मेन गेट बंद कर वहां तंबू गाड़ दिए और दरी बिछाकर प्रदर्शन पर बैठ गए।

किसानों का आरोप है कि केसर मिल पर पिछले पेराई सत्र का करीब 142 करोड़ रुपये और चालू सत्र का लगभग 18 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य बकाया है। लंबे समय से भुगतान की मांग किए जाने के बावजूद कोई समाधान न निकलने से किसानों में भारी नाराजगी है। धरना स्थल पर भाकियू (टिकैत) के प्रदेश महासचिव चौधरी शिशुपाल सिंह ने कहा कि गन्ना भुगतान न मिलने से किसान आर्थिक संकट से जूझ रहा है, जबकि मिल प्रबंधन लगातार टालमटोल कर रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी जगतपाल ने कहा कि किसानों को अपना ही पैसा मांगने के लिए सड़क पर उतरना पड़ रहा है। जिला अध्यक्ष चौधरी सोमवीर सिंह ने चेतावनी दी कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। धरने के दौरान मिल के सीईओ शरत मिश्रा किसानों के बीच पहुंचे। उन्होंने साफ कहा कि मिल प्रबंधन के पास फिलहाल भुगतान के लिए धनराशि उपलब्ध नहीं है और चीनी मिल की बिक्री ही एकमात्र विकल्प बचा है।

● मिल की बिक्री के बाद ही किसानों का भुगतान संभव

उन्होंने बताया कि पिछले चार महीनों से एक खरीदार से बातचीत चल रही थी, लेकिन अंतिम चरण में सौदा टूट गया। अब अन्य खरीदारों से वार्ता जारी है और डील फाइनल होने के 15 दिन के भीतर किसानों के खातों में भुगतान भेजने का आश्वासन दिया। सीईओ के इस बयान से किसान और भड़क गए तथा उन्होंने धरना अनिश्चितकाल तक जारी रखने का एलान कर दिया। इस मौके पर तहसील अध्यक्ष राजेश खन्ना, रवि ढाका, धीरेन्द्र राठी, सतेन्द्र सिंह तोमर, करीम सैफी, शाहरुख खान, नारायण दास तिवारी, राशिद खान, शंकर लाल, हरीश गंगवार और महाराज सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

किसानों के आंदोलन के मद्देनज़र भाकियू (टिकैत) की 21 मई को होने वाली मासिक पंचायत अबकी बार बहेड़ी में ही होगी। भाकियू के ज़िलाध्यक्ष चौधरी सोमवीर ने कहा कि 15 मई को होने वाली पंचायत में भी आंदोलन की समीक्षा की जाएगी। औरआंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए रणनीति बनेगी।

तहसीलदार ने कहा कोई जमीन खरीदने आ ही नहीं रहा

तहसीलदार भानू प्रताप ने धरना स्थल पर किसानों को बताया कि मिल के कृषि फॉर्म की ज़मीन नीलाम करने के लिए कई बार तारीख लग चुकी है, लेकिन कोई खरीदार नहीं पहुँच रहा। अब 20 मई को फिर तारीख है। उन्होंने बताया कि मिल प्रबंधन के खिलाफ एफआइआर भी लिखाई गई थी, लेकिन उसमें मिल वाले हाई कोर्ट से स्टे ले आए हैं।

ओसवाल मिल का बकाया भुगतान नहीं हुआ तो 18 को होगा तहसील में आंदोलन

नवाबगंज, अमृत विचार : नवाबगंज में ओसवाल गन्ना किसानों का दो वर्षों से बकाया भुगतान न होने पर किसानों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी को लेकर पैनी नजर सामाजिक संस्था की अध्यक्ष ने सोमवार को नवाबगंज प्रशासन को पुन : ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि किसानों के भुगतान को लेकर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो 18 मई को किसान फिर तहसील पहुंचकर बड़ा आंदोलन करेंगे। किसानों ने कहा कि विधायक की आपत्ति पर मंडल आयुक्त द्वारा भुगतान प्रक्रिया पर लगाई गई रोक से किसानों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। संस्था अध्यक्ष सुनीता गंगवार ने आरोप लगाया कि शासन, प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर किसानों की अनदेखी कर रहे हैं। किसान बार–बार धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हो रहे हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। किसानों ने कहा कि जब तक मंडल आयुक्त स्वयं आकर जवाब नहीं देंगे, तब तक किसान पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक दिवसीय धरने पर किसानों को ठोस आश्वासन नहीं मिला तो आंदोलन अनिश्चितकालीन धरने में बदलकर जन आंदोलन का रूप ले सकता है। इस दौरान प्रदेश कोषाध्यक्ष वहीद अहमद अंसारी, ब्रह्मानंद गंगवार, रामरतन गंगवार समेत कई किसान मौजूद रहे।

एसडीएम ने स्व-जनगणना के लिए किया जागरुक

मीरगंज , अमृत विचार: तहसील कार्यालय में सोमवार को एसडीएम निधि शुक्ला ने स्व-गणना अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में मौजूद पत्रकारों की स्व-गणना कराई गई और उन्हें पीपीटी प्रस्तुतीकरण व फ्लो चार्ट के माध्यम से प्रकिया की जानकारी दी गई।

एसडीएम ने बताया कि नागरिक https://se.census.gov.in पोर्टल पर जाकर राज्य और क्षेत्र का चयन कर लॉग-इन करेंगे। इसके बाद परिवार प्रमुख का नाम, मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी दर्ज कर ओटीपी सत्यापन करना होगा। फिर भाषा चयन, स्थान संबंधी जानकारी और मानचित्र पर अपने घर का चिन्हांकन किया जाएगा। मकान सूचीकरण और आवास संबंधी प्रश्नावली भरनी होगी। सभी विवरण जांचने के बाद अंतिम प्रस्तुतिकरण पर परिवार को 11 अंकों की एक विशिष्ट पहचान संख्या मिलेगी, जिसे भविष्य में जनगणना सत्यापन के समय दिखाना होगा। तहसीलदार आशीष कुमार ने बताया कि प्रक्रिया सरल है। नागरिक ओटीपी के जरिए स्वयं परिवार की गणना कर सकते हैं।

अमृत विचार
Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मीरगंज, अमृत विचार: भाकियू (टिकैत) के पदाधिकारियों ने सोमवार को एसडीएम निधि शुक्ला को ज्ञापन सौंपा जिसमें उन्होंने ईंट भट्ठों पर कार्बन के प्रयोग से फसल बर्बाद होने का आरोप लगाया। कार्यकर्ता विभिन्न मांगों को लेकर तहसील पर पहुंचे थे।जिलाध्यक्ष दुर्गेश मौर्य ने ज्ञापन देकर शीशगढ़ कस्बे व ग्रामीण क्षेत्र में घूम रहे छुट्टा गोवंश को पकड़वा कर गोशाला में संरक्षित करने एवं राशन की दुकानों पर कार्ड धारकों को खाद्यान्न के साथ जबरन साबुन, नमक, सर्फ आदि देने पर रोक लगाने की मांग की।

घटिया सड़क मरम्मत, पब्लिक ने कार्य रुकवाया

संवाददाता,नवाबगंज

अमृत विचार: श्यामपुर गांव से पीलीभीत हाईवे तक जाने वाले करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे मार्ग पर चल रहे सड़क मरम्मत कार्य को ग्रामीणों ने सोमवार को रुकवा दिया। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी और घटिया सामग्री प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए मौके पर प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का कहना है कि लगभग 11 लाख रुपये की लागत से कराए जा रहे इस पैचिंग कार्य में सड़क के गड्ढों की सही तरीके से सफाई नहीं की जा रही है। आरोप है कि गड्ढों में जमा धूल और मिट्टी हटाए बिना ही उनमें गिट्टी डालकर कम मात्रा में कोलतार का प्रयोग किया जा रहा है। इससे नई बनाई गई पैचिंग की सतह से पत्थर उखड़ने लगे हैं और सड़क कुछ ही दिनों में फिर खराब होने की आशंका पैदा हो गई है।

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में थी, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मरम्मत कार्य शुरू होने पर लोगों को उम्मीद थी कि सड़क की स्थिति सुधरेगी, लेकिन काम की गुणवत्ता देखकर ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य को रुकवा दिया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक गुणवत्ता पूर्ण कार्य नहीं कराया जाएगा, तब तक सड़क निर्माण आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत जनप्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी दर्ज कराई है और पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए सड़क पर खड़े ग्रामीण ● अमृत विचार

विरोध जताने वालों में ग्राम प्रधान माखनलाल, छोटेलाल, प्रेमपाल, धर्मेन्द्र, राहुल, वीरेन्द्र, विपिन, जगपाल, वीरपाल, सुनील कुमार समेत अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

जीवनी बोन & हैल्थ क्लीनिक
स्वास्थ्य शिविर
दिनांक : 14 मई, 2026,
समय : 10 बजे से 2 बजे तक
रजिस्ट्रेशन अनिवार्य, शुल्क मात्र रु. 100/-
शिविर मे फ्री जाँचे
● HB ● TLC ● DLC ● Platelets ● S. Urea ● S.Creatinine ● PCV ● MCV ● MCHC ● S.Uric Acid ● S.ca ● S.Bilirubin ● S. Protein ● SGOT ● SGPT ● S.ALP ● RBS ● BMD ● PEFT
डा. विनय गंगवार
एम.बी.बी.एस. (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. आँचल अग्रवाल
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई)
कंसल्टेंट फिजिशियन
बाकी सभी जाँचों पर 30% की छूट
सभी प्रकार की दवाओं पर 20% की छूट
शिविर में लाभ उठाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराएँ 6396640323
पता : मॉडल टाउन पुलिस चौकी के पास, स्टेडियम रोड, बरेली।

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

श्वांस रोग जागरूकता अभियान
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D., परामर्श फिजीशियन क्रिटिकल केयर
स्पेशलिस्ट-ब्लड प्रेशर, हृदय, श्वांस व गम्भीर रोगों का इलाज
पैकेज मात्र ₹1300/-
परामर्श + ECG + PFT + Lipid Profile + RBS + Chest X-Ray
प्रेमलोक हॉस्पिटल नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली
9084307201, 9520340911
डॉ. नितिन अग्रवाल वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. ज़हीर उल हसन
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
कन्सलटेंट फिजीशियन
हृदय, शुगर, बी.पी., पेट एवं श्वांस रोग विशेषज्ञ
विभाग : जनरल सर्जरी, आर्थो, यूरोलॉजी, ईएनटी, स्त्री एवं प्रसूति रोग एवं अन्य विभाग
आयुष्मान कार्ड द्वारा ऑपरेशन व इलाज की सुविधा
हेल्पलाइन नम्बर : 7037029092
उम्मीद हॉस्पिटल एवं क्रिटिकल केयर
आईसीआईसीआई बैंक के पास, मिनी बाईपास, कर्मचारी नगर, बरेली

न्यूज डायरी

आशीष बने भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की युवा विंग के जिलाध्यक्ष

कैंट, अमृत विचार : अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की संगठनात्मक बैठक में ब्राह्मण समाज की स्थिति तथा सामाजिक, शासकीय, प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीरता पूर्वक विचार विमर्श हुआ। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गजेन्द्र पाण्डेय ने की। एक बरातघर में हुई बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा के साथ कुछ नए पदाधिकारियों की घोषणा हुई। मंडल अध्यक्ष ब्रह्मानंद शर्मा ने युवा इकाई के जिलाध्यक्ष के रूप में आशीष शर्मा को मनोनीत किया गया। संजय शर्मा को उपाध्यक्ष, धरनीधर गौतम को महानगर मंत्री, नीरज मिश्रा को मंत्री मनोनीत किया गया। नए पदाधिकारियों से समाज को अपनी ऊर्जा प्रदान करते हुए उत्थान और सुदृढ़ करने की अपेक्षा की गई। इस दौरान हर स्वरूप शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, रामदत्त शर्मा, अशोक शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, महेंद्र पाल शर्मा, हरिशंकर शर्मा, लखन शर्मा, पूर्व प्रधान महेश शर्मा, सुभाष शर्मा, अमित शर्मा, रमेश शर्मा आदि रहे।

बहेड़ी में सेवानिवृत हुई आँगनबाडियों को विदाई

बहेड़ी, अमृत विचार : :बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग से बाल विकास परियोजना बहेड़ी में सेवानिवृत होने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिका को भावभीनी विदाई दी गई। सेवानिर्वत होने वालों के कार्यों की सराहना करते हुए उनको सम्मानित भी किया गया।सेवनिर्वत्त होने वाली आँगनबाडियों में शांति देवी सिमरजीत कौर, सावित्री सक्सेना व सहायिका दुर्गा हलधर सेवानिवृत्त हुई। परियोजना कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में राजकुमारी, सुनीता, स्वाति गंगवार, केशलता, कोशिकी शर्मा, मुख्य सेविका व ब्लॉक कोऑर्डिनेटर राजकुमार ने सम्मानित किया। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकत्री पुष्पा शर्मा, अमरजीत कौर, सुमन गुप्ता, चमेली गंगवार, जया रानी, मिता राय, रचना सक्सेना आदि रही।

एससीएसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन का गठन

बिशारतगंज, अमृत विचार : सोमवार को एससी एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन की मझगंवा ब्लॉक इकाई का गठन किया गया। इससे पूर्व उच्च प्राथमिक विद्यालय मझगवां में जिला अध्यक्ष प्रभाकर बाबू की अध्यक्षता में संगठन की बैठक हुई। इसमें पोशाकी लाल ब्लॉक अध्यक्ष नेहा आनंद ब्लॉक मंत्री चुने गये। इसके अलावा अमरपाल सिंह कोषाध्यक्ष, यादवेंद्र कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शैलेंद्र सिंह, रीना, शैलेश, तरूण कुमार, सतीश, रूम सिंह आदि को पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई।

मिशन के स्टूडेंट्स को दी गई ट्रामा की जानकारी

बहेड़ी, अमृत विचार : मिशन एकेडमी मंडनपुर में ट्रामा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कॉलेज भोजीपुरा की टीम ने स्टूडेंट्स को ट्रामा से जुडी तमाम जानकारियां दीं, जिनसे मरीज़ों की जान बचाई जा सके। मेडिकल कॉलेज की टीम ने स्टूडेंट्स को घायल मरीज़ों को फर्स्ट एड देने का तरीका बताया।बेहोश मरीज़ की पल्स देखने और उसे सीपीआर देने का तरीका समझाया गया।फ्रैक्चर के केस में घायल की सहायता कैसे की जाए, ब्लडिंग कैसे रोकी जाए, और आग से जलने वाले केस में मरीज़ को मदद करना बताया। टीम में डॉक्टर हर्षित अग्रवाल, डा. एस के रॉय और डा. रिफ्शा शामिल थे। विद्यालय प्रबंधक एमएस गंगवार ने मेडिकल टीम का स्वागत किया। एमडी शेखर गंगवार ने कहा मेडिकल टीम से मिली जानकारी छात्रों का ज्ञान वर्धन करेगी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर वैभव गंगवार, प्रिंसिपल चंद्रशेखर गंगवार भी मौजूद रहे।

सामने आई निजी स्कूलों की हकीकत

देवरनियां,अमृत विचार । शनिवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के छापे में रिछा के दो निजी स्कूलों की सामने आई हकीकत के मामले में अब ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) पर ही सवाल उठने लगे हैं, कि आखिर उनकी नजर इन स्कूलों पर क्यों नहीं पडी?

बीएसए डॉ० विनीता ने ब्लॉक रिछा (दमखोदा) के कुछ सरकारी विद्यालयों का निरीक्षण करने के साथ ही रिछा कस्बे में संचालित दो निजी स्कूलों का भी मुआयना किया था। इसमें देहली पब्लिक स्कूल और बीईओ कार्यालय के पास स्थित एचएमआई इंटरनेशनल स्कूल में आठवीं की मान्यता पर हाईस्कूल तक की कक्षाएं संचालित होने समेत अन्य गडबडी मिली थी। इनमें से एक स्कूल का मामला पिछले वर्ष सितम्बर में और इस वर्ष फरवरी में उजागर हो चुका है। मगर बीईओ आंखे फेरे रहे। सूत्रों के अनुसार पिछले दिनों बीईओ एक निजी स्कूल पहुंचे, मगर कार्रवाई करने के बजाए मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया।

अवैध खनन और गोकशी न करें

बिशारतगंज,अमृत विचार सोमवार को थाना प्रांगण में थाना प्रभारी नरेश कुमार कश्यप ने पीस कमेटी की बैठक की। इसमेंसभासद एवं गांव के प्रधान और संभ्रांत लोग शामिल हुए।

प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि थाना क्षेत्र में कोई अवैध खनन नहीं होगा। किसी गांव या कस्बा में कोई व्यक्ति गौकशी के मामले में संलिप्त है या संदिग्ध नजर आता है तो उसके बारे में पुलिस को जरूर बताएं। सड़क पर अतिक्रमण करने वाले व्यापारी और रेहड़ी वालों से अतिक्रमण हटाने को कहा। इस दौरान चेयरमैन लाल मियां कुरैशी, नानकराम सागर, प्रधान विजेंद्र सिंह, भगवानदास यादव, मुख्तार अंसारी ,अब्दुल सत्तार, वेदपाल, पूरनलाल, रूम सिंह सागर,लालन गोस्वामी,आदि रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मेरा नाम Nehal Khan है मेरे पिता का नाम MOHAMMAD REHMAN है और माता का नाम SABIYA REHMAN हैं हमारी (CBSE BOARD) की मार्क शीट में माता पिता दोनों के नाम गलत अंकित हो गए है गलत नाम पिता का MODH REHMAN और माता का गलत नाम SABIA अंकित हो गया है जब की सही नाम पिता का MOHAMMAD REHMAN और माता का SABIYA REHMAN अंकित होना है। नेहाल खान मोहल्ला बर्क जई कस्बा जलालाबाद जिला शाहजहांपुर।

सूचना
मैं अपने पति विक्की कश्यप पुत्र राजकुमार से उनके गलत आचरण के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर रहीं हूं। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। लक्ष्मी कश्यप पत्नी विक्की कश्यप निवासी- पैन मोहल्ला करेली जिला बरेली

Required
Male/Female Candidate for Pacific Super Market Mahanagar Colony
Contact : 9359802735

आवश्यकता है
Revit व Autocad डिजाईनर (पुरूष व महिला) की
सम्पर्क करें
अन्सारी एसोसिएटस
मोहम्मदपुर रोड, बहेड़ी
9412048753

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

हादसे में अज्ञात युवक की मौत

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर सोमवार को एक हादसे में अज्ञात युवक की जान चली गई। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी औरवाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना ग्राम रम्पुरा मोड़ के समीप हुई । युवक के पास से मिले मोबाइल के आधार पर उसकी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि युवक असम क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है।

भाकियू ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

शेरगढ़, अमृत विचार : भाकियू अराजनैतिक (टिकैत) की मासिक बैठक ब्लॉक मुख्यालय परिसर में हुई। जिसमें किसानों की समस्याओं को लेकर चार सूत्रीय ज्ञापन बीडीओ को सौंपा गया। सोमवार को भाकियू अराजनैतिक (टिकैत) के ब्लॉक अध्यक्ष अब्दुल वाहिद की अध्यक्षता में आयोजित मासिक बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई। इस दौरान किसानों को समय से बीज उपलब्ध कराने,आवारा पशुओं को पकड़वाकर गौशाला में पहुंचाने सहित कई मांगों का ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर ब्लॉक कोषाध्यक्ष सेवाराम, सोमपाल,भगवान दास,किशन लाल,रामलाल,नन्हेलाल,होरी लाल,मो. शाहवेज तथा रामस्वरूप,शांति देवी,चमेली देवी,प्रीती गुप्ता,लक्ष्मन सिंह,सोमपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

महिला की संदिग्ध मौत ससुरालियों पर आरोप

बेटी के जन्म पर मायके और ससुराल पक्ष में हुआ था विवाद

संवाददाता, भमोरा

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव भरताना में दहेज उत्पीड़न से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जहां विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मायके पक्ष ने पति समेत ससुरालियों पर अतिरिक्त दहेज की मांग, मारपीट और प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

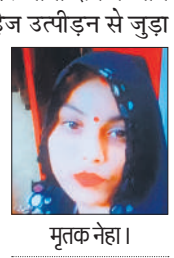

मृतक नेहा।

मृतका के पिता गोवर्धन शर्मा ने बताया कि उनकी बेटी नेहा की शादी मई 2024 में थाना वजीरगंज क्षेत्र के गांव भवानीपुर निवासी नेत्रपाल उर्फ टिंकू से हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ माह बाद ही ससुराल पक्ष ने बुलेट मोटरसाइकिल और एक लाख रुपये नकद की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर नेहा के साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया जाने लगा।

परिजनों के अनुसार करीब दो माह पहले ससुराल वाले नेहा को मारपीट कर गांव के बाहर छोड़ गए थे, जिसके बाद से उसकी तबीयत खराब रहने लगी।

पांच माह पहले उसने एक पुत्री को जन्म दिया था। रविवार शाम अचानक हालत बिगड़ने पर उसे देवचरा के निजी अस्पताल ले जाया गया। सोमवार सुबह घर लौटने के कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में जांच जारी है।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : गृह क्लेश में युवक ने पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव पेड़ से लटका मिला। थाना क्षेत्र के गांव गुलनगरा जादोपुर निवासी भरत पुत्र राजपाल (26) पिछले दो वर्षों से बरेली के हरुनगला क्षेत्र में रहकर बैंक में नौकरी करता था। सोमवार को उसका शव भरतौल क्षेत्र में एक अशोक के पेड़ से रस्सी के सहारे लटका मिला जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।परिजनों के अनुसार भरत लंबे समय से घरेलू कलह और मानसिक तनाव से परेशान चल रहा था। मृतक के पिता राजपाल ने बताया कि घटना से एक दिन पहले बेटे भरत का फोन आया था उसने कहा था कि अब वह काफी परेशान हो चुका है और सहन करने की सीमा खत्म हो गई है। इसके बाद सुबह उसकी मौत की खबर मिली।परिजनों ने बताया कि भरत का पहला विवाह फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र के एक गांव में हुआ था लेकिन विवाद के चलते संबंध टूट गया। इसके बाद उसने फरीदपुर के मोहल्ला कानूनगोयान निवासी रिया उर्फ पिंकी से प्रेम विवाह किया था। दंपति का आठ माह का एक बेटा भी है। बताया जा रहा है कि आर्थिक तंगी को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। मृतक के पिता ने बेटे की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सोमनाथ के जयकारों से गुंजायमान हुए शिव मंदिर

रिठौरा में सोमवार को महिलाओ ने कलश यात्रा निकाली। ● अमृत विचार

फरीदपुर में रूद्राभिषेक में एमएलसी एसडीएम व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता रिठौरा

अमृत विचार : गुजरात के सोमनाथ मंदिर में सोमवार को आयोजित भव्य कार्यक्रम का उत्साह रिठौरा में भी दिखा। कस्बे के प्राचीन शिव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

सोमवार को प्राचीन शिव मंदिर के प्रांगण में महंत तुलसीदास महाराज के सानिध्य में सुबह विशेष अनुष्ठान शुरू हुए। कार्यक्रम में पहुंचे अधिशासी अधिकारी अंकित कुमार गंगवार, अमित कुमार गुप्ता, ने भगवान आशुतोष का जलाभिषेक किया।

मंदिर परिसर में स्थापित बड़ी एलईडी स्क्रीन पर जब सोमनाथ मंदिर के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण शुरू हुआ, तो समूचा मंदिर परिसर ''हर-हर महादेव'' के जयघोष से गूंज उठा। यात्रा का नेतृत्व सभासद कमलेश गंगवार, रवीन्द्र, मनोज कश्यप, सूर्य प्रकाश शर्मा, राजेश कुमार कश्यप और अनिल उर्फ पप्पू गुप्ता ने किया।धार्मिक अनुष्ठान के दौरान दिनेश कुमारी, ढल्लो देवी, रीना, पूर्व सभासद पप्पू कश्यप, राजीव उर्फ लवकुश साहू और रमेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

फरीदपुर में हुआ रुद्राभिषेक

फरीदपुर : सत्संग भवन आश्रम में शिवालय में रुद्राभिषेक ओंकार जप एवं महा आरती का आयोजन , एसडीएम रामजन्म यादव, अधिशासी अधिकारी पुनीत कुमार, आदेश कुमार शुक्ला, निरीक्षक सफाई सुरजीत सिंह चौहान,सदस्य विधान परिषद कुंवर महाराज सिंह आदि लोगों ने शिवालय में रुद्राभिषेक में भाग लिया

धौराटांडा में निकली कलश यात्रा:

भोजीपुरा में कस्बे के लोगों ने धौंरा टांडा हनुमान व शिवमन्दिर में जलाभिषेक किया और कलश यात्रा निकाली।

इस यात्रा में नायब तहसीलदार अभिषेक तिवारी,अधिशासी अधिकारी संदीप चंद्र, चेयरमैन नदीम उल हसन, राकेश कुमार, रूप बसंत कश्यप, रामराज,लेखपाल भुवनेद्र, मोहम्मद फारूक, धनपत लाल रस्तोगी, दिनेश कुमारी, अरविंद कुमार और सफाई नायक राम बाबू सहित आदि लोग उपस्थित रहे ।

मीरगंज में भूटेश्वर महादेव मंदिर में पूजन किया

मीरगंज, अमृत विचार : सोमवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत भूटेश्वर महादेव मंदिर मोहल्ला शिवपुरी में पूजन किया गया। मंदिर में एसडीएम निधि शुक्ला, ईओ प्रियंका आदि की मौजूदगी में आयोजन स्थल पर धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की एक विशेष श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव का रुद्राभिषेक और विधिवत पूजा-अर्चना की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और सामूहिक मंत्र जाप से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।इस दौरान लेखपाल अनिल कुमार, उर्मिला देवी, शारदा देवी, किशोरी देवी, राजीव गिरी, अंकित शर्मा आदि रहे।

भाई के हत्यारोपी भाई-भाभी गिरफ्तार

संवाददाता,नवाबगंज

अमृत विचार: नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव सिजौलिया में जमीन के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में छोटे भाई की हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी बड़े भाई और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं मामले में शामिल एक नाबालिग को बाल सुधार गृह भेजा गया है।

बताया जाता है कि गांव निवासी जन्नती के परिवार में काफी समय से जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चला आ रहा था। शनिवार देर रात छोटे बेटे इरफान अली और बड़े भाई अजब शाह के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर अजब शाह ने अपने बेटों के साथ मिलकर इरफान अली पर हमला कर दिया। इस दौरान उसके सिर पर ईंटों से कई वार किए गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

हत्यारोपियों को जेल ले जाती पुलिस। ● अमृत विचार

घटना के बाद परिजन घायल इरफान को नगर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

मृतक की पत्नी नसरीन की तहरीर पर पुलिस ने अजब शाह, उसकी पत्नी परवीन और उनके दो पुत्रों के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने सोमवार को अजब शाह और परवीन को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं एक आरोपी के नाबालिग पाए जाने पर उसे बाल सुधार गृह भेजा गया।

व्यापारी नेता पर दुष्कर्म का आरोप, 5 पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता आंवला

अमृत विचार : नगर के मोहल्ला पक्का कटरा निवासी व्यापारी नेता वरुण अग्रवाल पर अनुसूचित जाति की एक दिव्यांग महिला ने दुष्कर्म, जातिसूचक टिप्पणी और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पीड़िता की शिकायत पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश से थाना सिविल लाइन में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पीड़िता ने एसएसपी मुरादाबाद को दिए शिकायती पत्र में बताया कि करीब 15 वर्ष पूर्व वरुण अग्रवाल ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म किया था। महिला का आरोप है कि एक वर्ष पूर्व आरोपी उसे एक होटल में ले गया, जहां उसके साथ फिर शारीरिक संबंध बनाए गए। जब उसने शादी करने की बात कही तो आरोपी ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए जातिसूचक शब्द कहे। पीड़िता का कहना है कि उसके पास फोटो और बातचीत की ऑडियो क्लिप भी मौजूद हैं।

महिला के अनुसार, उसने 19 मार्च को डाक के माध्यम से एसएसपी को शिकायत भेजी थी। एसएसपी ने थाना सिविल लाइन को मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए, लेकिन पुलिस ने तत्काल कार्रवाई नहीं की। आरोप है कि 30 मार्च 2026 को वरुण अग्रवाल के भाई राहुल शरद अग्रवाल, पत्नी रूपाली अग्रवाल और संगीता अग्रवाल उसके घर पहुंचे। यहां राहुल ने तमंचा दिखाकर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया। इसके बाद पीड़िता को थाना सिविल लाइन ले जाकर पहले से तैयार समझौता पत्र पर जबरन हस्ताक्षर करा लिए गए।पुलिस ने पांचों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नौकरी लगवाने के नाम पर 37 लाख ठगे

- **कर्नल के घर नौकर बताकर सेना में नौकरी लगवाने को कहा**
- **कोतवाली में चार पीड़ितों ने दी आरोपी के खिलाफ तहरीर**

संवाददाता फरीदपुर,

अमृत विचार : आर्मी बेस वर्कशॉप एवं होमगार्ड में नौकरी लगवाने और खुद को आर्मी के कर्नल के घर में नौकर बता कर लोगों को नौकरी लगवाने के लिए चार लोगों से लाखों रुपए की ठगी कर ली गई। नौकरी के नियुक्ति पत्र के लिए 12 मार्च का समय दिया गया। जब लोगों को समय पर नियुक्ति पत्र नहीं मिला तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ। अब आरोपी फरार है। पीड़ितों ने कोतवाली फरीदपुर में तहरीर दी है।

फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कैरुआ निवासी अरविंद की मुलाकात बरेली के मिलिट्री अस्पताल में काम करने वाले रंजीत कुमार सक्सेना निवासी मोहल्ला हिंदू पट्टी थाना तिलहर जिला शाहजहांपुर के भाई से हुई। अरविंद ने खुद को बताया कि वह कर्नल के यहां नौकरी करता है वह आर्मी में और होमगार्ड में नौकरी लगवा सकता है। रंजीत के भाई अरविंद के झांसे में आ गए और अरविंद से 8 लाख में नौकरी का सौदा कर लिया। इस दौरान 12 मार्च को नियुक्ति पत्र भी दिलाने की बात तय हो गई। नौकरी के लिए फार्म भी भरवा लिया गया। इसी तरह से फुरकान खान निवासी ग्राम सिंघाईकला थाना भुता से 6 लाख , अभय प्रताप निवासी ग्राम बहराम नगर फर्रुखाबाद से 15 लाख, विवेक कुमार निवासी ग्राम बिजौरी थाना मेंरापुर फर्रुखाबाद से 8 लाख रुपए में अरविंद ने सौदा तय कर सभी से रुपए भी ले लिए। 12 मार्च को जब लोगों को नियुक्ति पत्र नहीं मिला तब लोगों ने अरविंद को फोन किया तो अरविंद ने बताया कि उनके कर्नल साहब सारा रुपया लेकर भाग गए हैं। कुछ दिनों बाद अरविंद ने भी अपना फोन बंद कर लिया। अरविंद द्वारा ठगी का शिकार हुए चारों लोगों ने कोतवाली फरीदपुर में अरविंद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने को तहरीर दी है।

थाना भवन को स्थानान्तरित करने को डीजीपी से मिले

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : बंद पड़ी रबर फैक्ट्री की जमीन में मौजूद थाने की जर्जर बिल्डिंग को सिंचाई विभाग की जमीन में स्थानांतरित करने का आग्रह डीजीपी से किया गया है। भाजपा नेता आशीष अग्रवाल ने लखनऊ में डीजीपी से मिलकर इस आशय का पत्र दिया है। भाजपा नेता पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा को बताया वर्षों पुरानी एशिया की जानी मानी रबर फैक्ट्री के मैदान स्थानीय थाना का निर्माण किया गया था।लेकिन लगभग 27 साल से बंद रबर फैक्ट्री की थाना की बिल्डिंग बदहाल हो गई है।थाना कार्यालय समेत पुलिस कर्मी आवास जर्जर हो गए है।

कस्बा से करीब दो किमी दूर होने के कारण जहां रोजमर्रा की चीजों को लेने के लिए पुलिस कर्मियों को दिक्कत होती है। वही पीड़ित फरियादियों को रात के समय थाना पहुंचने के लिए भारी दिक्कत उठानी पड़ती है। तमाम प्रयास के बाबजूद थाना स्थानांतरण कर और नवीन भवन निर्माण शुरू नहीं हुआ।

शनिवार को डीजीपी से मिलकर भाजपा नेता ने थाना को स्थानांतरित कर नव निर्मित करने का आग्रह किया है।

महाराणा प्रताप त्याग, साहस की पहचान :सोम

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : भाजपा नेता संगीत सोम ने क्षत्रिय समाज से समाज में विघटन पैदा करने और दूसरे समाज से लड़ाने की साज़िशों से होशियार रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज एकजुट होकर महाराणा प्रताप के पदचिन्हों पर चले, तो उनके स्वाभिमान पर कभी आंच नहीं आ सकती।

श्री सोम महाराणा प्रताप जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की हैसियत से बोल रहे थे।उन्होंने महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक व्यक्ति नहीं

सभा को संबोधित करते भाजपा नेता संगीत सोम। ● अमृत विचार

- **क्षत्रिय समाज को कमज़ोर करने की साज़िशों से होशियार रहने की अपील**

बल्कि त्याग, साहस और संस्कृति की पहचान हैं। कहा कि कुछ लोग समाज को कमजोर करने के लिए जातियों के बीच दूरी पैदा करने का काम करते हैं, लेकिन क्षत्रिय समाज को ऐसे लोगों से डटकर मुकाबला करना चाहिए।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग मौजूद रहे।

इससे पहले श्री रामलीला मैदान से रैली निकाली गई। रैली में तमाम युवा पगड़ी बांधे हाथ में तलवार लेकर चल रहे थे। इस मौके पर कुंवर सिद्धराज सिंह, अनिल चौहान पहलवान,ठाकुर विक्रांत सिंह , केडी सिंह , राहुल सिंह, सर्वेश सिंह, अनुज ठाकुर,अमर ठाकुर. सभासद हेमंत कालड़ा व अक्षय मंगलम समेत तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

भाकियू ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : भाकियू ने राष्ट्रपति को संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन स्थानीय खण्ड विकास अधिकारी को सौंपा है। भाकियू ने ज्ञापन में कहा जब किसान को खाद बायोमैट्रिक से मिल रही है तो गड़बड़ी रोकने के लिए मतदान में बायोमेट्रिक का प्रयोग भी किया जाना चाहिए। जब एक चपरासी के लिए योग्यता और उम्र का मानक रखा गया है तो सांसद,विधायक के लिए योग्यता और आयु निर्धारित किया जाना चाहिए।भाकियू ने ब्लॉक कार्यालय पर बैठक कर ज्ञापन बीडीओ आशीष पाल को सौंपा। इस मौके पर अरविंद सिंह सोमवंशी, झंडू सिंह,जगदीश मास्टर, मदन लाल गंगवार,अनोखे लाल, पुरनलाल,सोहन लाल आदि मौजूद रहे।

मदर्स डे पर माताओं को किया सम्मानित

फरीदपुर, अमृत विचार : लाइसियम कॉन्वेंट में मदर डे कार्यक्रम में बच्चों की माताओं ने भाग लिया। इस दौरान सुनीता को बेस्ट मदर ऑफ ईयर चुना गया। कार्यकम का शुभारंभ प्रधानाचार्य धर्मेंद्र चौहान ने किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि मां बच्चों की प्रथम गुरु होती है। बच्चे को चलना बोलना सीखाती है। मां से बेहतर कोई शिक्षक नहीं हो सकता। कार्यक्रम में दानिश खान , धर्मपाल , गुड़िया देवी, अनन्या राठौर , अर्चना , रानी गुप्ता, शिवानी शर्मा, आंशिक जायसवाल, सायमा खान, मुक्तामणि सिंह आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक शाहनवाज ने किया।

श्मशान का रास्ता कराया कब्जा मुक्त

संवाददाता रिठौरा।

अमृत विचार: थाना इज्जतनगर के गांव मुंडिया अहमदनगर (मोहल्ला खेड़ा) में वर्षों से श्मशान भूमि के रास्ते पर काबिज अतिक्रमण को सोमवार को प्रशासन ने बुल्डोजर चलाकर जमींदोज कर दिया। बरेली-पीलीभीत हाईवे किनारे मजार और दीवारों की आड़ में बंद किए गए इस रास्ते को खुलवाने के लिए भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) ने लंबा संघर्ष किया था, जिसके आगे आखिरकार प्रशासन को झुकना पड़ा। मुंडिया अहमदनगर में श्मशान भूमि जाने वाले सरकारी चकमार्गों पर एक निजी कॉलेज और कुछ लोगों ने मकान बना लिए थे। हाईवे किनारे रास्ते पर मजार बनाकर उसे पूरी तरह ब्लॉक कर दिया गया। ग्रामीण सालों से निजी खेतों से होकर शव ले जाने को मजबूर थे। हाल ही में एक अंत्येष्टि के दौरान रास्ता रोके जाने पर काफी कहासुनी हुई, जिससे ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया।

अवैध दीवार को ढहाती जेसीबी।

- **मजार और अवैध दीवारें ढहाकर खोला चकमार्ग, बीडीए ने अवैध कॉलोनी भी की ध्वस्त**

इस मुद्दे को लेकर भाकियू चढूनी के जिलाध्यक्ष केशव सिंह सोलंकी, अर्जुन यादव और राधेश्याम ने आर-पार की लड़ाई शुरू की थी। संगठन की ओर से दिए गए ज्ञापन, धरना-प्रदर्शन और भूख हड़ताल के बाद सोमवार को प्रशासनिक अमला गांव पहुंचा। नायब तहसीलदार विदित कुमार, कानूनगो जगदीश गंगवार, लेखपाल योगेंद्र कुमार व अनिल कुमार की मौजूदगी में बुल्डोजर ने कब्रिस्तान की दीवार और मजार के पास किए गए अवैध निर्माण को तोड़कर श्मशान का रास्ता साफ कर दिया।

प्रशासनिक टीम जब श्मशान का रास्ता खुलवा रही थी, तभी निकट ही विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी भी टीम की नजर में आ गई। बीडीए के जेई अजीत कुमार की देखरेख में बुल्डोजर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अवैध कॉलोनी के निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। इस दोहरी कार्रवाई से पूरे क्षेत्र के भू-माफियाओं में हड़कंप मच गया।

कार्रवाई के बाद भी मामले को दबाने की चर्चाएं

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : ज्योरा मकरंदपुर की सरकारी जमीन मामले में प्रशासन ने आखिरकार कार्रवाई कर दी, लेकिन इस पूरे प्रकरण ने राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। करोड़ों की सरकारी जमीन के अभिलेखों में कथित हेराफेरी की शिकायतें वर्ष 2023 से लगातार होती रहीं, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

मामले में डीएम अविनाश सिंह द्वारा तहसीलदार को हटाना और कानूनगो-लेखपाल को निलंबित करना इस बात का संकेत है कि प्रथम दृष्टया आरोप गंभीर पाए गए। गाटा संख्या 16 मि. और 739 नवीन परती जैसी सरकारी भूमि के रकबे में बदलाव का आरोप सीधे राजस्व अभिलेखों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि समय रहते जांच होती तो सरकारी भूमि पर कब्जे और रिकॉर्ड में बदलाव का मामला इतना नहीं बढ़ता। वर्ष 2013 में किया गया पट्टा पहले ही निरस्त हो चुका था, फिर भी कब्जे का विवाद खत्म नहीं हुआ। कार्रवाई फिलहाल निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित दिखाई दे रही है। ग्रामीणों ने तत्कालीन रजिस्ट्रार कानूनगो समेत अन्य अधिकारियों और निजी लोगों की भूमिका की भी जांच और एफआईआर की मांग उठाई है।मामला केवल एक गांव की जमीन का विवाद नहीं, राजस्व रिकॉर्ड की पारदर्शिता से जुड़ा है।

- **ग्रामीणों ने रजिस्ट्रार कानूनगो और निजी लोगों की भूमिका और एफआईआर की मांग उठाई**

सिरौली में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया

सिरौली अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के तत्वावधान में सोमवार को सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन नगर अध्यक्ष के आवास पर किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नितिन पांडे सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया और संगठन द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार के धार्मिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

बैठक में संगठन को मजबूत करने पर दिया बल

भोजीपुरा, अमृत विचार : अपना दल की मासिक बैठक सोमवार को भोजीपुरा कार्यालय पर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष रामकृष्ण गंगवार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक सुदृढ़ करने व विधानसभा चुनाव की तैयारियां तथा जनसंपर्क अभियान को गति देने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र जारी किए गए एवं संगठन की मजबूती,अनुशासन एवं सक्रियता पर विशेष बल दिया। बैठक के अंत में विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दिलाया। बैठक में शकील अहमद ,मनीष कुमार,मनोज गंगवार , नदीम रब्बानी , नरपत कश्यप , शमशेर सिंह सागर, सतीश पटेल , डा हरिप्रसाद सागर, जितेंद्र गंगवार, अरुण गंगवार, प्रेम शंकर, गेंदल लाल मौर्य, सजीव कुमार गंगवार, वसीम,फईम,विशाल, सर्वेश आदि रहे। बैठक का संचालन नोनीराम प्रजापति ने किया।

अमृत विचार

सपा नेता आजम खां की जमानत अर्जी मंजूर

रामपुर, अमृत विचार : एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने सोमवार को रिकॉर्ड रूम के अभिलेखों में हेराफेरी मामले में सपा नेता आजम खां की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। हालांकि उनकी रिहाई फिलहाल नहीं हो पाएगी।

बेटे अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा काट रहे सपा नेता आजम खां इन दिनों रामपुर जिला कारागार में बंद हैं। उनके खिलाफ शत्रु संपत्ति पर कब्जा करने के लिए रिकार्ड रूम के अभिलेखों में हेराफेरी का मुकदमा पूर्व में दर्ज हुआ था। जिसमें आजम खां की जमानत कोर्ट से मंजूर हो गई। विवेचना के दौरान कुछ अहम साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने आजम खां पर 467, 471 और 120बी की धाराएं बढ़ाई थीं। इस मामले में पूर्व में एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने आजम खां की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। आजम खां के अधिवक्ता नासिर सुल्तान ने बताया कि एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खां की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है।

परिवार को बंधक बना सवा करोड़ की डकैती

नकाबपोश डकैतों ने पीतल कारोबारी के घर से 1.20 करोड़ नकद व छह तोला सोने के जेवर ले गए

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

इमरान के घर पर सदमे में बैठे परिजन। ●अमृत विचार

जानकारी देतीं सीमा।

घटना के बारे में जानकारी देता अरीब।

अमृत विचार: नागफनी थाना क्षेत्र के अकबर कंपाउंड में प्राप्टी डीलर व पीतल कारोबारी के घर में सोमवार तड़के नकाबपोश डकैतों ने हथियारों के बल पर धावा बोला। गृहस्वामी व परिवार के अन्य सदस्यों को बंधक बनाकर 1.20 करोड़ रुपये की नकदी व छह तोला से अधिक के जेवरात लूटकर ले गए। सूचना मिलने पर आला पुलिस अफसर मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर वारदात की जानकारी ली। एडीजी ने घटना के जल्द खुलासे के निर्देश दिए हैं।

नागफनी थाना क्षेत्र की बंगला गांव पुलिस चौकी से करीब सौ मीटर की दूरी पर स्थित अकबर कंपाउंड निवासी प्रॉपर्टी डीलर व पीतल कारोबारी इमरान के घर में सोमवार तड़के लगभग साढ़े तीन बजे छह नकाबपोश बदमाश घुस गए। घर में इमरान, पत्नी और चार बच्चे सोए थे। डकैतों ने पीतल कारोबारी के सीने पर पिस्टल रखकर और अन्य लोगों को हथियारों के बल पर बंधक बना लिया। इसके बाद बेडरूम में रखे एक करोड़ बीस लाख नकद और छह तोले सोने के जेवर समेट लिए। डकैतों ने कारोबारी के घर में लगे सीसीटीवी की डीवीआर और सभी के मोबाइल फोन लेकर दो चार पहिया वाहनों से फरार हो गए। गृहस्वामी का कहना है कि डकैतों ने उनके परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट भी की। भीषण डकैती की जानकारी पर पुलिस महकमे में खलबली मच गई। घटना स्थल को पुलिस ने छावनी बना दिया। मौके पर एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा, डीआईजी रेंज मुनिराज जी, एसएसपी सतपाल अंतिल और एसपी सिटी भी पहुंच गए। फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और डॉग स्क्वायड की टीम ने घटना से साक्ष्य जुटाए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसके साथ पुलिस आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर लेकर डकैतों की पहचान में जुट गई।

डकैतों का पीछा करने पर बेटे पर तान दी थी पिस्टल

मुरादाबाद अमृत विचार : वारदात को अंजाम देने के बाद डकैत तेजी से अकबर कंपाउंड के दूसरे गेट की ओर भागे, जहां उनके वाहन पहले से खड़े थे। बताया गया कि कंपाउंड के पहले गेट के दरवाजे सही सलामत हैं, जबकि दूसरे गेट का एक दरवाजा टूटा हुआ मिला, जिससे अंदेशा जताया जा रहा है कि बदमाशों ने इसी रास्ते से भागकर अपने वाहनों तक पहुंच बनाई। घटना के दौरान डकैतों के भागने पर कारोबारी इमरान का बेटा अरीब हिम्मत दिखाते हुए स्कूटी से बदमाशों के पीछे दौड़ा, लेकिन एक डकैत ने उस पर पिस्टल तान दी, जिससे वह रुक गया। बदमाशों की धमकी के बाद अरीब वापस लौट आया। डकैती करने के बाद जाते समय डकैत घर की चाबियां भी अपने साथ ले गए।

एडीजी ने कई जिलों की पुलिस को किया अलर्ट

घटनास्थल पर पहुंचे एडीजी रमित शर्मा, डी आई जी मुनिराज जी और एसएसपी।

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : नागफनी थाना क्षेत्र में सोमवार साढ़े तीन बजे हुई सवा करोड़ की नकदी व जेवरात की डकैती से गृहस्वामी का परिवार व इलाके के लोग दहशत में रहे। डकैतों की तलाश में पुलिस की कई टीमें रवाना कर दी गई।

सोमवार को तड़के करीब साढ़े तीन बजे डकैत सफेद रंग की अर्टिगा समेत दो चार पहिया वाहनों से पहुंचे थे। डकैतों ने अपना वाहन कंपाउंड के दूसरे गेट पर लगाया था। डकैत मुख्य गेट को चाबी से खोल कर घर के अंदर दाखिल हुए। अचानक घर में घुसे डकैतों में एक ने इमरान के सीने पर पिस्टल रखकर घर में कैश और जेवरात के बारे में पूछा। नहीं बताने और शोर मचाने पर डकैत जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इमरान के अनुसार घर से कुछ दूरी पर खड़ी दोनों चार पहिया गाड़ियों में सवार होकर डकैत मौके से निकल गए। मौके पर पहुंचे एडीजी ने घटना के शीघ्र खुलासे के लिए कई टीमों को लगाया है।

> आरोपियों को पकड़ने के लिए आसपास के कई जिलों में अलर्ट कर दिया है। आरोपियों के वाहनों के नंबर अन्य जिले व रेंज की पुलिस को भेजे गए हैं। आरोपी ज्यादा देर तक नहीं बच पाएंगे। एसएसपी ने कई टीम लगा दी है। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।
> **-रमित शर्मा,** एडीजी बरेली जोन

ईओडब्ल्यू की टीम पहुंची पीलीभीत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **घोटाला की जांच को दी गति एसएलओ कार्यालय पहुंचकर जुटाई जानकारी**
- **दोषी कर्मचारियों को पूर्व में ईओडब्ल्यू जारी कर चुका है नोटिस**

> संबंधित प्रकरण में ईओडब्ल्यू की ओर से पूर्व में मांगे गए सभी जरूरी अभिलेख भेजे जा चुके हैं। इस मामले में ईओडब्ल्यू की टीम भी आई थी। प्रकरण से जुड़े कुछ बिंदुओं पर जानकारी ली गई है। – **विजय वर्धन तोमर,** विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी/सिटी मजिस्ट्रेट

अमृत विचार : बरेली-सितारगंज फोर लेन परियोजना में परिसंपत्तियों के मूल्यांकन में घोटाले की जांच आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) द्वारा शुरू की जा चुकी है। इधर, ईओडब्ल्यू की टीम ने एसएलओ कार्यालय पहुंचकर विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी से जानकारी ली। साथ ही कुछ जरूरी अभिलेख भी देखे। हालांकि एसएलओ कार्यालय की ओर से मांगे गए अधिकांश अभिलेख ईओडब्ल्यू को पूर्व में सौंपे जा चुके हैं।

वर्ष 2020 में बरेली से पीलीभीत और उत्तराखंड की सीमा सितारगंज को जोड़ने वाला 71 किमी टू लेन हाईवे को फोर लेन करने की मंजूरी मिली थी। मंजूरी मिलने के बाद नक्शे में कोई भूखंड नहीं था और 2021 में जमीन के अधिग्रहण के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई थी। जमीन अधिग्रहण की जानकारी लगते ही बाहरी लोगों ने मुआवजे की बड़ी रकम डकारने को आनन फानन कई स्ट्रक्चर खड़े कर दिए थे। हाईवे को लेकर सदर तहसील के 06 एवं अमरिया तहसील के 21 गांवों की 95 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई। बाद में सांठगांठ के चलते अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद ऐसे स्ट्रक्चरों के नाम पर मुआवजे की बड़ी रकम हड़प कर ली गई। जांच में बाद करोड़ों के घोटाले का मामला पकड़ में आया था। शासन के निर्देश पर कई बड़े अफसरों समेत राजस्व विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों पर निलंबन की कार्रवाई की गई थी। तत्कालीन मंडलायुक्त के निर्देश पर एडिशनल कमिश्नर द्वारा की गई जांच के बाद इस मामले में अमरिया एवं सदर तहसील के छह लेखपालों और दो राजस्व निरीक्षकों के विरुद्ध भी निलंबन की कार्रवाई की गई थी। करीब तीन माह पूर्व शासन ने फोरलेन भूमि अधिग्रहण घोटाले की जांच आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) को सौंपी थी। इसके बाद ईओडब्ल्यू की ओर से मामले की जांच शुरू की गई थी। इधर ईओडब्ल्यू की दो सदस्यीय टीम एसएलओ कार्यालय पहुंची। यहां टीम में शामिल प्रदीप कुमार ने विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी/सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर से मुलाकात की और फोरलेन हाईवे से जुड़े कुछ बिंदुओं पर जानकारी ली। बताते हैं कि टीम ने इस दौरान कुछ अन्य अभिलेखों को भी देखा। इसके बाद टीम लखनऊ रवाना हो गई।

बेहोश होकर गिरे लाइन में लगे मरीज क्षय रोगियों का हंगामा

बदायूं, अमृत विचार : टीबी के मरीजों को लाइन में घंटों तक लगाया गया जिससे मरीज बेहोश होने लगे। मरीजों का गुस्सा फूट पड़ा और फिर भारी हंगामा किया। जिला क्षय रोग अधिकारी ने मरीजों को फटकार लगाते हुए लाइन में लगे रहने को कहा। बेकाबू भीड़ के आगे डाक्टर भी बेबस नजर आए।

जिला अस्पताल स्थित क्षय रोग सेंटर पर सुबह सोमवार को नौ बजे से मरीजों की भीड़ जुट गई। दस बजे तक करीब दो सौ मरीज ओपीडी के बाहर जमा हो गए। जब डॉक्टर विनेश कुमार ने मरीजों को देखना शुरू किया तो मरीज फिर बेकाबू हो गए। धक्का मुक्की होने लगी। जिससे कुछ मरीज बेहोश हो गए। खांसी से परेशान मरीजों को अलग बिठा दिया गया। डा. विनेश कुमार ने बाहर निकल कर फटकार लगाई और लाइन में खड़े रहने को कहा।

मिट्टी से भरा डंपर मकान में घुसा, बचा परिवार

संवाददाता, बिलासपुर

- **बिलासपुर में सोमवार सुबह 4 बजे हुआ हादसा**

डंपर घुसने से गिरा मकान।

अमृत विचार: मिट्टी से लदे एक तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर ने एक मकान को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर से दीवार ढह गई और छत भरभराकर नीचे गिर गई। गनीमत रही कि घर में सो रहे परिवार के पांच सदस्य बाल-बाल बच गए। परिजनों ने खनन माफियाओं पर कार्रवाई की मांग की है।

हादसा सोमवार तड़के करीब चार बजे गांव बंगाली कॉलोनी मानपुर ओझा गांव की है। गांव निवासी रमेश सिंह चार सदस्यों के साथ सो रहे थे। इसी बीच अनियंत्रित डंपर उनके घर में घुस आया। छत का हिस्सा गिरने से सामान और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। शोर-शराबा सुनकर आस-पास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ लग गई। हादसे के बाद डंपर चालक मौके पर ही वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही रुद्र बिलास चौकी पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। लोगों ने क्रेन से डंपर को हटाने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने डंपर को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मिलावट के संदेह में 1678 लीटर राइस ब्रान ऑयल सीज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार शाम कलान क्षेत्र में मिलावट के संदेह में बड़ी कार्रवाई करते हुए रिफाइंड राइस ब्रान ऑयल की खेप पकड़ी। टीम ने रूकनापुर थाना कलान स्थित खाद्य प्रतिष्ठान जय शिव शक्ति ट्रेडर्स पर सप्लाई के लिए ले जाए जा रहे राइस ब्रान ऑयल का नमूना लेकर 1678 लीटर तेल सीज कर दिया। सीज किए गए तेल की अनुमानित कीमत 2 लाख 24 हजार 852 रुपये बताई गई है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै. ए. एच.टी. फूड इण्डस्ट्रीज एल.एल.पी. Identification No. ACC2767 Pan ACCFA7425K का Designated Director तनवीर अहमद पुत्र जमील अहमद निवासी मो. बाजार कस्बा रिछा तह. बहेड़ी बरेली उत्तर प्रदेश का हूँ और मेरी उक्त फर्म द्वारा गाटा सं. 56 रकबा 0.9170 का ½ भाग का बैनामा श्री वीरेंद्रपाल पुत्र भगवान दास निवासीगण ग्राम दमखोदा से दिनांक 10.08.2023 को सब रजिस्ट्रार बहेड़ी में क्रय किया गया था। बही सं. 1 जिल्द सं. 6927 पृष्ठ 375-402 क्रमांक 6294 दिनांक 10.08.2023 को दर्ज है व मेरी उक्त फर्म द्वारा गाटा सं. 56 रकबा 0.9170 है. का ½ भाग बैनामा श्री राजेंद्रपाल पुत्र भगवान दास निवासीगणस ग्राम दमखोदा से दिनांक 30.4.2024 को सब रजिस्ट्रार बहेड़ी में क्रय किया था। वही सं. 1 जिल्द सं. 7320 पृष्ठ 131 से 158 क्रमांक 4634 दिनांक 30.4.2024 को दर्ज है। उक्त सम्पत्ति को श्री वीरेंद्रपाल व राजेंद्रपाल पुत्र भगवान दास निवासीगण ग्राम दमखोदा तह. बहेड़ी बरेली द्वारा श्री भजन लाल पुत्र मूलचन्द निवासीगण ग्राम दमखोदा गाटा सं. 56 रकबा 0.9170 है. का पूर्ण भाग ग्राम दमखोदा तह. बहेड़ी जिला बरेली पंजीकृत सब रजिस्ट्रार बहेड़ी बही नं. 1107 सुफा 372 नम्बर 1579 ए. डी. फाईल बुक बही 1 जिल्द 1159 के सुफा 13-20 दिनांक 28.4.98 द्वारा क्रय किया गया था। उक्त चैन बैनामे की मूल प्रति मेरे द्वारा अपने बैनामे के निष्पादन के समय पूर्व विक्रेरताओं से प्राप्त कर ली गई थी परन्तु वर्तमान में उक्त मूल चेन/लिंक बैनामा मुझसे कहीं गुम हो गया है। उक्त मूल चेन लिंक बैनामे में वर्णित सम्पत्ति पूर्णतया पाक व साफ है। कहीं भी बंधक नहीं है और न ही जमानत में प्रयोग की गई है। उपरोक्त बैनामे की मूल गुम प्रति यदि किसी को प्राप्त हो तो मुझे निम्न पते पर सूचित करने की कृपा करें। किसी भी व्यक्ति द्वारा चदि उक्त मूल/लिंक चैन बैनामे का इस्तेमाल किया जाता है तो वह अवैध माना जायेगा। उक्त लिंक/चैन बैनामा सं. 1579/28-04-1998 पंजीकृत सब रजिस्ट्रार बहेड़ी खोने की सूचना 06.05.2026 को ई-थाना देवरनियां पर दर्ज कराई जा चुकी है।

मै. ए.एच.टी. फूड इण्डस्ट्रीज LLP
Designated Director
तनवीर अहमद पुत्र जमील अहमद
निवासी मो. बाजार कस्बा रिछा
तह. बहेड़ी जिला बरेली उ.प्र.
मो. 8077764852

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 23/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते हैः-

क्रम सं.-1, कार्य का विवरणः सहायक मंडल इंजीनियर/लाइन/इज्जतनगर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कासगंज-बरेली सिटी अनुभाग के मध्य ट्रैक के किनारे सी.आर.ओ. की रोकथाम के लिए मेटल बीम क्रैश बैरियर सेफ्टी फेन्सिग का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 4,68,95.663.71, बयाना राशिः ₹ 9,37,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 06 माह। **क्रम सं.-2,** कार्य का विवरणः बहेड़ी-किच्छा ब्लॉक सेक्शन में सी.एच. 43/887-44/17-61 के मध्य स्थित मेजर ब्रिज संख्या 46 (स्पैन 4x30.50 मीटर) का संरक्षण। अनुमानित लागतः ₹ 1,38,25,893.10, बयाना राशिः ₹ 2,76,500/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 06 माह। **क्रम सं.-3,** कार्य का विवरणः वमइं/मुख्या./इज्जतनगर के अंतर्गत समइं/लाइन के अधिकार क्षेत्र में जिडो ट्रॉली सर्वेक्षण। अनुमानित लागतः ₹ 57,57,514.13, बयाना राशिः ₹ 1,15,200/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 06 माह। **क्रम सं.-4,** कार्य का विवरणः पूर्वोत्तर रेलवे के समइं/लाइन/ इज्जतनगर अनुभाग के अधिकार क्षेत्र में एन.एस.जी.-6 स्टेशन मकरन्दपुर पर एफ.ओ.बी. में छत सहित रैंप का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 1,84,74,988.86, बयाना राशिः ₹ 3,69,500/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 06 माह। **क्रम सं.-5,** कार्य का विवरणः पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर डिवीजन के समइं/काशीपुर के अधिकार क्षेत्र में आर.पी.एस.सी. हॉल्ट को तीन लाइन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तित करने के संबंध में निर्माण कार्य, माइनर ब्रिज, विभिन्न प्लेटफॉर्म कार्य, ट्रैक कार्य जिसमें गिट्टी की आपूर्ति और अन्य विविध संबंधित कार्य शामिल हैं। अनुमानित लागतः ₹ 27,28,55,334.22, बयाना राशिः ₹ 54,57,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 12 माह। **क्रम सं.-6,** कार्य का विवरणः भोजीपुरा-लालकुआँ अनुभाग में देवरनियाँ-बहेड़ी स्टेशन के मध्य बंद पड़े एल.सी. को जोड़ने वाली सड़क का सुधार। अनुमानित लागतः ₹ 1,16,49,636.38, बयाना राशिः ₹ 2,33,000/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 06 माह। **क्रम सं.-7,** कार्य का विवरणः समइं/लाइन/इज्जतनगर के अन्तर्गत एन.एस.जी.-6 स्टेशनों (मकरन्दपुर एवं बमियाना) पर प्लेटफार्म को हाई लेवेल तक उठाना दोनों के प्लेटफार्म संख्या 2, अनुमानित लागतः ₹ 6,45,95.228.69, बयाना राशिः ₹ 12,91,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 06 माह।

(1) क्रम सं.-**1** से **6** की ई-निविदा दिनांक 01-06-2026 को 15:00 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। **(2)** क्रम सं.-**7** की ई-निविदा दिनांक 08-06-2026 को 15:00 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। **(2)** ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट *www.ireps.gov.in* पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.),
मुजाधि/डब्लू-91 **इज्जतनगर**

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक भिड़ी, दो युवकों की मौत

संवाददाता, बांकेगंज

मृतक आलेख कुमार।

अमृत विचार: मैलानी थाना क्षेत्र के बांकेगंज पुलिस चौकी अंतर्गत बांकेगंज कुकरा मार्ग पर झाऊपुर मोड़ के पास ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत में दो युवकों की मौत हो गई। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

गोला नगर के मोहल्ला कुम्हरन टोला निवासी नमन शुक्ला (28) पुत्र सुरेशचंद्र अपने मित्र आलेख कुमार (27) पुत्र रामनिवास निवासी भारत भूषण कॉलोनी बांकेगंज से गोला की ओर बाइक से जा रहे थे। गोला की ओर से एक ट्रैक्टर ट्रॉली आ रही थी। झाऊपुर मोड़ के पास ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत हो गई, जिससे दोनों युवक सड़क पर ही गिरकर गंभीर घायल हो गए। घटना के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्राली लेकर भाग गया।

अहिरनपुर निवासी अधिवक्ता राधेश्याम ने एंबुलेंस को फोन किया परंतु जब किसी ने फोन नहीं उठाया तब उन्होंने पुलिस को दुर्घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ई-रिक्शा से घायलों को सीएचसी बांकेगंज पहुंचाया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद घायल युवकों की पहचान आलेख कुमार पुत्र रामनिवास निवासी भारत भूषण कालोनी तथा नमन शुक्ला पुत्र सुरेशचंद्र निवासी कुम्हरन टोला गोला के रूप में हुई। दोनों युवक गुरु नानक देव पब्लिक स्कूल बांसी में कार्य करते थे।

अलमारी कारीगर निकला चोर

रामपुर, अमृत विचार: अजीमनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नागलिया आकिल में हुई चोरी का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। अलमारी और तिजोरी कारीगर ही चोरी करने वाला निकला। सुरक्षा के लिए जो तिजोरी बनाई थी, कारीगर ने उसमें लाखों के जेवरात और नकदी चुराई थी, लेकिन पुलिस ने कारीगर को माल और नकदी के साथ दबोच लिया है।

पुलिस के अनुसार नागलिया आकिल निवासी मोहम्मद ताहिर उर्फ भूरा ने करीब एक महीने पहले नगला गणेश गांव के रहने वाले मोहसिन कारपेंटर से अपने घर में लकड़ी की एक अलमारी और तिजोरी बनवाई थी। काम के दौरान मोहसिन ने न केवल घर के रास्तों को समझा, बल्कि उसे तिजोरी की बनावट और उसकी कमियों की भी पूरी जानकारी थी।

सपाई पहुंचे बूंदीभूड़ गांव, सियासत तेज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बूंदीभूड़ गांव पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात करता सपा का प्रतिनिधिमंडल।

अमृत विचार : बूंदीभूड़ गांव में शराब की दुकान के विरोध के दौरान हुए बवाल के बाद एक तरफ प्रशासन इस प्रकरण में गरमाई राजनीति को समाप्त कर ग्रामीणों संग चौपाल लगाकर हालात सामान्य करने का प्रयास कर रहा है। इसी बीच अब समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल भी बूंदीभूड़ गांव पहुंचा और घटना की निंदा करते हुए लाठीचार्ज करने वाले अफसर-कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

बता दें कि कलीनगर तहसील क्षेत्र के ग्राम बूंदीभूड़ में पहली बार शराब की दुकानें आवंटित की गई। इसका महिलाओं की ओर से दो माह से विरोध किया जा रहा था। इसी बीच बीते दिनों पुलिस-प्रशासनिक अमला पहुंचा और दुकानें खुलवाने की कोशिश की गई तो बवाल हो गया था। अफसर कर्मचारी और ग्रामीण सभी घायल हुए।

एक दिन पहले डीएम-एसपी और भाजपा के पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने भी गांव पहुंचकर चौपाल लगाई थी। इसके बाद राजनीति थमने का कयास लगाया जा रहा था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमवार को समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा की अगुवाई में बूंदीभूड़ गांव पहुंचा। ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों ने शराब की दुकान के विरोध को लेकर अपना पक्ष रखा। सपा नेताओं ने भी हरसंभव मदद की बात कही।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि मौजूदा सरकार की जमीनी हकीकत यह है कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण विरोध कर रही महिलाओं और छात्राओं पर ही लाठियां बरसा दी गई।

खुलासा पीएमश्री विद्यालय पहुंचे डीएम-एसपी, जांच में सामने आई चौंकाने वाली बातें, प्रार्थना की जगह कराई जा रही थी दुआ

बच्चियों को हिजाब व बच्चों को पहनाई जाती थी मजहबी टोपी

कार्यालय संवाददाता, संभल

पीएम श्री विद्यालय में जानकारी लेते डीएम अंकित खंडेलवाल व एसपी कृष्ण कुमार।

- **विद्यालय के नियमित पाठ्यक्रम से हटकर मजहबी गतिविधियों को दिया जा रहा था बढ़ावा**
- **डीएम बोले, मामले की कराई जा रही जांच, तथ्यों के पर आगे कठोर कार्रवाई की जाएगी**

अमृत विचार : जनपद के पीएमश्री विद्यालय जालब सराय में कथित धार्मिक गतिविधियों और विद्यालय परिसर में मजहबी शिक्षा को बढ़ावा देने का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। मामले में तीन शिक्षकों के निलंबन और दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद सोमवार को जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई विद्यालय पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल की।

मामला सामने आने के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय पहुंचकर बच्चों और स्टाफ से बातचीत की। जांच में यह बात सामने आई कि विद्यालय में बच्चियों को हिजाब पहनाया जा रहा था, जबकि बच्चों को इस्लामी टोपी पहनने के लिए कहा जाता था। इतना ही नहीं, विद्यालय में निर्धारित प्रार्थना के स्थान पर "लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी" दुआ कराए, जाने की बात भी सामने आई। प्रकरण में प्रधानाध्यापक मोहम्मद अंजार अहमद और सहायक अध्यापक मोहम्मद गुल एजाज की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर थाना नखासा में रविवार शाम दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। वहीं प्रधानाध्यापक मोहम्मद अंजार अहमद, सहायक अध्यापक मोहम्मद गुल एजाज और प्रभारी प्रधानाध्यापक बालेश कुमार को निलंबित कर दिया गया। सोमवार दोपहर जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई भारी प्रशासनिक टीम के साथ विद्यालय पहुंचे। अधिकारियों ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान बच्चों से बातचीत कर जानकारी जुटाई गई।

बच्चों पर नहीं थोप सकते धार्मिक मान्यताएं: एसपी

संभल, अमृत विचार : पीएमश्री विद्यालय जालब सराय में कथित धार्मिक गतिविधियों और मजहबी शिक्षा को बढ़ावा देने के मामले में सोमवार को विद्यालय पहुंचे पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने स्पष्ट कहा कि किसी भी शिक्षक को अपनी व्यक्तिगत धार्मिक मान्यताओं को छोटे बच्चों पर थोपने का अधिकार नहीं है। एसपी ने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी की शिकायत पर शिक्षकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि विद्यालय में बच्चों को एक विशेष धार्मिक पद्धति से प्रार्थना कराई जा रही थी और हिंदू बच्चों को हिजाब तथा टोपी पहनने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। मामले में बच्चों और शिक्षकों से पूछताछ की गई है। साथ ही सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि स्कूल शिक्षा का केंद्र होता है और वहां बच्चों को केवल पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा दी जानी चाहिए। किसी भी प्रकार की धार्मिक विचारधारा को बच्चों पर थोपना उचित नहीं माना जा सकता।

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक : बी.के.एस./क्रय/2026-27/255 दिनांक : 11.05.2026

जेम निविदा सूचना

इस मिल समिति में जेम पोर्टल के माध्यम से अनुभवी पार्टियों से निम्नांकित कार्य/सामान हेतु निविदायें आमंत्रित की गयी है। अन्य नियम व शर्तें, धरोहर राशि एवं कार्य विवरण आदि जेम पोर्टल पर बिड संख्या से ज्ञात किया जा सकता है।

क्र.सं.	कार्य विवरण	जेम बिड संख्या/दिनांक	निविदा में प्रतिभाग करने की अन्तिम तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय
1.	सम्पूर्णनगर चीनी मिल से क्वाड वाडी आदि को डिस्मेल्ट कर लाकर इस मिल समिति में स्थापित करना	GEM/2026/B/7521131 दिनांक : 09.05.2026	19.05.2026 12:00 बजे	19.05.2026 12:30 बजे
2.	इलेक्ट्रीकल सामानों की आपूर्ति	GEM/2026/B/7522264 दिनांक : 09.05.2026	25.05.2026 17:00 बजे	25.05.2026 17:30 बजे
3.	हार्डवेयर सामानों की आपूर्ति	GEM/2026/B/7522537 दिनांक : 09.05.2026	25.05.2026 19:00 बजे	25.05.2026 19:30 बजे
4.	डी.जी. सेट स्पेयर्स की आपूर्ति	GEM/2026/B/7522598 दिनांक : 09.05.2026	25.05.2026 19:00 बजे	25.05.2026 19:30 बजे
5.	क्लीनिंग उपकरण की आपूर्ति	GEM/2026/B/7522655 दिनांक : 09.05.2026	25.05.2026 19:00 बजे	25.05.2026 19:30 बजे

अधोहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तो में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

(आर.के. जैन)
प्रधान प्रबन्धक

मोदी ने फिगर दोहराई अपील: प.एशिया संकट के बीच सोने की खरीद और ईंधन खर्च घटाएं देशवासी

पीएम का अलर्ट

वडोदरा से फिर की खर्चों में कटौती और ई-वाहनों के उपयोग की अपील

- प्रधानमंत्री ने दी कोविड काल की आदतों को फिर से अपनाने की सलाह

वडोदरा, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को गुजरात के वेरावल पहुंचे, जहाँ उन्होंने सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया। यह उत्सव सोमनाथ मंदिर के पुनर्स्थापन के 75 गौरवशाली वर्षों का प्रतीक है। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संकट और उससे उत्पन्न वैश्विक आर्थिक व्यवधानों के मद्देनजर देशवासियों से सतर्कता बरतने और खर्चों में कटौती करने की पुरजोर अपील की है।

सोमवार को वडोदरा में पटेल समुदाय द्वारा निर्मित "सरदार धाम हॉस्टल" का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने देश की अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से बचाने के लिए जनता से सहयोग मांगा।

उन्होंने स्कूल-कॉलेजों से भी ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन की बात कही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदलती परिस्थितियों के कारण तेल और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे ईंधन की खपत को कम करें और जहाँ तक संभव हो, निजी वाहनों के स्थान पर सार्वजनिक परिवहन एवं इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करें। इसके साथ ही, उन्होंने भारतीय परिवारों से अपील की कि वे सोने की खरीद को कुछ समय के लिए टाल दें, ताकि देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सके।

प्रधानमंत्री ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में खर्चों को नियंत्रित करने के लिए कुछ व्यावहारिक उपाय भी सुझाए। उन्होंने कहा कि जहाँ भी संभव हो, लोग ''वर्क फ्रॉम होम'' (घर से काम) की व्यवस्था को फिर से अपनाएं, जैसी व्यवस्था कोविड-19 महामारी के दौरान लागू की गई थी।

इसके अलावा, उन्होंने लोगों को अनावश्यक विदेश यात्राओं को सीमित करने और पर्यटन के लिए घरेलू गंतव्यों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने रेखांकित किया कि वैश्विक संकट के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में घरेलू स्तर पर की गई बचत देश की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राहुल बोले- मोदी देश चलाने के काबिल नहीं, भाजपा ने कहा- संकट पर राजनीति बंद करें

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशवासियों से खर्चों में कटौती की अपील पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की इस अपील को उनकी 'नाकामी का सबूत' करार देते हुए उन पर तीखा हमला बोला। राहुल ने कहा कि एक 'कम्प्रोमाइज्ड पीएम' अब देश चलाने के काबिल नहीं रहे। कहा कि बचत के सुझाव देना असल में सरकार की आर्थिक विफलताओं को स्वीकार करना है। राहुल के इस बयान पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का राष्ट्र-निर्माण से कोई लेना-देना नहीं है और उसकी राजनीति केवल सत्ता तक सीमित है। त्रिवेदी ने पूछा कि क्या विपक्ष भारत की आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का समर्थन नहीं करता? उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष सामाजिक और राजनीतिक अव्यवस्था पैदा करके अपने हितों को साधने की कोशिश कर रहा है।

सपा सांसद की टिप्पणी पर सियासी संग्राम

- मुख्यमंत्री योगी ने बताया लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर आघात
- भाजपा ने कहा- सपा का असली चेहरा उजागर, महोबा प्रदर्शन के दौरान दिया गया था बयान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी (सपा) के महोबा से सांसद अजेंद्र सिंह लोधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सपा सांसद के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर गंभीर आघात बताया। वहीं भाजपा नेताओं ने भी सपा पर तीखा हमला बोला है।

सपा कार्यकर्ता सोमवार को बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर और महंगाई जैसे मुद्दों को लेकर राज्यपाल को संबोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपने महोबा जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे थे। प्रदर्शन की अगुवाई सांसद अजेंद्र सिंह लोधी और सपा जिलाध्यक्ष शोभा लाल यादव कर रहे थे। इसी दौरान मीडिया से बातचीत में सांसद लोधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खर्चों में कटौती संबंधी अपील पर टिप्पणी करते हुए विवादित बयान दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

विवाद बढ़ने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति की गई असंसदीय टिप्पणी अशोभनीय और अक्षम्य है। यह टिप्पणी भारतीय लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर गंभीर आघात है। योगी ने कहा कि सपा सांसद का यह कृत्य राजनीतिक कुसंस्कार, वैचारिक दिवालियापन और सार्वजनिक जीवन की शालीनता के प्रति अनादर को दर्शाता है। उन्होंने इसे 145 करोड़ देशवासियों के जनादेश, विश्वास और भारत की लोकतांत्रिक गरिमा का अपमान भी बताया।

पहले 8,000 करोड़ के विमान को बेचना चाहिए: अविमुक्तेश्वरानंद

सोनभद्र। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मितव्ययिता की अपील पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि सरकार को लोगों से खर्च में कटौती करने के लिए कहने से पहले अपने 8,000 करोड़ रुपये के विमान को बेचकर अपेक्षाकृत कम ईंधन खपत वाले विमानों का उपयोग करना चाहिए। सोनभद्र में अपनी गोविष्ट यात्रा के दौरान संत ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिकी डॉलर 100 रुपये के करीब पहुंच रहा है और मितव्ययिता के उपाय सत्ता में बैठे लोगों से शुरू होने चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोना न खरीदने की अपील पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि पहले 8,000 करोड़ रुपये के विमान को बेचकर कम ईंधन खपत वाले विमान का इस्तेमाल किया जाए। धर्म का काम घर से शुरू होना चाहिए।'

ब्रीफ न्यूज

पुडुचेरी रंगासामी शपथ ग्रहण रंगासामी 13 मई को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे

पुडुचेरी। ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) के नेता एन रंगासामी 13 मई को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उपराज्यपाल के कैलाशनाथन बुधवार को सुबह नौ बजकर 47 मिनट पर लोक निवास में आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में रंगासामी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। यह पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में रंगासामी का पांचवां कार्यकाल होगा। नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में एआईएनआरसी ने 16 सीट पर लड़ते हुए 12 सीट पर जीत हासिल की, जबकि उसके गठबंधन सहयोगी भाजपा ने 10 पर लड़ते हुए चार सीट जीतीं। एआईएडीएमके और लाचित जननायगा काची ने एक-एक सीट जीती, जिससे 30 सदस्यीय विधानसभा में राजग की कुल संख्या 18 हो गई। पुडुचेरी में फिर से गठबंधन सरकार बनेगी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि बुधवार को मुख्यमंत्री के साथ भाजपा के सदस्य भी शपथ लेंगे या नहीं।

हिमंत के शपथ ग्रहण के लिए गुवाहाटी पहुंचे मोदी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राजग की तीसरी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले सोमवार रात गुवाहाटी पहुंचे। मुख्यमंत्री पद के लिए नामित हिमंत विश्व शर्मा और अन्य भाजपा नेताओं ने गुवाहाटी में लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे, जिसका नेतृत्व शर्मा लगातार दूसरी बार करेंगे। मोदी गुवाहाटी के खानापारा इलाके के कोइनाधोरा स्थित राज्य अतिथि गृह में रात्रि विश्राम करेंगे। शर्मा मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे और उनके अलावा चार और विधायक - भाजपा के दो और अगप और बीपीएफ के एक-एक मंत्री शपथ लेंगे।

डिजिटल होगा हर केस: सीजेआई ने लांच किया 'वन केस वन डेटा' का फॉर्मूला

नई दिल्ली, एजेंसी

- वकीलों और वादियों के लिए सु सहाय, अदालती डेटा को एक सूत्र में पिरोएगी नई प्रणाली

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को देश की न्यायिक प्रणाली में एक बड़े डिजिटल बदलाव की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य न्यायिक डेटा का एकीकरण करना और आम जनता के लिए अदालती सेवाओं को अधिक सुलभ बनाना है। न्यायालय की कार्यवाही शुरू होते ही न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने एक मामला एक डेटा प्रोजेक्ट और एआई चैटबॉट 'सु सहाय' की शुरुआत की जानकारी दी।

प्रधान न्यायाधीश ने बताया कि 'एक मामला एक डेटा' पहल के तहत सभी उच्च न्यायालयों, जिला अदालतों और तालुका अदालतों की बहुस्तरीय जानकारी को एक ही एकीकृत प्रणाली में जोड़ा जाएगा। इस डिजिटल डेटाबेस के माध्यम से देशभर की अदालतों में केस प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया जाएगा। सीजेआई के अनुसार, यह कदम एक कुशल और परस्पर जुड़ी हुई न्यायिक प्रणाली विकसित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

इस अवसर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबॉट 'सु सहाय' की भी शुरुआत की गई। यह चैटबॉट वादियों और वकीलों को केस की स्थिति, सुनवाई की तारीखों और अन्य अदालती प्रक्रियाओं की जानकारी तुरंत प्राप्त करने में मदद करेगा। इस तकनीकी समावेश से न्यायालयों पर बोझ कम होने और पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर एक ऐसी प्रणाली बनाने पर काम कर रही है, जहां डेटा का प्रबंधन आसान हो और न्याय तक पहुंच सरल बने। यह पहल देशभर की अदालतों को एक सूत्र में पिरोएगी, जिससे केसों की ट्रैकिंग और प्रबंधन में मानवीय गलतियों की संभावना कम होगी।

बेंगलुरु में जिलेटिन छड़ मिलने के बाद एनआईए जांच शुरू

बेंगलुरु। कर्नाटक में बेंगलुरु के बाहरी इलाके में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम स्थल के निकट सड़क किनारे जिलेटिन की छड़ बरामद होने के एक दिन बाद, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के अधिकारियों की एक टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब तक इस सिलसिले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और मामले की अभी जांच की जा रही है। जिलेटिन की छड़ किसने रखीं, इसकी पहचान करने और इसके मकसद का पता लगाने के लिए पुलिस रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है। अधिकारी ने कहा, 'एनआईए की टीम इस घटना की जांच कर रही है, जबकि हमारी विस्तृत जांच भी जारी है।

दुबई से आए दो यात्रियों से 3.15 करोड़ का सोना जब्त

मुंबई, एजेंसी

- आरोपियों में से एक है वित्तीय क्षेत्र का पेशेवर

सीमा शुल्क विभाग ने तस्करी की दो अलग-अलग घटनाओं में दुबई से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे दो यात्रियों से 3.15 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पकड़े गए आरोपियों में से एक वित्तीय क्षेत्र का पेशेवर है।

एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुंबई सीमा शुल्क के हवाई अड्डा इकाई द्वारा शनिवार और रविवार के बीच की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वित्त क्षेत्र का वह पेशेवर अमेरिका-ईरान संघर्ष और दुबई क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर अपनी संपत्ति को सोने में बदलकर भारत तस्करी कर रहा था। अधिकारी के अनुसार, यह यात्री सीमा शुल्क से बचते हुए अपनी संपत्ति सुरक्षित करना चाहता था। उसके पास से 1.74 करोड़ रुपये मूल्य का सोना बरामद किया गया। दूसरे मामले में 'एडवांस पैसेंजर इन्फॉर्मेशन सिस्टम' की मदद से सीमा शुल्क कर्मियों ने एक यात्री को हवाई अड्डे पर पहुंचते ही पकड़ा।

उसके पास से एक सिगरेट के बड़े पैकेट में मोम के अंदर छिपाए गए सोने के पाउडर को बरामद किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, उस पैकेट में चार थैलियां थीं, जिनमें 1.41 करोड़ रुपये मूल्य का 1,020 ग्राम सोना था।

पीएम मोदी यूएई और चार यूरोपीय देशों की यात्रा पर रवाना होंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार से अपनी छह दिवसीय यात्रा के तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा करेंगे। यात्रा का उद्देश्य दुनिया भर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच भारत के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती प्रदान करना है। मोदी का पहला पड़ाव यूएई होगा, जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात में द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाना और पश्चिम एशिया संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं को द्विपक्षीय मुद्दों, ऊर्जा सहयोग के साथ पारस्परिक हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलेगा।

भारत हर दुस्साहस का जवाब देने को तैयार: स्वामीनाथन

मुंबई, एजेंसी

भारत के नामित नौसेना प्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने सोमवार को कहा कि देश सीमा पार से किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। नौसेना की पश्चिमी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ स्वामीनाथन ने कहा कि भारत कई वर्षों से आतंकवाद का शिकार रहा है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' विशेष रूप से उन आतंकियों और आतंकी शिविरों को निशाना बनाकर चलाया गया, जो 2025 में पहलगाम में हुई अत्यंत जघन्य घटना में शामिल थे। स्वामीनाथन ने कहा कि बेहतर समझ रखने वाले लोग अच्छे से जानते हैं दुस्साहस कभी भारत की तरफ से नहीं होता। भारत हमेशा से जवाब देने की स्थिति में रहा है। दुस्साहस सीमा पार से होता है। लोग जो चाहें कहें, लेकिन जहां तक हमारा सवाल है, भारत तैयार रहेगा और अगर उस तरफ से कोई दुस्साहस हुआ तो हम उसे कुचलने में सक्षम हैं। स्वामीनाथन पाकिस्तान के फील्ड मार्शल एवं सेना अध्यक्ष आसिम मुनीर की टिप्पणी के जवाब में बोल रहे थे।

हर-हर महादेव

सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 75 वर्ष पूरे होने पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

कई मार्गों पर उड़ानों से आगे निकल जाएंगी ट्रेन सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- रेलवे ने फरवरी अंत तक अपने बजट का 98 प्रतिशत खर्च किया

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि भारतीय रेल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित अपने बजट का 98 प्रतिशत फरवरी के अंत तक खर्च कर दिया था। यह परियोजनाओं के तेज क्रियान्वयन को दर्शाता है। मंत्री ने साथ ही कहा कि ट्रेन सेवाएं आने वाले समय में देश के कई मार्गों पर उड़ानों से आगे निकल जाएंगी।

वैष्णव ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में लगभग पूरा पूंजीगत व्यय मार्च के पहले सप्ताह तक खर्च हो गया था। फरवरी के अंतिम सप्ताह तक करीब 98 प्रतिशत से अधिक खर्च कर लिया गया था। इसके बाद हमें व्यय की गति को कुछ हद तक रोकना पड़ा ताकि वित्त वर्ष का अंत संतुलित रूप से किया जा सके।

केवल 2 घंटे में पहुंचेंगे दिल्ली से लखनऊ

वैष्णव ने बताया कि सरकार मुंबई से पुणे के बीच नया गलियारा विकसित कर रही है जहां यात्रा समय घटकर केवल 28 मिनट रह जाएगा। दिल्ली से वाराणसी की यात्रा तीन घंटे 50 मिनट में पूरी होगी जबकि दिल्ली से लखनऊ की यात्रा करीब दो घंटे में संभव हो जाएगी। ऐसे मार्गों पर कोई भी उड़ान सेवा का तवज्जो नहीं देगा।

भाजपा में शामिल हुए भगवंत मान के चचेरे भाई

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते आरोप लगाया है उसके कार्यकालय में भ्रष्टाचार "दोगुना" हो गया है।

अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी पर हमला बोलते हुए ज्ञान सिंह मान ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी अपनी नीतियों से "भटक गई" है और पंजाब में दिल्ली के नेता ही फैसले ले रहे हैं। ज्ञान सिंह मान पंजाब के मुख्यमंत्री के पिता के छोटे भाई के बेटे हैं और संगरूर जिले के सतौज गांव के निवासी हैं। मुख्यमंत्री की मां और उनकी मां बहनें हैं। मान पंजाब भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में पार्टी में शामिल हुए। इस दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ उपस्थित थे। सैनी ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम ज्ञान सिंह मान का भाजपा में स्वागत करते हैं। पंजाब विधानसभा चुनाव अगले साल की शुरुआत में होने वाले हैं।

दिल्ली-एनसीआर : एनएच-9 पर जून तक रहेगा ट्रैफिक जाम

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा शुरू किए गए रखरखाव कार्य के कारण गाजियाबाद से सराय काले खां तक राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर यातायात प्रभावित रहेगा। दिल्ली यातायात पुलिस ने सोमवार को एक परामर्श जारी कर बताया कि यह स्थिति जून के अंत तक बनी रहने का अनुमान है।लेन प्रतिबंध से बढ़ेगी भीड़:पुलिस के अनुसार, गाजियाबाद से दिल्ली (सराय काले खां) की ओर आने वाली लेन पर मरम्मत का काम चल रहा है। कार्य को सुगम बनाने के लिए सड़क के कुछ हिस्सों पर लेन प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके कारण व्यस्त समय के दौरान गाड़ियों की रफ्तार धीमी हो सकती है और लंबा जाम लगने की आशंका है।

अवसर सीआईआई के व्यापार शिखर सम्मेलन में बोलीं उद्यमिता सचिव-न्यूनतम दर से 30 फीसदी ज्यादा देना होगा मानदेय

कंपनियों को 25% तक प्रशिक्षु रखने की सशर्त अनुमति संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रशिक्षुओं में से कम से कम 35 प्रतिशत को देना होगा रोजगार
- एमएसएमई को ऐसे कार्यक्रमों से जोड़ने को रणनीतियों की तलाश

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने सोमवार को कहा कि सरकार कंपनियों को उनके कुल कार्यबल का अधिकतम 25 प्रतिशत तक प्रशिक्षु (अप्रेंटिस) रखने की अनुमति दे सकती है। हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ शर्तें लगाई जाएंगी कि उनका इस्तेमाल सस्ते श्रमबल के रूप में न हो।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत करने पर भी काम कर रही है ताकि प्रशिक्षु के रूप में काम करते समय युवाओं को वास्तव में आवश्यक कौशल प्राप्त करने में मदद मिले।

उन्होंने कहा कि कई बड़े उद्योगों ने सरकार से प्रशिक्षुओं की संख्या 15 से बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक करने की अनुमति मांगी है। वर्तमान में इस प्रणाली में करीब 30 लाख प्रशिक्षु शामिल हैं। मुखर्जी ने कहा कि हमने कहा है कि 25 प्रतिशत तक प्रशिक्षु रखने की अनुमति के लिए तीन शर्तें पूरी करनी होंगी। पहला कि आपको पिछले तीन वर्ष में यह साबित करना होगा कि आपने 15 प्रतिशत की सीमा को पार कर लिया है। दूसरा, आपको निर्धारित न्यूनतम दर से कम से कम 30 प्रतिशत अधिक भुगतान करना चाहिए। तीसरी बात यह है कि आपको अपने द्वारा लिए गए प्रशिक्षुओं में से कम से कम 35 प्रतिशत या उससे अधिक को रोजगार देना चाहिए ताकि उनका उपयोग केवल सस्ते श्रम के रूप में न किया जाए।'

उन्होंने सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में 'अप्रेंटिस' कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की चुनौती का भी जिक्र किया और 'क्लस्टरीकरण मॉडल' अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र को इस तरह के कार्यक्रम से जोड़ने के लिए हम रणनीतियां तलाश रहे हैं।

मेरा सुझाव है कि 'क्लस्टर मॉडल' अपनाया जाए, जहां एमएसएमई संघ सैद्धांतिक प्रशिक्षण और मूल्यांकन का कार्य करें जबकि उद्योग समूहों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा सके। मुखर्जी ने साथ ही आगाह करते हुए कहा कि कई मामलों में प्रशिक्षुओं को सही प्रशिक्षण नहीं दिया जाता।

जब हौसले बुलंद हों, तो पहाड़ भी एक मिट्टी का ढेर लगता है।

-छत्रपति शिवाजी

विस्तार के संदेश

उत्तर प्रदेश में लंबे इंतजार के बाद हुआ मंत्रिमंडल विस्तार आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा की व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। मुख्यमंत्री की टीम में छह नए चेहरों को शामिल करना और दो मंत्रियों को पदोन्नति देना इस बात का संकेत है कि भाजपा चुनाव से पहले संगठन, सरकार और सामाजिक समीकरणों के बीच नया संतुलन स्थापित करना चाहती है। यह विस्तार ऐसे समय हुआ है जब राज्य में चुनावी तैयारियां तेज हो चुकी हैं और हर राजनीतिक दल अपने सामाजिक आधार को मजबूत करने में जुटा है।

2017 से ही योगी सरकार स्थिर और प्रभावी काम कर रही है फिर भी विस्तार की आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कोई भी सरकार चुनाव से पहले उपलब्धियों के भरोसे रहने के साथ सामाजिक प्रतिनिधित्व, क्षेत्रीय असंतोष और संगठनात्मक संदेशों को भी संतुलित करने का प्रयास करती है। भाजपा समझती है कि उत्तर प्रदेश जैसा विशाल और विविध राज्य केवल प्रशासनिक प्रदर्शन से नहीं, बल्कि जातीय, क्षेत्रीय और राजनीतिक सहभागिता के संतुलन से भी संचालित होता है। विस्तार का सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू यह है कि इसमें विभिन्न सामाजिक समूहों और क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास है। गैर-यादव पिछड़ा वर्ग, गैर-जाटव दलित समुदायों और क्षेत्रीय जातीय समूहों के बीच आधार मजबूत करती जा रही, भाजपा ने मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए इन वर्गों को यह संदेश दिया गया कि सरकार में उनकी भागीदारी बनी हुई है। यह केवल सत्ता-साझेदारी नहीं, बल्कि चुनावी मनोविज्ञान का भी हिस्सा है। नए मंत्री अगले नौ महीनों में नई नीतियां बनाने, लागू करने, उनके परिणाम जमीन पर दिखाने का विकासात्मक चमत्कार संभवतः नहीं कर पाएंगे। ऐसे में इस विस्तार का उद्देश्य तत्काल प्रशासनिक बदलाव से अधिक राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव पैदा करना लगता है।

नए मंत्री अपने विभागों के जरिए स्थानीय स्तर पर सक्रियता बढ़ाएंगे, संगठन और सरकार के बीच संपर्क मजबूत करेंगे और चुनाव से पहले सरकार के पक्ष में वातावरण बनाएंगे, हालांकि इस प्रक्रिया का एक दूसरा पक्ष भी है। जिन मंत्रियों के विभागों का कार्यभार कम किया जाएगा, उनके बारे में यह संदेश जा सकता है कि वे अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए, लेकिन राजनीति में यह केवल 'असफलता' का संकेत नहीं होता; कई बार यह चुनावी संतुलन साधने की अनिवार्यता भी होती है। भाजपा नेतृत्व संभवतः यह संदेश देना चाहता है कि सरकार गतिशील है और समय-समय पर बदलाव करने को तैयार है। मंत्रियों की संख्या और गुड गवर्नेंस में कोई सीधा संबंध नहीं है। अधिक मंत्री बना देने से शासन बेहतर नहीं हो जाता। प्रशासनिक दक्षता अंततः निर्णय क्षमता, नौकरशाही के साथ समन्वय और नीतियों के क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। फिर भी बड़े मंत्रिमंडल कई बार बेहतर राजनीतिक प्रतिनिधित्व तो देते हैं, हालांकि समन्वय की जटिलताएं भी बढ़ाते हैं। मंत्रिमंडल विस्तार से सरकारी खर्च बढ़ता है। नए मंत्रियों के कार्यालय, स्टाफ, सुरक्षा और सुविधाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है, लेकिन भारतीय राजनीति में इसे अक्सर 'राजनीतिक निवेश' के रूप में देखा जाता है, खासकर चुनावी वर्ष में।

प्रसंगवश

गंभीर चेतावनी हैं खुदकुशी के बढ़ते हुए आंकड़े

भारत जैसे युवा और संभावनाओं से भरे देश में आत्महत्या के बढ़ते मामले केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि वे समाज, अर्थव्यवस्था और व्यवस्था के सामने खड़े गहरे संकट का संकेत हैं। जब कोई व्यक्ति जीवन से हार मानकर इतना कठोर कदम उठाता है, तो यह केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि परिवार, समाज और पूरे देश के लिए चिंतन का विषय बन जाती है।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्टें लगातार यह संकेत दे रही है कि देश में आत्महत्या के मामलों में कमी आने के बजाय कई वर्षों से बढ़ोतरी देखी जा रही है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि इन मामलों में युवाओं, छात्रों, किसानों, मजदूरों, छोटे कारोबारियों और नौकरीपेशा और गृहणियों की संख्या भी उल्लेखनीय है। यह स्थिति बताती है कि समस्या किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के लगभग हर हिस्से को प्रभावित कर रही है।

संजीव मेहरोत्रा

रिटायर्ड बैंककर्मी

आत्महत्या के पीछे कारण अनेक हैं। आर्थिक असुरक्षा, बेरोज़गारी, बढ़ती महंगाई, कर्ज़ का बोझ, नौकरी का तनाव, पारिवारिक विवाद, सामाजिक दबाव और भविष्य को लेकर अनिश्चितता— ये सभी मिलकर व्यक्ति को मानसिक रूप से कमजोर कर सकते हैं। इसके साथ ही अकेलापन और डिप्रेशन जैसी मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियां भी बड़ी भूमिका निभाती हैं। दुखद यह है कि आज भी मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज में खुलकर बात करने की संस्कृति पूरी तरह विकसित नहीं हो सकी है।

विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, परीक्षा और करियर का दबाव, सामाजिक तुलना और डिजिटल दुनिया में सफलता की कृत्रिम छवि कई बार मनोवैज्ञानिक दबाव को और बढ़ा देती है। दूसरी ओर किसानों और मजदूरों के सामने आय की अस्थिरता, बढ़ती लागत और सामाजिक सुरक्षा की कमी जैसी समस्याएं हैं। यह स्पष्ट है कि आत्महत्या केवल मानसिक स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय से जुड़ा प्रश्न भी है।

सरकार ने मेंटल हेल्थ एक्ट 2017 जैसे कदमों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को अधिकार के रूप में स्वीकार किया है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर अभी बहुत काम बाकी है। जिला स्तर तक काउंसलिंग सेवाएं, हेल्पलाइन, स्कूल-कॉलेजों में मनोवैज्ञानिक सहायता, कार्यस्थलों पर तनाव प्रबंधन और संकटग्रस्त परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना समय की मांग है।

समाज को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। परिवारों में संवाद, मित्रों के बीच संवेदनशीलता, कार्यस्थलों पर मानवीय माहौल और समुदाय स्तर पर सहयोग की संस्कृति कई जिंदगियां बचा सकती हैं। किसी व्यक्ति की चुप्पी, उदासी या व्यवहार में बदलाव को नजरअंदाज करना कभी-कभी भारी पड़ सकता है।

आत्महत्या के बढ़ते आंकड़े हमें यह याद दिलाते हैं कि विकास केवल आर्थिक वृद्धि से नहीं मापा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें हर नागरिक को सम्मान, सुरक्षा, अवसर और उम्मीद मिले। यह समय आंकड़ों पर हैरान होने का नहीं, बल्कि उन कारणों को दूर करने का है, जो लोगों को जीवन से निराश कर रहे हैं। तभी एक स्वस्थ, संवेदनशील और आत्मविश्वासी समाज का निर्माण संभव होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

भारत-रूस व्यापार में अवसर और अवरोध

विवेक शुक्ला

पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

भारत निकट भविष्य में रूस के साथ अपने आपसी व्यापार को सालाना 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर दोनों ही इस लक्ष्य के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता स्पष्ट कर चुके हैं। इस बीच, दुनिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और युद्धों के कारण वैश्विक व्यापार के रिश्ते तेजी से बदल रहे हैं। इन्हीं बदलावों के बीच रूस, भारतीय निर्यातकों के लिए एक साथ बड़ा अवसर और बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 23 मार्च 2026 को कहा, 'दोनों पक्ष वर्तमान वार्षिक व्यापार को 68.7 अरब डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 100 अरब डॉलर तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन संतुलित तरीके से।' उन्होंने गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करने, नियामक अड़चनों को समाप्त करने, भारत की कुशल कार्यशक्ति का लाभ उठाने और भारत-यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन मुक्त व्यापार समझौते की प्रगति पर जोर दिया।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी कंपनियां रूस से लगभग पूरी तरह दूर हो गई हैं। इसके परिणामस्वरूप वहां मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां, रसायन, कपड़ा, खाद्य उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान और औद्योगिक उपकरणों की भारी कमी पैदा हो गई है। रूसी खरीदार अब भारतीय आपूर्तिकर्ताओं को सक्रिय रूप से बुला रहे हैं। कम प्रतिस्पर्धा, अच्छी मांग और ज्यादा मुनाफे की संभावना साफ नजर आ रही है।

वाणिज्य मंत्रालय के जानकारों के अनुसार, इस आकर्षण के पीछे एक गंभीर मसला भी छिपा हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों का जाल, भुगतान व्यवस्था में आने वाली जटिलताएं, छिपे हुए अंतिम उपयोगकर्ता और कंपनी की प्रतिष्ठा को लगने वाला लंबा नुकसान किसी भी निर्यातक के लिए भारी पड़ सकता है।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचकर 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसमें भारतीय निर्यात करीब 4.9 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात- जो मुख्य रूप से कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, खाद और अन्य वस्तुओं से बना है- 63.8 अरब डॉलर रहा। दोनों देशों ने 2030 तक 100 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य तय किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच दिसंबर 2025 को आशावादी स्वर में कहा कि भारत और रूस को 2030 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वे इससे पहले ही 100 अरब डॉलर के लक्ष्य को पार कर सकते हैं। उन्होंने रूस से ज्यादा निवेश आमंत्रित किया और दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में चल रही तेज रफ्तार को रेखांकित किया।

भारत के रूस राजदूत विनय कुमार ने भरोसा जताते हुए कहा, 'भारत और रूस 2030 तक 100 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह लक्ष्य पूरी तरह संभव है।' उन्होंने उर्वरक, कृषि, इंजीनियरिंग क्षेत्र में नई वस्तुओं के निर्यात और दोनों देशों की अपनी मुद्राओं के ज्यादा उपयोग पर विशेष जोर दिया। यह बढ़ता व्यापार भारतीय निर्यातकों को स्वाभाविक रूप से आकर्षित कर रहा है। जब हम रूस से इतना ज्यादा सामान खरीद रहे हैं, तो निर्यात बढ़ाकर संतुलन क्यों न बनाया जाए? यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना बहुत जरूरी है।

2022 के बाद रूस एक सामान्य बाजार नहीं रहा है। सामान अक्सर सिविलियन उपयोग के नाम पर भेजा जाता है, लेकिन मध्यस्थों के जरिए उसे दूसरी दिशा दी जा सकती है। भुगतान घुमावदार रास्तों से होता है और अंतिम उपयोगकर्ता अक्सर छिपे रहते हैं। अमेरिकी प्रतिबंधों का असर भी भारतीय कंपनियों पर पड़ चुका है। 30 अक्टूबर 2024 को अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (OFAC) ने रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़े प्रतिबंधों के उल्लंघन के आरोप में 21 भारतीय संस्थाओं (19 कंपनियां और 2 व्यक्ति) पर प्रतिबंध लगा दिए। भारत सरकार ने इन घटनाओं पर गंभीरता से संज्ञान लिया। संसद में इस पर चर्चा हुई।

28 नवंबर 2024 को राज्यसभा में अनस्टार्ड प्रश्न संख्या 412 के जवाब में विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह ने इसकी पुष्टि की। 20 दिसंबर 2024 को लोकसभा में भी इस संबंध में जानकारी दी गई। सितंबर 2025 में अमेरिकी उद्योग और सुरक्षा ब्यूरो ने एक भारतीय कंपनी को काली सूची में डाल दिया, क्योंकि वह अमेरिकी मूल की वस्तुएं रूस भेज रही थी। ये उदाहरण साफ बताते हैं कि भारतीय कंपनियों को रूस के साथ काम करते समय बहुत सोच-समझकर कदम उठाना होगा।

भारत एकतरफा प्रतिबंधों को मान्यता नहीं देता और अपनी ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। जैसा कि राजदूत विनय कुमार ने कहा, भारत अपने 1.4 अरब नागरिकों की सेवा के लिए जहां बेहतर सौदा मिले, वहां से सामान खरीदेगा। फिर भी निजी क्षेत्र के लिए संदेश बहुत स्पष्ट है। ड्यू डिलीजेंस सिर्फ इनवॉइस या बुनियादी रजिस्ट्रेशन जांच तक सीमित नहीं होनी चाहिए। कम जोखिम वाले उपभोक्ता सामान, कुछ दवाइयां और खाद्य उत्पाद सामान्य सावधानी के साथ भेजे जा सकते हैं, लेकिन बड़े औद्योगिक सामान या संवेदनशील उत्पादों में अंतिम उपयोगकर्ता की पूरी जांच, भुगतान की पारदर्शिता और कानूनी अनुपालन अनिवार्य है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर कहते हैं कि भारत रूस के साथ गहरे और टिकाऊ संबंध चाहता है, लेकिन लंबे समय के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। जो निर्यातक सख्त नियमों का पालन करेंगे, वे मौजूदा समय में अच्छा फायदा उठा सकते हैं। जो बिना सोचे-समझे कदम उठाएंगे, वे खुद को नुकसान पहुंचा सकते हैं। गंभीर भारतीय व्यवसायी रूस को अवसर और परीक्षा दोनों की तरह देख रहे हैं। वे जहां सुरक्षित हो, वहां लाभ कमाएंगे और पूरे उद्यम को प्रतिबंधों के जाल से बचाकर रखेंगे। बढ़ी हुई जांच के इस दौर में सतर्कता कोई विकल्प नहीं, बल्कि टिकाऊ वैश्विक व्यापार की अनिवार्य शर्त है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध के कारण व्यापार के रिश्ते तेजी से बदल रहे हैं। इसी बदलाव के बीच रूस, भारतीय निर्यातकों के लिए एक साथ बड़ा मौका और बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है।

आमने

ममता बनर्जी की हार देखकर भी अखिलेश यादव को सबक नहीं मिल रहा है। पंजाब में अकाली दल, महाराष्ट्र में शिव सेना जैसे क्षेत्रीय दलों का हश्र क्या हुआ है। बीजेपी उन्हें भी खा जाएगी। देश में राहुल गांधी ही एकमात्र नेता हैं, जो भाजपा से मुकाबला कर सकते हैं।

-इमरान मसूद
कांग्रेस सांसद

सामने

कांग्रेस नेता को सपा को नसीहत देने से बचना चाहिए। ऐसे बयान का सीधा लाभ भाजपा को मिलता है। 37 वर्षों तक समाजवादियों ने ही भाजपा और सांप्रदायिक शक्तियों से मुकाबला किया है। सपा ने हमेशा लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया है।

-हाजी फजलुर्रहमान
सपा नेता

क्रूज कल्चर: जितना रोमांच उतनी ही चुनौतियां

अजय दयाल

हल्द्वानी

मध्यप्रदेश के जबलपुर (बरगी बांध) में हुए हादसे के बाद भारत में तेजी से बढ़ता क्रूज कल्चर सवालों के घेरे में है, दरअसल तैयारी भारत को 2029 तक एक प्रमुख क्रूज पर्यटन स्थल में बदलने की है। इस बीच ऐसा हादसा वाकई सचेत करने वाला है, जिसमें 13 पर्यटकों की जान चली गई और तमाम यात्रियों की जिंदगी जैसे-तैसे बची। अब सवाल यह है सुरक्षा की नजर से क्रूज के मानक क्या तय किए गए हैं। जैसे- उसमें लोगों को बैठाने की संख्या, सेफ्टी जैकेट या अन्य उपकरण, मेनटेनेंस, जिसमें उसके संचालन की समय सीमा भी तय हो? बीस साल पुराने क्रूज में अगर यह सबकुछ तय था, तो दुर्घटना के बिंदुओं को चिह्नित करना ही होगा।

अब इस संबध में सरकारी नीतियों पर गौर करें, तो पाएंगे कि सरकार द्वारा बंदरगाह शुल्कों को तार्किक बनाना, ई-वीजा की सुविधा देना और आधुनिक क्रूज टर्मिनलों का निर्माण करना, जैसे कदम इंडस्ट्री को बढ़ावा दे रहे हैं। इसी कड़ी में पर्यावरण के अनुकूल विकल्प भी तलाशे जा रहे हैं। जैसे दिल्ली और अन्य जगहों पर अब सोलर और इलेक्ट्रिक हाइब्रिड क्रूज भी उतारे जा रहे हैं, लेकिन क्रूज कल्चर के विस्तार के साथ ही सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करना एक गंभीर विषय बना हुआ है। यह विषय और भी संजीदा हो जाता है, जबकि हाल ही में मध्य प्रदेश के जबलपुर में बरगी बांध में क्रूज हादसा हुआ। यह हादसा इस सेक्टर में कड़े सुरक्षा नियमों पर मंथन करने पर विवश करता है। गंगा जैसी पवित्र नदियों पर व्यावसायिक क्रूज के संचालन को लेकर कुछ स्थानीय और धार्मिक असंतोष की बातें भी सामने आती रही हैं।

हम पर्यटन इंडस्ट्री में बूम लाने को समुद्र के ग्लैमर को छोटी नदी तक उतारने को आमादा हैं, दरअसल इसमें दो राय नहीं कि भारत में क्रूज कल्चर को बढ़ावा देने के प्रमुख कारण बढ़ती आय और बदलता लाइफस्टाइल है। खासकर मध्यम वर्ग और युवाओं में अब पारंपरिक वेकेशन के बजाय लग्जरी और थीम-बेस्ड यात्राओं का क्रेज बढ़ा है। पहले यह धनवान कहे जाने वालों तक सीमित था। इस क्षेत्र को समझें तो पाते हैं कि भारत क्रूज भारत मिशन (सीबीएम), मैरीटाइम इंडिया विजन (एमआईवी-2030) और आईडब्ल्यूएआई के नेतृत्व वाली नई साझेदारियों के माध्यम से क्रूज पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसका लक्ष्य नदियों और तटों पर एक वैश्विक केंद्र बनना है।

इस कल्चर का उद्देश्य भी समझ लीजिए। यह छुट्टियों में घूमने का आनंद उठाने एक विकल्प है, जो समुद्री क्रूज और नदी क्रूज (अंतर्देशीय जलमार्गों पर) के माध्यम से यात्रा, आतिथ्य और दर्शनीय स्थलों को जोड़ने के साथ एक अनूठा सुखद अनुभव देता है। भारत का प्राकृतिक विस्तार इस इंडस्ट्री का आधार है, दरअसल भारत की 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा है, 12 प्रमुख और लगभग 200 छोटे बंदरगाह हैं और 111 राष्ट्रीय जलमार्ग हैं, जो 20,000 किलोमीटर से अधिक नौगम्य नदियों और नहरों को कवर करते हैं। 1,300 से अधिक द्वीप और तटीय राज्य भारत की समुद्री और अंतर्देशीय क्रूज पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देते हैं।

जमीनी तौर पर समझें तो पाते हैं कि दिल्ली में यमुना के लिए इलेक्ट्रिक-सोलर हाइब्रिड नावों का उपयोग करके चार किलोमीटर लंबी पर्यावरण-अनुकूल क्रूज विकसित करने के लिए आईडब्ल्यूएआई और दिल्ली सरकार के बीच मार्च 2025 में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, वहीं उसी समय जम्मू और कश्मीर के चेनाब, झेलम और रावी पर क्रूज विकास के लिए समझौता किया गया। इसी तरह मध्य प्रदेश और गुजरात में त्रिपक्षीय समझौते के तहत कुक्षी-सरदार सरोवर मार्ग पर क्रूज सेवाएं शुरू की गईं।

सच पूछिए तो क्रूज कल्चर के माध्यम से पर्यटन इंडस्ट्री को बूस्ट करना नदी क्रूज पर्यटन रोडमैप 2047 के तहत है। इसे समुद्री अमृत काल विजन 2047 के हिस्से के रूप में भी हम समझ सकते हैं। इसी कारण भारत को 2029 तक एक प्रमुख क्रूज पर्यटन स्थल में बदलने के उद्देश्य से 2024 में सीबीएम की शुरुआत की गई थी। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के नेतृत्व में इसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2023-24 में 4.71 लाख से क्रूज यात्री यातायात को 2029 तक दोगुना करना है। इस मिशन को 3 चरणों में कार्यान्वित किया जाएगा, जिसमें टर्मिनल विकास, डिजिटलीकरण, डीकार्बोनाइजेशन और क्षेत्रीय गठबंधन (यूएई, मालदीव, सिंगापुर) शामिल हैं।

वहीं, एमआईवी, 2030 का लक्ष्य अगले दशक में आठ गुना वृद्धि के लक्ष्य के साथ भारत को एक प्रमुख वैश्विक क्रूज पर्यटन केंद्र बनाना है। यह महासागरीय, तटीय, द्वीपीय और अंतर्देशीय क्रूज विकास पर केंद्रित होगा, जबकि, 2047 के लिए एक राष्ट्रीय क्रूज अवसंरचना मास्टर प्लान और ई-वीजा और ई-क्लियरेंस जैसी पहल का उद्देश्य कनेक्टिविटी और पर्यटन को बढ़ावा देना है।

भारत में क्रूज कल्चर को बढ़ावा देने के पीछे बढ़ती आय और बदलता लाइफस्टाइल है। युवाओं में अब पारंपरिक वेकेशन के बजाय लग्जरी और थीम-बेस्ड यात्राओं का क्रेज बढ़ा है।

सोशल फोरम

जो 'मृत' है वही स्मृति है

मृत्यु लेख कोई कैसे लिखे... मित्र!

किसी के जाने पर सबसे पहले कौन सी स्मृति सामने आती है?

स्मृति....'स्मृत' में जो 'मृत' है वही स्मृति है... इसमें अच्छा या बुरा कुछ नहीं होता, हो ही नहीं सकता, सिर्फ उदासी के लिबास में लिपटी स्मृति होगी।

डॉ. शोभा जैन

लेखिका

फिर

मृत्यु लेख कोई कैसे लिखे... मित्र!

मृत्यु तो मौन सत्य है उस पर मौन ही रहा जा सकता है। या फिर कोई ऐसा शोक गीत जो मेरी अनुभूति में केवल स्मृति प्रधान बन सके।

कुछ लोगों की मृत्यु एकल नहीं होती, उनके साथ बहुत कुछ अंतिम रूप ले लेता है। उनकी मृत्यु का कोई समय नहीं लिख सकती मैं। वे जब भी जाते उनका जाना 'असमय' ही लिखा जाता मेरी ओर से...।

मिलान कुंदेरा के शब्दों में-

'विस्मृति के विरुद्ध स्मृति का संघर्ष है।'

इसे लिखने का अर्थ समय की अनंत अवधारणा में उतरना। यह समय-मीमांसा है। देखने में जितनी व्यावहारिक अनुभव होती है उतनी है नहीं।

मेरे लिए इस शोक को शब्दों में उतारने का अर्थ एक ऐसा अनुवाद करना, जो मेरे जैसे एकल भाषा-भाषी के लिए संभव ही नहीं।

दुख या शोक का कोई अनुवाद भला कैसे करे?

कौन सी भाषा के सांचे में ढालूंगी उसे.. क्या वे शब्द उस देह को कंपन दे सकेंगे?

लिखते हुए कुछ भ्रम और सच साथ-साथ चलेंगे। जो उनकी स्मृतियों के साथ जुड़े रहे। ये अलग बात है केवल शब्द ही हैं, जिसके साथ हम वहां लौट सकते हैं, जहां कदम कभी पहुंच भी नहीं सकते।

सिर्फ इतना ही कह सकती हूं, वे एक तारा थे, जो सहसा बुझ गया। कभी-कभी उन्हें याद कर हम अचानक से चौक जाते हैं। फिर अब कुछ तनाव में कुछ कड़ियां जोड़ने लगती हूं, जो इधर-उधर थी।

भले ही दिवंगत आत्मा के साथ कुछ मतभेद रहे हों, लेकिन उनकी मृत्यु के प्रति पूरी निष्ठा से लिखा जाना चाहिए।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

नेपाल: उल्टे न पड़ जाएं बालेन के ये फैसले

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह एक साथ कई मोर्चों पर जूझते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसका असर उनके राजनीतिक भविष्य पर पड़ सकता है। सत्ता संभालने के बाद उनका पहला बड़ा कदम सुकंबासी (बेघर व भूमिहीन) लोगों को बेदखल करना था। इससे नेपाल के करीब 15 लाख लोग नाराज़ हो गए और बालेन के खिलाफ सड़कों पर आ गए। नाराज़ लोगों में सर्वाधिक वह परिवार भी थे, जिसके युवा अमेरिका में रह रहे हैं। चुनाव के समय अमेरिका में रह रहे नेपाली युवाओं ने अपने परिजनों को फोन कर बालेन शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को वोट देने की अपील की थी।

नेपाल के ऐसे लाखों परिवार अब निराश हैं, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के बुलडोजर पर ब्रेक लगाने के आदेश दिए हैं। यह आदेश जबतक आया तब तक बालेन का बुलडोजर लाखों परिवारों पर तबाही की इबारत लिख चुका था। हैरत है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद लोगों को यह यकीन नहीं हो पा रहा कि सरकार उनके पुनर्वास के बारे में कुछ सोचेगी? प्रभावित लोगों का कहना है कि सरकार ने उनके लिए किसी भी प्रकार की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की है, जिससे वे भारी चिंता और असमंजस की स्थिति में हैं।

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

लोगों का मानना है कि यदि सरकार ने इस संवेदनशील मुद्दे को गंभीरता और रणनीति के साथ हल नहीं किया, तो यह आंदोलन और उग्र हो सकता है तथा देश के अन्य हिस्सों में फैलने की आशंका है। इस बीच नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी करते हुए सरकार को निर्देश दिया है कि सुकंबासी बस्तियों को फिलहाल न हटाया जाए और वर्तमान स्थिति को यथावत रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश सुकंबासी लोगों के लिए राहत भरा है, लेकिन लोगों की चिंता यह है कि सरकार इस आदेश को निष्प्रभावी करने के लिए कोई और तरकीब न ढूंढ ले।

न्यायाधीश कुमार रेग्मी और न्यायाधीश नित्यानंद पांडे की दो सदस्यीय पीठ ने गोपाल रनपहेली समेत 11 लोगों द्वारा दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद उक्त आदेश जारी किया। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई तक संबंधित अधिकारी किसी भी प्रकार की बेदखली की कार्रवाई से परहेज करें। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को यह भी निर्देश दिया है कि प्रभावित लोगों के लिए आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और खाद्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अदालत ने इस मामले को अगली सुनवाई तक विचाराधीन रखते हुए मानवाधिकारों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

बालेन सरकार के काठमांडू का मेयर रहते यह कार्रवाई उनकी प्राथमिकता में थी लेकिन तब उनका कार्य क्षेत्र सीमित था, प्रधानमंत्री बनने के बाद वे सुंदरीकरण के नाम पर पूरे नेपाल में सुकंबासियों को उजाड़ने का अभियान शुरू कर दिए हैं। नेपाल के अन्य राजनीतिक दल मानते हैं कि शहरों को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए यह जरूरी था, लेकिन सरकार की प्राथमिकता में वह होना चाहिए था, जनता ने जिसके लिए उन्हें चुना है। नेपाल में बेरोज़गारी बड़ा मुद्दा है, लेकिन यह भी सच है कि नेपाल में ऐसी कोई फैक्ट्री नहीं लगाई जा सकती, जिससे रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त हो। इसके लिए उन्हें नेपाल के टूरिस्ट उद्योग को मजबूत करने पर जोर देना चाहिए। नेपाल में सबसे अधिक भारतीयों का आना-जाना होता है, लेकिन नेपाल सरकार के कस्टम ड्यूटी में बदलाव के कारण भारतीयों का नेपाल आना-जाना प्रभावित हो सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

सोमनाथः आस्था संकल्प और पुनर्जागरण की अनंत धारा

न हन्यते हन्यमाने शरीरे अर्थात शरीर के नष्ट होने पर भी आत्मा नष्ट नहीं होती। श्रीमद्भगवद्गीता के इस श्लोक में निहित भाव और भारतीय सभ्यता की सनातन चेतना का सबसे जीवंत स्वरूप गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र के दक्षिणी तट पर स्थित सोमनाथ मंदिर में दिखाई देता है। बारह ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माने जाने वाले सोमनाथ ने इतिहास में अनेक आक्रमणों और विनाश को सहा, लेकिन हर बार फिर खड़ा हुआ और उसकी आरती, घंटियों और श्रद्धा की ध्वनि कभी थमी नहीं।

गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

प्राचीन काल से प्रभास पाटन महान तीर्थभूमि

भारतीय इतिहास के हजारों वर्षों में सनातन धर्म ने कई तरह की चुनौतियों का सामना किया। राजनीतिक परिवर्तन, आक्रमण और सत्ता परिवर्तन के दौर में मंदिरों, मठों और ज्ञान केंद्रों को नुकसान पहुंचाया गया, उनकी संरचनाएं बदली गईं और उन्हें संरक्षण देने वाली व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुईं। इसके बावजूद भारतीय आध्यात्मिक परंपरा न केवल जीवित रही, बल्कि समय के साथ स्वयं को पुनर्स्थापित भी करती रही। इसकी सबसे बड़ी शक्ति यही रही कि संस्थागत क्षति और राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद इसकी आत्मा कभी समाप्त नहीं हुई।

प्राचीन और मध्यकालीन भारत में मंदिर केवल पूजा के स्थल नहीं थे, बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन के भी केंद्र थे। राजसत्ता से उनके गहरे संबंध के कारण वे युद्ध और संघर्ष के समय सबसे पहले निशाने पर आए। महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ पर किया गया आक्रमण इतिहास की सबसे चर्चित घटनाओं में से एक है। फारसी ग्रंथों में इसे विजय के रूप में प्रस्तुत किया गया, जबकि भारतीय परंपरा में इसे पीड़ा, संघर्ष और पुनर्निर्माण की कथा के रूप में याद किया गया, लेकिन ऐतिहासिक सत्य यह है कि सोमनाथ कभी श्रद्धा से विलुप्त नहीं हुआ। चालुक्य शासकों सहित अनेक राजाओं ने इसका पुनर्निर्माण कराया और यह निरंतर आस्था का केंद्र बना रहा। ऐसी अनेक घटनाएं भारत के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिलती हैं। सोमनाथ का इतिहास केवल एक आक्रमण की कहानी नहीं है। प्राचीन काल से ही प्रभास पाटन एक महान तीर्थभूमि रहा है। इसे विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में प्रभास-पट्टन, शिव-पट्टन और प्रभास-तीर्थ जैसे नामों से जाना गया। यहां तीन पवित्र नदियों का संगम होता है और यही वह स्थान माना जाता है, जहां भगवान श्रीकृष्ण के देहत्याग के बाद उनका अंतिम संस्कार हुआ। निकट ही वैराग्य क्षेत्र और गोपी तालाब स्थित हैं, जहां से गोपी चंदन प्राप्त होता है। इस संपूर्ण क्षेत्र की यात्रा को भारतीय तीर्थ परंपरा में अत्यंत पवित्र माना गया है। काठियावाड़ और गुजरात की प्राचीन धरोहरों पर आधारित कई ऐतिहासिक अभिलेखों और पुरातात्विक रिपोर्टों में भी इस क्षेत्र का उल्लेख मिलता है।

शैव और वैष्णव परंपराओं का केंद्र

सोमनाथ भारत की समावेशी सांस्कृतिक परंपरा का भी प्रतीक है। यह शैव और वैष्णव परंपराओं के अद्भुत संगम का केंद्र है और हमें यह याद दिलाता है कि भारतीय संस्कृति हमेशा से बहुलतावादी और समावेशी रही है। स्वतंत्र भारत में सोमनाथ के पुनर्जागरण का आधुनिक अध्याय 12 नवंबर 1947, दीपावली के दिन आरंभ हुआ, जब देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस पवित्र स्थल का दौरा किया। विभाजन की पीड़ा के बीच सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। यह केवल एक मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय चेतना को पुनर्जीवित करने का एक ऐतिहासिक प्रयास था। इसके बाद सोमनाथ को एक सांस्कृतिक और बौद्धिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारंभ हुआ। 11 मई 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में प्रातः काल संपन्न हुई प्राण-प्रतिष्ठा ने पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति और आत्मविश्वास को नई शक्ति प्रदान की।

आधुनिक समाज को सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास

आज जब भारत 'भारत @ 2047' की ओर बढ़ रहा है, तब सोमनाथ से जुड़े ये सभ्यतागत मूल्य और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। तकनीकी बदलाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भारत दुनिया को यह संदेश देता है कि विकास का अर्थ करुणा को त्यागना नहीं है और शक्ति का अर्थ संयम को छोड़ देना नहीं है। सोमनाथ हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व केवल सामर्थ्य से नहीं, बल्कि स्मृति, विवेक और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से निर्मित होता है। इसी दृष्टि से "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 2026-27" की परिकल्पना की गई है। यह वर्षभर चलने वाला राष्ट्रीय आयोजन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की आध्यात्मिक शक्ति, सांस्कृतिक निरंतरता और सभ्यतागत चेतना को समर्पित है। सदियों तक अनेक बार विध्वंस झेलने के बाद भी जिस प्रकार समाज के सामूहिक संकल्प से सोमनाथ पुनः स्थापित होता रहा, वह भारत की सांस्कृतिक आत्मशक्ति और राष्ट्रीय स्वाभिमान का जीवंत उदाहरण है।

8 से 11 जनवरी 2026 के बीच प्रारंभ हुए इस पर्व के माध्यम से दो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पड़ावों को स्मरण किया गया। 1026 में सोमनाथ पर हुए प्रथम दर्ज आक्रमण के एक हजार वर्ष और स्वतंत्रता के बाद 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के पुनः उद्घाटन के 75 वर्ष। इस आयोजन का उद्देश्य सोमनाथ को राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक स्मृति के प्रतीक के रूप में स्थापित करना है। 11 मई 2026 को आयोजित होने वाले प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम तक देशभर में यात्राएं, सांस्कृतिक आयोजन, संवाद, शैक्षिक कार्यक्रम और विभिन्न ज्योतिर्लिंगों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, जिलों और शिवालयों में समन्वित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, जो श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं, सोमनाथ ने एक नए पुनर्जागरण का दौर देखा है। प्रशासनिक सुधार, आधारभूत संरचना का विकास, धरोहर संरक्षण और सांस्कृतिक पहलों ने सोमनाथ को एक जीवंत आध्यात्मिक केंद्र के रूप में और अधिक सशक्त किया है। पर्यावरणीय संतुलन और महिला-सशक्तिकरण आधारित सेवा पहलों के माध्यम से यह दिखाया गया है कि भारतीय सभ्यतागत मूल्य आधुनिक जिम्मेदारियों और समावेशिता के साथ कैसे आगे बढ़ सकते हैं। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आधुनिक समाज को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का एक प्रयास है। यह हमें याद दिलाता है कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं है। इसकी वास्तविक शक्ति उन मूल्यों, परंपराओं और जिम्मेदारियों में है, जिन्हें पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया जाता रहा है। इसी कारण आज सोमनाथ केवल पुनर्निर्मित मंदिर नहीं, बल्कि एक जीवंत तीर्थ है। इक्कीसवीं सदी में आगे बढ़ते भारत के लिए सोमनाथ एक महत्वपूर्ण संदेश देता है - कोई भी सभ्यता तब मजबूत रहती है, जब वह अपनी जड़ों से जुड़ी रहे, समय के साथ स्वयं को ढालती रहे और सभी को साथ लेकर चले। सोमनाथ की यह विरासत हमें निरंतर प्रेरित करती रहे- उद्देश्यपूर्ण निर्माण करने के लिए, संतुलित आचरण के लिए और अपनी पहचान के प्रति सजग रहते हुए आगे बढ़ने के लिए।

ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या वट सावित्री अमावस्या कहलाती है। इस दिन सौभाग्यवती महिलाएं अखंड सौभाग्य प्राप्त करने के लिए वट सावित्री व्रत रखकर वटवृक्ष तथा यमदेव की पूजा करती हैं। भारतीय संस्कृति में यह व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक एवं पर्याय बन चुका है। वट सावित्री व्रत में वट और सावित्री, दोनों का विशेष महत्व है। इस वर्ष यह पर्व 16 मई शनिवार को मनाया जाएगा।

सौभाग्य और पतिव्रता का महापर्व
वट सावित्री व्रत

उत्तर भारत में 'बरगदाही' के नाम से पुकारे जाने वाले सनातन संस्कृति के उत्कृष्ट सनातन जीवन मूल्यों के परिचायक इस व्रत से जुड़ी सावित्री-सत्यवान की पौराणिक कथा से प्रायः हर सनातनधर्मी भली-भांति परिचित हैं। वैदिक युग का वह अद्भुत घटनाक्रम आज भी पढ़ने-सुनने वाले दोनों को अभिभूत कर देता है। ऐसा विलक्षण उदाहरण किसी अन्य धर्म-संस्कृति में मिलना दुर्लभ है। कहते हैं कि महासती सावित्री ने वट वृक्ष के नीचे ही मृत्यु के देवता यमराज से अपने मृत पति का पुनर्जीवन हासिल किया था। तभी से वट वृक्ष हिन्दू धर्म में देववृक्ष के रूप में पूज्य हो गया।

तात्विक दृष्टि से विचार करें तो वट पूजन के इस महाव्रत में स्त्री शक्ति की प्रबल जिजीविषा की विजय के महाभाव के साथ हमारे जीवन में वृक्षों की महत्ता व पर्यावरण संरक्षण का पुनीत संदेश भी छुपा है। कथा के अनुसार सावित्री राजा अश्वपति की पुत्री थी, जिसे राजा ने बहुत कठिन तपस्या करने के उपरांत देवी सावित्री की कृपा से प्राप्त किया था। इसलिए राजा ने उनका नाम 'सावित्री' रखा था। सावित्री बहुत गुणवान और रूपवान थी, लेकिन उसके अनुरूप योग्य वर न मिलने के कारण सावित्री के पिता दुःखी रहा करते थे। इसलिए उन्होंने अपनी कन्या को स्वयं अपना वर तलाश करने भेज दिया और इस तलाश में एक दिन वन में सावित्री ने सत्यवान को देखा और उसके गुणों के कारण मन में ही उसे वर के रूप में वरण कर लिया। सत्यवान साल्व देश के राजा द्युमत्सेन के पुत्र थे, लेकिन उनका राज्य किसी ने छीन लिया था और काल के प्रभाव के कारण सत्यवान के माता- पिता अंधे हो गए थे।

सत्यवान व सावित्री के विवाह से पूर्व ही नारद मुनि ने यह सत्य सावित्री को बता दिया था कि सत्यवान अल्पायु है, अतः वह उससे विवाह न करे। यह जानते हुए भी सावित्री ने सत्यवान से विवाह करने का निश्चय किया और देवर्षि नारद से कहा-भारतीय नारी जीवन में मात्र एक बार पति का वरण करती है, बारंबार नहीं। अतः मैंने एक बार ही सत्यवान का वरण किया है और यदि उसके लिए मुझे मृत्यु से भी लड़ना पड़े तो मैं यह करने को तैयार हूं। उसकी मृत्यु का समय निकट आने पर मृत्यु से तीन दिन पूर्व ही सावित्री ने अन्न-जल का त्याग कर दिया। मृत्यु वाले दिन जंगल में जब सत्यवान लकड़ी काटने के लिए गए तो सावित्री भी उनके साथ गई और जब मृत्यु का समय निकट आ गया तथा सत्यवान के प्राण हरने लिए यमराज आए तो सावित्री भी उनके साथ चलने लगी। यमराज के बहुत समझाने पर भी वह वापस लौटने को तैयार नहीं हुई। तब यमराज ने उससे सत्यवान के जीवन को छोड़कर अन्य कोई भी वर मांगने को कहा।

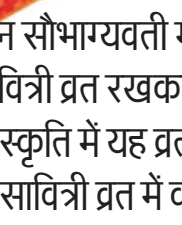

पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

उस स्थिति में सावित्री ने अपने अंधे सास-ससुर की नेत्र ज्योति और ससुर का खोया हुआ राज्य मांग लिया, किंतु वापस लौटना स्वीकार न किया। उसकी अटल पतिभक्ति से प्रसन्न होकर यमराज ने जब पुनः उससे वर मांगने को कहा तो उसने सत्यवान के पुत्रों की मां बनने का बुद्धिमत्तापूर्ण वर मांगा, यमराज के तथास्तु कहते ही मृत्युपाश से मुक्त होकर वटवृक्ष के नीचे पड़ा हुआ सत्यवान का मृत शरीर जीवित हो उठा। तब से अखंड सौभाग्य प्राप्ति के लिए इस व्रत की परंपरा आरंभ हो गई और इस व्रत में वटवृक्ष और यमदेव की पूजा का विधान बन गया। महर्षि श्री अरविंद ने भी इस कथा को मध्य में रखते हुए सावित्री महाकाव्य का रचना की है, जिसमें उन्होंने सावित्री की कथा को आध्यात्मिक जीवन की यात्रा व उसकी अनुभूतियों के रूप में पिरोया है। उसे सावित्री-साधना का आध्यात्मिक ग्रंथ भी कह सकते हैं।

वटवृक्ष के कई दृष्टिकोण : वटवृक्ष कई दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है, सबसे पहले यह वृक्ष अपनी विशालता के लिए प्रसिद्ध है। दार्शनिक दृष्टि से देखा जाए, तो यह वृक्ष दीर्घायु का प्रतीक है, क्योंकि इसी वृक्ष के नीचे राजकुमार सिद्धार्थ ने बुद्धत्व को प्राप्त किया और भगवान बुद्ध कहलाए। बोध ज्ञान को प्राप्त करने के कारण इस अक्षय वटवृक्ष को बोधिवृक्ष भी कहते हैं, जो गया तीर्थ में स्थित है। इसी तरह वाराणसी में भी ऐसे वटवृक्ष हैं, जिन्हें अक्षयवट मानकर पूजा जाता है। वटवृक्ष वातावरण को शीतलता व शुद्धता प्रदान करता है और आध्यात्मिक दृष्टि से भी यह अत्यंत लाभकारी है।

पीपल के समान वट वृक्ष

शास्त्रों के अनुसार पीपल वृक्ष के समान वट वृक्ष यानी बरगद का वृक्ष भी विशेष महत्व रखता है। पुराणों के अनुसार-वटवृक्ष के मूल में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु व अग्रभाग में शिव का वास माना गया है। अतः ऐसा माना जाता है कि इसके नीचे बैठकर पूजन और व्रतकथा आदि सुनने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यह वृक्ष लंबे समय तक अक्षय रहता है, इसलिए इसे अक्षयवट भी कहते हैं। जैन और बौद्ध भी अक्षयवट को अत्यंत पवित्र मानते हैं। जैनों का मानना है कि उनके तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने अक्षयवट के नीचे बैठकर तपस्या की थी। प्रयाग में इस स्थान को ऋषभदेव तपस्थली या तपोवन के नाम से जाना जाता है। हमारी अरण्य संस्कृति में वृक्षों को जीवंत देवताओं की संज्ञा दी गई है।

वैदिक मनीषा कहती है कि हवा के झोंकों से झूमते घने छायादार वृक्ष और उनसे गले मिलती लताएं प्रकृति का श्रृंगार ही नहीं, जीवन का अजस्र स्रोत भी हैं। हमारे देश की समग्र सभ्यता, संस्कृति, धर्म एवं अध्यात्म-दर्शन का विकास वनों में ही हुआ था। वैदिक भारत में लोग वनदेवी की नियमित उपासना किया करते थे। स्मृति ग्रथों में वन संपदा को नष्ट करने वालों के लिए कठोर दंड का विधान किया गया है। ज्ञात हो कि वृक्ष-वनस्पति हमें हरियाली और फल-फूल देने के साथ ही अपनी प्राणवायु से हमें जीवन और अच्छे स्वास्थ्य का वरदान भी देते हैं। इनका न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण में अमूल्य योगदान है, वरन ये ग्रह व वास्तुदोष भी दूर करते हैं। हमारे समूचे पर्यावरण की सेहत इन्हीं मूक देववाओं की कृपा पर टिकी है। इसीलिए तो वृक्ष-वनस्पति के प्रति गहरी श्रद्धा व लगाव भारतीय संस्कृति की अति पुरातन व संवेदनशील परंपरा रही है। अतः वट सावित्री व्रत के रूप में वटवृक्ष की पूजा का यह विधान भारतीय संस्कृति की गौरव-गरिमा का एक प्रतीक है और इसके द्वारा वृक्षों के औषधीय महत्व व उनके देवस्वरुप का भी ज्ञान होता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	76,015 .28	23,815 .85
गिरावट	1,312 .91	360 .30
प्रतिशत में	1.70	1.49

सोना 1,55,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,65,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 12 मई 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन :- तुलसी 2595, राज श्री 1950, फ़ॉर्चून कि. 2700, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2370, जय जवान 2125, सचिन 2340, सूरज 2125, अवसर 2125, उजाला 2100, गृहणी 13 kg 2200, क्लासिक (kg) 2455, मोर 2330, चक्र टिन 2565, ब्लू 2440, आशीर्वाद मस्टर्ड 2440, स्वास्तिक 2550

किराना :- निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 24500-25000, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल (प्रति कु0) :- डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन :- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी :- द्वारिकेश 4320, बहेड़ी 4300, सितारगंज 4270

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के आभूषण 151500, गिन्नी जेवर 147500, **चांदी प्रति किलो :** पक्की 254000 अनुमानित

बिजनेस ब्रीफ

यूपीएल का लाभ 20 % बढ़कर 1294 करोड़

नई दिल्ली। कृषि रसायन और फसल सुरक्षा क्षेत्र की कंपनी यूपीएल का मजबूत बिक्री के कारण वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत बढ़कर 1,294 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 1,079 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। गुजरात की इस कंपनी की कुल आय मार्च तिमाही में 18 % बढ़कर 18,335 करोड़ रही।

सेंसेक्स 1,313 अंक टूटा, प्रधानमंत्री की मितव्ययिता की अपील से निवेशक चिंतित

निफ्टी भी 360.30 अंक की गिरावट के साथ 23,815.85 पर हुआ बंद

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और बीएसई सेंसक्स 1,313 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के नीचे आ गया। अमेरिका और ईरान के शांति समझौते पर पहुंचने में नाकाम रहने के बाद कच्चे तेल के दाम में तेजी के बीच बाजार में गिरावट आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,312.91 अंक यानी 1.70 प्रतिशत टूटकर 76,015.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,370.79 अंक तक लुढ़क गया था।

पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 360.30 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,815.85 अंक पर बंद हुआ। पिछले बृहस्पतिवार से शुरू तीन कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स लगभग 1,950 अंक यानी 2.5 प्रतिशत टूटा है जबकि निफ्टी 515 अंक यानी दो प्रतिशत से अधिक के नुकसान में रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नये शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। इससे पश्चिम एशिया में संकट दूर करने के लिए राजनयिक सफलता की उम्मीद फिलहाल कमजोर हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मितव्ययिता की अपील ने विदेशी मुद्रा भंडार, ईंधन की कीमतों और उपभोग के दृष्टिकोण को लेकर निवेशकों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के प्रतिकूल प्रभाव से लोगों को बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने लोगों से विदेशी मुद्रा बचाने के लिए पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने, शहरों में मेट्रो रेल सेवाओं, कार पूलिंग करने, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का अधिक उपयोग करने और घर से काम करने का सुझाव दिया।

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में ज्यादातर में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। सेंसेक्स शुक्रवार को 516.33 अंक टूटकर 77,328.19 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 150.50 अंक गिरकर 24,176.15 अंक पर रहा था।

मानक ब्रेंट क्रूड 2.23 % बढ़कर 103.5 डॉलर प्रति बैरल पर

नुकसान में रहे शेयर :- टाइटन के शेयर में सबसे ज्यादा सात प्रतिशत की गिरावट आई। इंटरग्लोब एविएशन, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल, इटर्नल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी भारी गिरावट देखी गई।

बढ़त के साथ बंद हुए :- लाभ में रहने वाले शेयरों में सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अदाणी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं।

मिडकैप 1.09 और स्मॉलकैप 0.44 प्रतिशत गिरा

- बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 1.09 प्रतिशत की गिरावट आई।
- छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप 0 .44 प्रतिशत के नुकसान में रहा।
- क्षेत्रवार उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं का सूचकांक 3 .76 प्रतिशत, रियल एस्टेट (2 .74 प्रतिशत), मध्यम-लघु निजी बैंकों का गुणवत्ता सूचकांक (2 .60 प्रतिशत), बीएसई पीएसयू बैंक (2 .28 प्रतिशत), उपभोक्ता विवेकाधीन वस्तुएं (2 .14 प्रतिशत) और बिजली (2 .13 प्रतिशत) में गिरावट दर्ज की गई।
- शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,110 .60 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

मोदी के भाषण से दबाव में बाजार

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के. ने कहा कि कच्चे तेल की कीमत को लेकर अनिश्चितता और वैश्विक तनाव बढ़ने की आशंका के बीच निवेशकों ने आक्रामक रूप से शेयरों की बिकवाली की। इससे सूचकांकों में गिरावट आई। कहा कि आज की इस गिरावट का तात्कालिक कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 10 मई का भाषण है, जिसे बाजार ने वृहद आर्थिक दबाव के संकेत के रूप में लिया है।

मोदी की अपील से आभूषण उद्योग पर प्रतिकूल असर संभव : जीजेसी

मांग घटाने से नहीं, स्वर्ण मौद्रीकरण योजना में सोने के उपयोग से होगा समाधान

मुंबई, एजेंसी

- देश के घरों में रखा है हजारों टन सोना
- ऐसी अपील से रिवेंज बाइंग भी संभव

पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा बचाने के लिए एक वर्ष तक सोने की खरीद टालने संबंधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद रत्न एवं आभूषण उद्योग पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एक उद्योग संगठन ने सोमवार को यह आशंका जताई।

अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण परिषद (जीजेसी) के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा कि प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से एक करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने वाले रत्न एवं आभूषण उद्योग पर प्रधानमंत्री की इस अपील के बाद दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि हम सोने की जिम्मेदारी से खपत करने संबंधी प्रधानमंत्री की अपील को समझते हैं। यह बढ़ते आयात और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव की व्यापक राष्ट्रीय चिंता को दर्शाती है। लेकिन भारत में पहले से ही हजारों टन सोना घरों में रखा हुआ है। ऐसे में समाधान केवल सोने की मांग घटाने में नहीं, बल्कि स्वर्ण मौद्रीकरण योजना (जीएमएस) के जरिये मौजूदा सोने के उपयोग में है।

रोकड़े ने कहा कि अतीत में इस तरह के मामलों में 'रिवेंज बाइंग' यानी प्रतिबंध के बाद अधिक खरीद की स्थिति भी देखी गई है, जिससे आगे चलकर सोने की मांग बढ़ सकती है।

जीजेसी के उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता ने कहा कि सोने का भारतीय परिवारों से भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव है, लेकिन वर्तमान में आर्थिक स्थिरता के साथ मांग का संतुलन भी जरूरी है। एक मजबूत एवं पारदर्शी स्वर्ण मौद्रीकरण योजना दीर्घकालिक समाधान हो सकती है। इस योजना के जरिये घरों और लॉकर में रखे निष्क्रिय सोने को औपचारिक अर्थव्यवस्था में लाया जा सकता है। इससे आयात घटेगा, चालू खाते के घाटे (सीएडी) पर दबाव कम होगा और वित्तीय प्रणाली मजबूत होगी।

ईरान के शांति प्रस्ताव को ट्रंप ने ठुकराया, सोना 600 रुपये टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमतें 600 रुपये टूटकर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को ठुकराने के बाद यह गिरावट आई है। इससे पश्चिम एशिया में फिर से संघर्ष शुरू होने का डर बढ़ गया और कच्चे तेल की कीमतें ऊपर चली गई हैं। देश की विदेशी मुद्रा को बचाने की कोशिश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस अपील से भी सोने पर अतिरिक्त दबाव पड़ा, जिसमें उन्होंने लोगों से एक साल के लिए गैर-ज़रूरी सोने की खरीदारी टालने का आग्रह किया था।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99 .9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 600 रुपये टूटकर 1,55,300 रुपये (सभी टैक्स मिलाकर) रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। यह शुक्रवार के बंद भाव 1,55,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से कम है।

प. एशिया में संघर्ष विराम बहुत दूर, विदेशी मुद्रा बचाने में सहयोग करें देशवासी: वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध के जल्द थमने के आसार नहीं दिखने की वजह से नागरिकों से विदेशी मुद्रा भंडार को बचाकर रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया गया है।

वैष्णव ने यहां उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन में कहा कि हालिया घटनाक्रम को देखते हुए पश्चिम एशिया में संघर्षविराम अभी 'बहुत दूर' नजर आ रहा है।

कहा कि हम बहुत अनिश्चितता वाले समय में हैं। हमारी किसी गलती के बगैर, हमारे पड़ोस में दो देशों के बीच चल रहे युद्ध का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। मौजूदा स्थिति में यहां पर संघर्षविराम होना दूर लगता है।

एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों का पश्चिम एशिया संघर्ष से उपजी चुनौतियों से निपटने में सहयोग करने का आह्वान किया था। उन्होंने पेट्रोल-डीजल के समझदारी से इस्तेमाल और किसी भी तरह से विदेशी मुद्रा बचाने पर जोर दिया। वैष्णव ने कहा कि संकट की इस घड़ी में नागरिकों को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। हम नागरिकों के रूप में अपने जीवन और कामकाज में ऐसे उपाय पहचान सकते हैं, जिनसे विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। साथ ही हमें विदेशी मुद्रा अर्जित करने के प्रयास भी बढ़ाने चाहिए।

मेले में देवेगौड़ा

बेंगलुरु : पूर्व प्रधानमंत्री और जडी (एस) प्रमुख एच.डी. देवेगौड़ा ने सोमवार को कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित कब्बन पार्क में आयोजित आम और कटहल मेले का दौरा किया। ● एजेंसी

एफटीए का लाभ उठाए उद्योग जगत : वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि भारतीय उद्योग जगत को उन मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का लाभ उठाने और उनका उपयोग करने की आवश्यकता है, जिन्हें भारत अंतिम रूप दे रहा है। ये समझौते व्यापार और निवेश, दोनों के लिए बड़े अवसर प्रदान करते हैं। सचिव ने कहा कि एफटीए का पूरी तरह से उपयोग करने और लाभ उठाने का देश का पिछला रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि देश की औद्योगिक नीति को उसकी व्यापार नीति का पूरक होना चाहिए, क्योंकि व्यापार इस बात पर भी निर्भर करता है कि भारत कैसे निवेश और उत्पादन करता है। उल्लेखनीय है कि भारत ने सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया और आसियान सहित कई देशों और समूहों के साथ व्यापार समझौते किए हैं।

व्यापार वार्ता के अगले दौर पर अमेरिकी दल के भारत आने की उम्मीद: अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को उम्मीद है कि व्यापार वार्ता के अगले दौर के लिए अमेरिकी दल देश का दौरा करेगा। हालांकि, इसके लिए अभी तक कोई तारीख तय नहीं की गई है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारतीय पक्ष ने अंतरिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अप्रैल में वाशिंगटन का दौरा किया था। अब हमें अमेरिकी दल के भारत आने की उम्मीद है। अप्रैल की बैठक के बाद दोनों पक्ष व्यापार वार्ता की गति को बनाए रखने के लिए लगातार संपर्क में रहने पर सहमत हुए हैं।

वर्क फ्रॉम होम और हाइब्रिड मॉडल अपना रहीं आईटी कंपनियां: नैसकॉम

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियां एहतियाती प्रबंधन उपाय अपना रही हैं, जिनमें वर्क फ्रॉम होम और हाइब्रिड व्यवस्था को बढ़ावा देना शामिल है। उद्योग संगठन नैसकॉम ने सोमवार को यह जानकारी दी।

आईटी कंपनियों के संगठन नैसकॉम ने बयान में कहा कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र पहले से ही हाइब्रिड मॉडल (घर एवं दफ्तर से काम की मिली-जुली व्यवस्था) के तहत काम करता रहा है और कंपनियां कर्मचारियों के पद से जुड़ी जरूरतों और ग्राहकों की मांग के आधार पर 'घर से काम' और दफ्तर से काम के बीच संतुलन बना रही हैं।

संगठन ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव को देखते हुए कंपनियों ने अपने परिसरों में ऊर्जा प्रबंधन के विवेकपूर्ण उपाय अपनाए हैं। इसमें गैर-जरूरी खपत को कम करना, कुछ सुविधाओं को युक्तिसंगत बनाना और संभव होने पर दूरस्थ या हाइब्रिड कार्य व्यवस्था को सक्षम बनाना शामिल है, ताकि कुल ऊर्जा उपयोग और आवागमन को कम किया जा सके।

नैसकॉम ने मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य को 'लगातार विकसित होती स्थिति' बताते हुए कहा कि वह घटनाक्रम पर करीबी नजर रखे हुए है तथा उद्योग हितधारकों और सरकारी अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है, ताकि इस स्थिति का ''समन्वित और जिम्मेदार'' तरीके से सामना किया जा सके। करीब 3,500 कंपनियों का संगठन नैसकॉम भारत के लगभग 315 अरब डॉलर के प्रौद्योगिकी उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है।

नैसकॉम का यह बयान ऐसे समय आया है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक दिन पहले नागरिकों से पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग करने का आह्वान किया था।

खरीफ बुवाई सत्र के लिए उर्वरक का भंडार पर्याप्त: सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में उर्वरकों का भंडार 'पर्याप्त' है। आगामी खरीफ सत्र के दौरान उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रम पर अंतर-मंत्रालयी बैठक में उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस. शर्मा ने कहा कि प्रमुख उर्वरकों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) स्थिर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत की उर्वरक सुरक्षा स्थिति संतोषजनक एवं सुव्यवस्थित है। शर्मा ने कहा कि उर्वरक विभाग की ओर से यह बताया जाता है कि खरीफ 2026 के लिए कृषि विभाग द्वारा अनुमाति आवश्यकता के मुकाबले भंडार 51 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने बताया कि यह भंडार सामान्य स्तर (करीब 33 प्रतिशत) से काफी अधिक है।

निवेश की पाठशाला

सोने के लिए आरबीआई का गोल्डन 'मास्टर प्लान'

कारोबार डेस्क

क्या आपके घर के लॉकर में पड़ा सोना उपयोग में नहीं आ रहा है? अगर हां, तो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आपके लिए एक ऐसा 'मास्टर प्लान' तैयार कर रहा है जिससे आपका वही सोना आपको घर बैठे नियमित आय दिलवा सकता है। हमारे के लिए सोना सिर्फ एक धातु नहीं, बल्कि एक इमोशन है, लेकिन रिजर्व बैंक आपकी भावनाओं को आपकी कमजोरी नहीं, बल्कि वह आपकी आर्थिक ताकत बनाना चाहता है। आइए, जानते हैं क्या है मास्टर प्लान...

क्या है गोल्ड मॉनेटाइजेशन स्कीम?

- सरकार ने 15 सितंबर 2015 को इस योजना की शुरुआत की थी। इसका मकसद था कि देश में उपलब्ध सोना उपयोग में लाया जा सके और सोने के आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिले। इसमें लोगों के पास मौजूद सोने को जमा करने की सुविधा दी गई थी, जिससे उस सोने का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में किया जा सके। लोगों ने बहुत कम दिलचस्पी दिखाई, क्योंकि इसके तहत बैंक उस सोने को पिघला देते थे, जो उनके पास पहुंचता था।

आरबीआई का नया 'मास्टर प्लान'

- आरबीआई के अनुसार भारत के घरों में लगभग 20,000 टन से ज्यादा सोना जमा है। यह दुनिया का सबसे बड़ा निष्प्रयोज्य सोने का भंडार है। रिजर्व बैंक चाहता है कि लोग इस सोने को बैंक में जमा करें और इससे कमाई करें।

चुनौतियां:

- **दादी-नानी के गहने:** गहनों के साथ लोगों की यादें जुड़ी होती हैं, वे उन्हें पिघलते हुए नहीं देख सकते।
- **टैक्स का डर :** कई लोगों के पास विरासत में मिला सोना है, जिसका कोई बिल या रिकॉर्ड नहीं है। बैंक जाते ही इनकम टैक्स विभाग उनसे रिकॉर्ड मांगेगा।

अर्थ व्यवस्था को क्या फायदा? ● आरबीआई की इस स्कीम के पीछे एक बड़ा आर्थिक कारण है:

- **इंपोर्ट में कमी:** जब लोग बैंक में सोना जमा करेंगे, तो ज्वेलर्स को बाहर से आयात करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।
- **रुपया होगा मजबूत:** हम सोना विदेशों से डॉलर में खरीदते हैं, जब सोना कम मंगाएंगे, तो डॉलर कम बाहर जाएगा और विदेशी मुद्रा की बचत होगी। इसका असर ये होगा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपया मजबूत होगा।
- **प्रोडक्टिव यूज:** लॉकर में पड़ा सोना देश की जीडीपी में योगदान नहीं देता, लेकिन बैंक में आने के बाद यह बाजार में सर्कुलेट होता है और इसकी गिनती अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाती है।

काम की बात

- अगर आपके पास सोने के सिक्के या बार हैं जिन्हें आप पहनते नहीं हैं, तो उन्हें लॉकर में बंद रखने के बजाय बैंक में जमा करना एक 'समझदारी भरा' फैसला हो सकता है। इससे आपको हर साल ब्याज मिलेगा और आप देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी योगदान दे सकेंगे। आरबीआई जल्द ही इस पर बड़े फैसले ले सकता है, जिससे यह स्कीम और भी आसान एवं लाभकारी हो जाएगी।

योजना से परिवर्तन | **अब अमेरिका और खाड़ी देशों में भेजे जाएंगे सत्तू के लड्डू, 700 महिलाओं को मिला रोजगार**

ओडीओपी से बलिया के सत्तू को मिली वैश्विक पहचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना अब प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने का मजबूत माध्यम बनती जा रही है। बलिया का मशहूर चने का सत्तू अब अमेरिका, दुबई समेत कई खाड़ी देशों तक पहचान बना चुका है।

अब बलिया के सत्तू से तैयार होने वाले लड्डू को भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेजने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इससे 700 से अधिक महिलाओं को रोजगार मिला है, जबकि किसानों को चने की फसल का बेहतर दाम मिल रहा है।

अमेजन, फ्लिपकार्ट और जियो मार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इसकी मांग लगातार बढ़ रही है।

तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों में भी यूपी का यह पारंपरिक उत्पाद लोगों की पसंद बन रहा है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने वाले शहरी उपभोक्ताओं के बीच भी इसकी मांग तेजी से बढ़ी है। निधि उद्योग की संस्थापक नीति अग्रवाल ने बताया कि बलिया के सत्तू से बनने वाले लड्डू को अमेरिका और खाड़ी देशों में भेजने की पूरी तैयारी कर ली गई है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा और ओडीओपी के कारण बलिया का यह पारंपरिक उत्पाद अब वैश्विक पहचान की ओर बढ़ रहा है।

व्यवस्थापक सौरभ अग्रवाल ने बताया कि सत्तू उत्पादन और पैकेजिंग के बढ़ते कारोबार से करीब सात सौ महिलाएं जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। वहीं द्वाबा क्षेत्र के किसानों का चना हाथोंहाथ खरीदा जा रहा है, जिससे उन्हें उपज का बेहतर मूल्य मिल रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने बताया कि भृगु मंदिर क्षेत्र में सत्तू को प्रसाद के रूप में विशेष महत्व प्राप्त है। इसी पहचान को ब्रांडिंग से जोड़ते हुए पहले आकर्षक पैकेजिंग तैयार की गई और फिर प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर एफपीओ के माध्यम से किसानों और उत्पादकों को जोड़ा गया। वर्तमान में क्षेत्र में करीब साढ़े छह हजार हेक्टेयर में चने की खेती हो रही है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने प्रदेश के मंत्रियों और विधायकों को बलिया के सत्तू के पैकेट भिजवाए हैं, ताकि इस पारंपरिक उत्पाद को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिल सके।

गांव से ग्लोबल मार्केट तक पहुंचा पारंपरिक स्वाद

कभी गांवों तक सीमित माना जाने वाला सत्तू अब ई-कॉमर्स और निर्यात के जरिए अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच रहा है। ओडीओपी योजना के कारण स्थानीय उत्पादों को ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग का नया मंच मिला है।

> ओडीओपी योजना के जरिए स्थानीय उत्पादों को नई पहचान मिल रही है और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बलिया की सांस्कृतिक पहचान अब देश और दुनिया तक पहुंच रही है।
> -मंगला प्रसाद सिंह, जिलाधिकारी, बलिया

वर्ल्ड ब्रीफ

खाद्यतेल के आयात पर बढ़ती निर्भरता का बोझ नहीं उठा सकता भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्यतेल निकाय एसईए ने सोमवार को लोगों से खाद्यतेल का कम इस्तेमाल करने की प्रधानमंत्री की अपील का स्वागत करते हुए कहा कि इससे आयात पर निर्भरता कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा बचाने के लिए खाद्यतेल की खपत कम करने, रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल घटाने, प्राकृतिक खेती और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। द सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने एक बयान में कहा कि खाद्य तेल की खपत को नियंत्रित करने को लेकर प्रधानमंत्री की अपील का आर्थिक और रणनीतिक महत्व कहीं अधिक गहरा है।

दिल्ली में 24 को आयोजित होगा जनजाति सांस्कृतिक समागम

नई दिल्ली, एजेंसी। भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में यहां के लाल किला मैदान में 24 मई को जनजाति सांस्कृतिक समागम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल होंगे। इस संबंध में सोमवार को यहां स्थित प्रेस क्लब में जनजाति सुरक्षा मंच की ओर से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में वक्ताओं ने सोमवार को कहा कि भगवान बिरसा मुंडा भारत में स्वतंत्रता, सांस्कृतिक अस्मिता और सामुदायिक चेतना के प्रतीक रहे हैं। यह समागम एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय आयोजन के रूप में परिकल्पित है। इस कार्यक्रम में देशभर की 500 से अधिक जनजातियों के डेढ़ लाख प्रतिभागियों की उपस्थिति संभावित है।

ईयू यूक्रेन को 90 अरब यूरो के कर्ज की पहली किस्त जारी करेगा

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) की कमिश्नर फॉर इनलार्जमेंट मार्टा कोस ने सोमवार को कहा कि अगले सप्ताह संघ यूक्रेन को 90 अरब यूरो (105.7 अरब अमेरिकी डॉलर) के कर्ज पैकेज की पहली किस्त जारी करेगा। सुश्री कोस ने कहा, "हम सही रास्ते पर हैं और मुझे उम्मीद है कि अगले सप्ताह हम पहली किस्त जारी कर पाएंगे। ईयू के सदस्य देशों ने 23 अप्रैल को यूक्रेन के लिए 90 अरब यूरो के कर्ज पैकेज को औपचारिक रूप से मंजूरी दी थी।

होर्मुज की सुरक्षा पर रक्षा मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेंगे ब्रिटेन-फ्रांस

यह इस बहुराष्ट्रीय समुद्री मिशन की पहली रक्षा मंत्री बैठक होगी

लंदन, एजेंसी

होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापार को सुरक्षित रूप से शुरू करने के इरादे से सैन्य नियोजन पर चर्चा करने के लिए ब्रिटेन और फ्रांस मंगलवार से 40 देशों के विदेश मंत्रियों की मेज़बानी करेंगे। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, रक्षा सचिव जॉन हीली और फ्रांस की रक्षा मंत्री कैथरीन वॉट्रिन इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह इस बहुराष्ट्रीय समुद्री मिशन की पहली रक्षा मंत्री बैठक होगी।

इस बीच, ईरान ने सभी देशों को होर्मुज में अपने युद्धपोत उतारने के खिलाफ चेतावनी दी है। ईरान के उप-विरेध मंत्री काज़म ग़रीबाबादी ने ब्रिटेन एवं फ्रांस को चेतावनी दी है कि अगर वे होर्मुज जलडमरमूध्य के पास अपने युद्धपोत तैनात करते हैं तो स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है। ब्रिटेन ने पिछले सप्ताह यह ऐलान किया था कि वह पश्चिम एशिया में एचएमएस ड्रैगन को एक पूर्णतः रक्षात्मक मिशन के तहत तैनात करेगा। इस तैनाती

का उद्देश्य समुद्री बारूदी सुरंगों को होर्मुज से निकालना और क्षेत्र में व्यवसायिक नौवहन को बहाल करना होगा।

इस बीच, फ्रांस ने पुष्टि की कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित सुरक्षा अभियान की तैयारी के तहत अपना नौसैनिक बेड़ा लाल सागर में तैनात कर दिया है। फ्रांस और ब्रिटेन होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन बनाने की कोशिश में सबसे आगे हैं। साथ ही ये देश इस मिशन में वैश्विक भागीदारी का आह्वान भी करते रहे हैं।

युद्ध तब तक खत्म नहीं होगा जब तक परमाणु मुद्दों का समाधान नहीं हो जाता : नेतन्याहू

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दोहराया है कि ईरान के साथ युद्ध तब तक खत्म नहीं होगा जब तक कि प्रमुख रणनीतिक मुद्दों का समाधान नहीं हो जाता जिनमें ईरान के संवर्धित यूरेनियम के भंडार को हटाना, परमाणु केंद्रों को नष्ट करना और ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव पर अंकुश लगाना शामिल है। सीबीएस न्यूज के कार्यक्रम 60 मिनट्स को दिये साक्षात्कार में नेतन्याहू ने कहा कि यह अभी खत्म नहीं हुआ है, क्योंकि अब भी वहां परमाणु सामग्री और संवर्धित यूरेनियम मौजूद है। इसे ईरान से बाहर निकालना होगा। अब भी वहां संवर्धन केंद्र हैं, जिन्हें नष्ट करना बाकी है। उन्होंने कहा कि ईरान क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों का समर्थन करना जारी रख रहा है।

काठमांडू में लैंड करते समय टर्किश एयरलाइंस के विमान में आग लगी, सभी यात्री सुरक्षित

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय टर्किश एयरलाइंस के एक विमान में आग लग गई। इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन घटना के बाद हवाई अड्डा का परिचालन करीब दो घंटे के लिए बंद करना पड़ा। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि विमान में 277 यात्री और चालक दल के 11 सदस्य सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। यह घटना सुबह छह बजकर 36 मिनट पर हुई। इस्तांबुल से आ रही टर्किश एयरलाइंस की उड़ान 'टीके 726' में हवाई अड्डे पर उतरते समय पिछले पहिये में आग लग गई। घटना के बाद हवाई अड्डे का परिचालन रोक दिया गया और आग पर काबू पाने के लिए दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं।

अधिकारियों ने बताया कि विमान से सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। सुबह साढ़े आठ बजे के बाद सामान्य उड़ान सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। समाचार पत्र 'द हिमालयन टाइम्स' के अनुसार, विमान में पार्थिव देह और सामान भी था। आग लगने की घटना के बाद विमान मुख्य रनवे पर रुक गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं बाधित हुईं। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। टर्किश एयरलाइंस इस्तांबुल से नेपाल के लिए सप्ताह में पांच उड़ानें संचालित करती है। काठमांडू का त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नेपाल को 17 देशों के 40 से अधिक गंतव्यों से जोड़ता है।

चीनी कंपनियों पर अमेरिका के प्रतिबंध अवैध : चीन

बीजिंग, एजेंसी

चीन ने ईरान से संबंध होने के कारण चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने के अमेरिका के फैसले का विरोध करते हुए नई नीतियों को अवैध एवं अंतर्राष्ट्रीय कानून का विरोधी करार दिया। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुए जियाकुन ने सोमवार को कहा कि चीन अमेरिका द्वारा थोपे गये एकतरफा प्रतिबंधों को नकारता है और ये संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त नहीं है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने चीन और हांगकांग की कंपनियों एवं लोगों पर ईरान की सेना की सहायता करने का आरोप लगाते हुए उन पर प्रतिबंध लगाये हैं। इस सूची में शामिल 12 लोगों एवं कंपनियों पर आरोप है कि उन्होंने ईरान की सेना के इस्तेमाल के लिए हथियार एवं तकनीक खरीदी हैं।

उन्होंने कहा कि बीजिंग लगातार चीनी कंपनियों से यह अपेक्षा करता है कि वे कानूनों और नियमों के अनुसार ही अपना कारोबार करें, और वह चीनी उद्यमों के वैध अधिकारों और हितों की पूरी मज़बूती से रक्षा करने का इरादा रखता है। गुओ ने कहा कि जहां तक ईरान की स्थिति का सवाल है, चीन ने बार-बार इस पर अपना दृढ़ रुख स्पष्ट किया है।

इस समय सबसे ज़रूरी काम यह है कि युद्ध को फिर से शुरू होने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास किये जायें, न कि इस संघर्ष का दुर्भावनापूर्ण इस्तेमाल करके दूसरे देशों को बदनाम किया जाये।

वित्त एवं विदेश मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को घोषित किये गये इस फ़ैसले से अगले हफ़्ते डोनाल्ड ट्रंप की चीन की प्रस्तावित यात्रा में अड़चनें पैदा होने का जोखिम है।

फिलीपीन : संसद में हुआ उपराष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने को मतदान

मनीला, एजेंसी। फिलीपीन की संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने सोमवार को उपराष्ट्रपति सारा दुतेर्ते के खिलाफ महाभियोग चलाने के पक्ष में मतदान किया। उन पर बेहिसाब संपत्ति रखने, सरकारी धन के दुरुपयोग और राष्ट्रपति की हत्या की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। सदन में राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के सहयोगियों का बहुमत है। सदन में 257 सदस्यों ने महाभियोग चलाये जाने के पक्ष में मतदान किया जबकि 25 सदस्यों ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया, वहीं नौ सदस्य अनुपस्थित रहे। सदन में महाभियोग पर मतदान से ठीक पहले, सीनेट अध्यक्ष विसेंट सोटो तृतीय को 24 में से 13 सीनेटर ने पद से हटा दिया, जिनमें उपराष्ट्रपति और उनके पिता एवं पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते के समर्थक भी शामिल थे।

गर्मी से राहत

सूरत के सार्थना नेचर पार्क (सार्थना चिड़ियाघर) में भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए सफेद बत्तखें और हंस वहां बने जलाशयों में तैरते देखे जा सकते हैं। बढ़ते तापमान को देखते हुए चिड़ियाघर प्रशासन ने जानवरों के लिए खास इंतजाम किए हैं। ● एजेंसी

ट्रंप 13 से 15 तक चीन की यात्रा पर रहेंगे

बीजिंग, एजेंसी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 13 से 15 मई तक चीन की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर ट्रंप यह यात्रा कर रहे हैं। करीब नौ वर्षों में किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति की चीन की यह पहली यात्रा है। ट्रंप की यह यात्रा अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध, होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी के कारण उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट और ताइवान समेत कई मुद्दों पर दोनों देशों के बीच बढ़ते तवाव के दौरान हो रही है। अमेरिकी प्रधान उप प्रेस सचिव अन्ना केली ने रविवार को कहा कि ट्रंप बुधवार शाम बीजिंग पहुंचेंगे। ट्रंप शी चिनफिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक में भाग लेंगे।

यूएई से भारतीयों को निकालने की कोई योजना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

● विदेश मंत्रालय ने इस तरह के दावों को खारिज किया

विदेश मंत्रालय ने सोमवार को उस खबर को खारिज किया जिसमें दावा किया गया था कि फुजैराह बंदरगाह के माध्यम से भारतीय श्रमिकों की निकासी को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) एक समझौते पर काम कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि इसका कोई आधार नहीं है और फुजैराह या यूएई से भारतीय नागरिकों को निकालने की कोई योजना नहीं है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह बात पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर यहां आयोजित एक अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान एक प्रमुख राष्ट्रीय दैनिक में प्रकाशित मीडिया की एक खबर के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में कही। उन्होंने कहा कि आपने एक विशेष समाचार का उल्लेख किया। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप विदेश मंत्रालय के फैक्टचेक को भी देखें क्योंकि हमने इस संबंध में पहले ही स्पष्टीकरण जारी कर दिया है। ऐसी खबर का कोई आधार नहीं है। साथ ही, फुजैराह या संयुक्त अरब अमीरात से भारतीय नागरिकों को निकालने की कोई योजना नहीं है। इसलिए, कृपया हमारे द्वारा जारी किए गए स्पष्टीकरण को भी देखें।

इससे पहले दिन में विदेश मंत्रालय की फैक्ट-चेक टीम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में इस खबर को फर्जी खबर बताया। विदेश मंत्रालय की फैक्टचेक टीम ने अपनी पोस्ट में कहा कि फर्जी खबर! ऐसी किसी भी खबर का कोई आधार नहीं है। किसी भी प्रकार की निकासी की योजना नहीं बनाई जा रही है। कृपया ऐसे झूठे और निराधार दावों से सावधान रहें। प्रेसवार्ता के दौरान, जायसवाल से भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स सदस्य देशों और अन्य देशों के विदेश मंत्रियों की आगामी बैठक के बारे में भी सवाल किया गया।

क्रूज जहाज से निकाले गए तीन यात्री संक्रमित

द हेग, एजेंसी

हंता वायरस

एक क्रूज जहाज पर हंता वायरस के प्रकोप के बाद सुरक्षित निकाले गए यात्रियों में से एक फ्रांसीसी महिला और दो अमेरिकी नागरिक संक्रमित पाए गए हैं या उनमें इसके लक्षण दिखे हैं। इस बीच, दुनिया भर के देशों ने अपने नागरिकों को वापस लाने और उन्हें पृथक-वास में रखने की कवायद तेज कर दी है। स्पेन के कैनरी द्वीप समूह में एमवी होंडियस क्रूज जहाज के पहुंचने के बाद रविवार से यात्रियों को सैन्य और सरकारी विमानों से उनके देशों में वापस भेजने का सिलसिला शुरू हुआ।

टेनेरिफ में सोमवार को भी सुरक्षात्मक सूट और मास्क पहने कर्मियों की निगरानी में यात्रियों को जहाज से तट तक पहुंचाया गया। फ्रांस की स्वास्थ्य मंत्री स्टेफनी रिस्ट ने सोमवार को बताया कि क्रूज जहाज से रविवार को उतारकर विमान में पेरिस लाए गए पांच यात्रियों में से एक महिला संक्रमित पाई गई है और रात में अस्पताल में उसकी हालत बिगड़ गई। रिस्ट ने बताया कि महिला में पेरिस की उड़ान के दौरान ही लक्षण दिखने शुरू हो गए थे। अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार देर रात बताया कि जहाज से सुरक्षित निकाले गए और नेब्रास्का भेजे गए 17 अमेरिकी यात्रियों में से एक व्यक्ति हंता वायरस से संक्रमित पाया गया है, हालांकि उसमें बीमारी के कोई लक्षण नहीं दिख रहे हैं। एक अन्य यात्री में हल्के लक्षण पाए गए हैं।

यह विमान सोमवार सुबह अमेरिका पहुंचा। अमेरिकी यात्रियों को सबसे पहले यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का मेडिकल सेंटर ले जाया जाएगा। यहां उन्हें संघीय पृथक-वास (क्वारंटीन) केंद्र में रखा जाएगा ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए हैं या नहीं और उनसे वायरस फैलने का खतरा कितना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इन यात्रियों की कड़ी निगरानी की सिफारिश की है। इससे पहले, स्पेनिश स्वास्थ्य मंत्रालय और 'एमवी होंडियस' क्रूज संचालक कंपनी 'ओशनवाइड एक्सपीडिशन्स' के अधिकारियों ने कहा था कि जहाज पर सवार 140 से अधिक लोगों में से किसी में भी संक्रमण के लक्षण नहीं दिखे हैं। हंता वायरस के प्रकोप की शुरुआत से अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है और जहाज से पहले उतरे पांच अन्य लोग संक्रमित पाए गए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसस ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, "यह कोविड जैसी स्थिति नहीं है और आम जनता के लिए जोखिम कम है। इसलिए लोगों को डरने या घबराने की जरूरत नहीं है।

डब्लूएचओ की मुख्य महामारी विज्ञानी मारिया वान केरखोव ने सिफारिश की है कि यात्रियों के स्वदेश लौटने पर उनकी दैनिक स्वास्थ्य जांच की जाए। इस प्रकोप में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

बीएलए को आतंकवाद से जोड़ने पर आस्ट्रेलिया की आलोचना

लंदन/नई दिल्ली, एजेंसी। बलूचिस्तान आंदोलन के एक वरिष्ठ नेता ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार के बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) को आतंकवाद से जोड़ने के फैसले के औचित्य पर सवाल उठाया है।

प्रमुख बलूच कार्यकर्ताओं में से एक मीर यार बलूच ने ऑस्ट्रेलिया को चुनौती दी कि वह बीएलए के हमले का कोई सबूत पेश करे। उन्होंने आरोप लगाया है कि संगठन को "आतंकी" घोषित करना पाकिस्तानी लामबंदी और दुष्प्रचार का परिणाम है।

मीर यार बलोच ने बताया, न्याय, लोकतंत्र और मानवीय गरिमा को महत्व देने वाले राष्ट्र के रूप में, ऑस्ट्रेलिया के पास न केवल कब्जा करने वाले पाकिस्तान की आवाज सुनने का नैतिक अवसर है, बल्कि उन उत्पीड़ित लोगों की आवाज भी सुनने का अवसर है जो मान्यता, सम्मान और शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपने भविष्य का निर्धारण करने के अधिकार की मांग कर रहे हैं।

चुनाव आयोग जल्द शुरू करेगा तीसरा चरण

मतदाता सूची पुनरीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय निर्वाचन आयोग आगामी दिनों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का तीसरा और अंतिम चरण शुरू करने जा रहा है। इस प्रक्रिया के तहत शेष 17 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया जाएगा, जिनमें लगभग 40 करोड़ मतदाता हैं। इससे पहले आयोग 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में करीब 60 करोड़ मतदाताओं का पुनरीक्षण कार्य पूरा कर चुका है।

आयोग ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पूर्वोत्तर के राज्यों (मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा) सहित चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए हैं। पिछले साल जून में घोषित यह प्रक्रिया कई कारणों से विलंबित हुई है। हाल ही में पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के कारण इसे टाला गया था। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और बिहार में राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी।

पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी व्यक्तिगत रूप से इस प्रक्रिया के खिलाफ शीर्ष अदालत में दलीलें पेश की थीं। पुनरीक्षण के दौरान बिहार में विदेशी नागरिकों (बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमा) की पहचान के दावे किए गए थे, हालांकि आयोग ने बाद में ऐसे अयोग्य लोगों का कोई आधिकारिक साक्ष्य साझा नहीं किया। इस चरण के पूरा होते ही देश के सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इस अखिल भारतीय प्रक्रिया के दायरे में आ जाएंगे।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपको काम के दौरान ज्यादातर शांत रहना चाहिए। सहकर्मियों के व्यवहार को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं।

वृष – आज नई परियोजनाओं को लेकर उत्सुकता जागेगी। परिस्थितियां पूरी तरह से आपके नियंत्रण में रहेंगी। तीर्थ यात्रा की योजना बना सकते हैं।

मिथुन – आज कोई शुभ सूचना मिल सकती है। शाम के समय कहीं घूमने जा सकते हैं। व्यापार में आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कर्क – आज गूढ़ ज्ञान अर्जित करने का प्रयास करेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई की ओर एकाग्रचित्त रहेंगे। परिजनों की सुविधाओं का ध्यान रखें।

सिंह – आज कारोबार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। खर्चों में कमी आने से मन संतुष्ट रहेगा। समय पूरी तरह से आपके पक्ष में हैं।

कन्या – आज अपनी जॉब को लेकर थोड़े असंतुष्ट हो सकते हैं। आपसी संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अटका हुआ धन वापस प्राप्त होगा।

तुला – आज आपको अपने काम पर बहुत ध्यान देना होगा। कार्यक्षेत्र में राजनीति हो सकती है। कड़वी बातों का प्रयोग न करें।

वृश्चिक – आज अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग आप नहीं कर पा रहे हैं। आपके सुझावों से लोगों को बहुत अच्छा लाभ होगा।

धनु – आज सभी कार्यों में विजय प्राप्त होगी। सुख-सुविधाओं का उपभोग करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को पहली प्राथमिकता में रखते हुए पूर्ण कर लें।

मकर – आज कार्यक्षेत्र में आपके योगदान की प्रशंसा होगी। बॉस आपके कार्यों से अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

कुंभ – आज आवश्यक कार्यों को सुबह ही कर लेना उचित होगा। उच्च पद पर बैठे लोगों की उपेक्षा का सामना करना पड़ सकता है।

मीन – आज प्रियजनों के व्यवहार से मन खिन्न होगा। मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। पुराने कर्जों को लौटाने का दबाव रहेगा।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

आज की ग्रह स्थिति: 12 मई, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 14.52 तक तत्पश्चात एकादशी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- ग्रीष्म।

चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-पूर्व भाद्रपद 13 मई 01.27 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

सुडोकू - 146 का हल

8	9	7	1	4	5	2	6	3
1	2	6	7	9	3	8	5	4
3	5	4	2	8	6	1	9	7
9	6	3	4	2	8	5	7	1
5	7	8	3	6	1	9	4	2
2	4	1	5	7	9	6	3	8
6	3	2	8	5	7	4	1	9
4	1	5	9	3	2	7	8	6
7	8	9	6	1	4	3	2	5

सुडोकू - 147

1			2		3			
						4		3
		6	7					
3			6		1			
4	2							1
			4		8			
				7	9	2		
8		3						
			8		5			

सुप्रीम सवाल — हर बड़ी परियोजना के खिलाफ इसी तरह याचिकाएं दायर की जाती रहीं, तो देश का विकास और प्रगति कैसे सुनिश्चित होगी

विकास परियोजनाओं को कानूनी अड़चनों में फंसाने की बढ़ती प्रवृत्ति निंदनीय

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को विकास परियोजनाओं को कानूनी अड़चनों में फंसाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। न्यायालय ने पर्यावरण के नाम पर विकास कार्यों को बाधित करने वाली याचिकाओं की निंदा करते हुए सवाल उठाया कि यदि हर बड़ी परियोजना के खिलाफ इसी तरह याचिकाएं दायर की जाती रहीं, तो देश का विकास और प्रगति कैसे सुनिश्चित होगी।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि हमें इस देश में एक भी ऐसी परियोजना दिखाएं, जिसका स्वागत इन तथाकथित पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने किया हो। पीठ ने रेखांकित किया कि वर्तमान में दायर की जा रही कई याचिकाओं का प्राथमिक उद्देश्य केवल विकास की गति को रोकना प्रतीत होता है, जो देश के लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। यह मामला गुजरात के पिपावाव बंदरगाह के विस्तार और आधुनिकीकरण से जुड़ा है। दरअसल, राष्ट्रीय हरित अधिकरण की पश्चिमी क्षेत्र की पीठ ने पूर्व में बंदरगाह को दी गई पर्यावरण और तटीय विनियमन क्षेत्र की मंजूरी को रद्द करने की मांग वाली अपील खारिज कर दी थी। इसी आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ

ने पाया कि एनजीटी ने इस मामले में पहले ही बहुत विस्तृत और तकनीकी आदेश पारित किया है।

हालांकि, न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि अदालतों का सरोकार हमेशा से पर्यावरण की रक्षा करना रहा है और वे प्रकृति को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि की आलोचना करती हैं। लेकिन पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन होना अनिवार्य है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता दी कि वह एनजीटी के समक्ष पुनर्विचार याचिका दायर कर सकता है। इस याचिका में उसे विशेष रूप से यह स्पष्ट करना होगा कि क्या पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) रिपोर्ट में उसकी ओर से उठाए गए बिंदुओं पर उचित विचार किया गया था। पीठ ने एनजीटी को निर्देश दिया कि यदि ऐसी कोई याचिका आती है, तो वह केवल इसी तकनीकी पहलू पर विचार करे।

न्यायिक अधिकारियों के घेराव की जांच दो महीने में हो पूरी

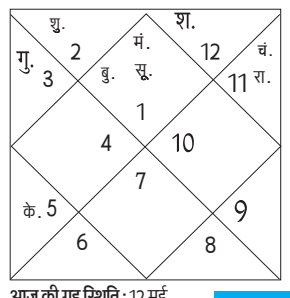

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एनआईए को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एक अप्रैल को हुई हिंसा की जांच दो महीने के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया। इस हिंसा में एक भीड़ ने सात न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाकर रखा था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि एनआईए को जांच पूरी करने के बाद सक्षम क्षेत्राधिकार वाले न्यायालय के समक्ष अपनी रिपोर्ट दाखिल करनी चाहिए। पीठ ने पूछा, जांच की क्या स्थिति है? क्या यह पूरी हो चुकी है? एनआईए की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि वह विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करेंगे। पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि एनआईए को जल्द से जल्द जांच पूरी करने दें, संभव हो तो दो महीने के भीतर। पीठ ने टिप्पणी की, आप अपना आरोप-पत्र दाखिल करें। कानून अपना काम करेगा। न्यायालय ने 24 अप्रैल को एनआईए को मामले की जांच पूरी होने पर आरोप-पत्र दाखिल करने की अनुमति दी थी। मतदाता सूची से बाहर किए गए लोगों की 60 लाख से अधिक आपत्तियों से निपटने के लिए पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के लगभग 700 न्यायिक अधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में तैनात किया गया था। शीर्ष अदालत ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के उस पत्र का स्वतः संज्ञान लिया था, जिसमें एक अप्रैल की रात की भयावह घटनाओं का विस्तृत वर्णन किया गया था, जब तीन महिलाओं सहित सात न्यायिक अधिकारियों और एक पांच वर्षीय बच्चे को भीड़ ने नौ घंटे से अधिक समय तक बिना भोजन-पानी के बंधक बनाकर रखा था।

> मैंने पहले भी कई बार अच्छी गेंदबाजी की है, विकेट भी लिए हैं। लेकिन मैंने सबसे अधिक मजा छक्का लगाकर लिया। मैं रोहित के ख़िलाफ़ पहले से सोचकर गेंदबाज़ी कर रहा था। रोहित आगे निकलकर खेल सकते हैं क्योंकि उन्होंने पहले मेरे ख़िलाफ़ ऐसा किया है।
> –भुवनेश्वर कुमार

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 12 मई 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

गुजरात टाइटंस बनाम सनराइजर्स हैदराबाद

समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

भारतीय गोल्फर युवराज संधू संयुक्त 31वें स्थान पर रहे

बार्सिलोना। भारतीय खिलाड़ी युवराज संधू ने यहां खेले गए एस्त्रेला डैम कैटालुन्या चैंपियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट के अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन अंडर 69 का कार्ड खेलकर संयुक्त 31वें स्थान पर रहे। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने शुरुआती दौर में 68 का शानदार कार्ड खेला था, लेकिन दूसरे और तीसरे दौर में क्रमशः 72 और 73 का कार्ड खेलने के बाद वह तालिका में नीचे फिसल गए थे। उन्होंने चौथे और अंतिम दौर में अच्छी वापसी करते हुए पांचवें, नौवें, 10वें, 16वें और 18वें होल में बर्डी लगाई, जबकि 12वें और 15वें होल पर बोगी की। उन्होंने 69 का कार्ड खेलकर कुल सात अंडर के स्कोर के साथ अपना अभियान समाप्त किया। दक्षिण अफ्रीका के युराव प्रीमलाल ने लगातार दूसरे दिन नौ अंडर 63 का बेहतरीन कार्ड खेलते हुए कुल 28 अंडर पार (70-64-63-63) के स्कोर के साथ 14 शॉट के बड़े अंतर से खिताब अपने नाम किया।

आईसीसी पुरुष एकदिवसीय रैंकिंग में भारत शीर्ष पर बरकरार

दुबई। भारत ने आईसीसी की पुरुषों की एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय टीम रैंकिंग के नवीनतम सालाना अपडेट के बाद अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर है। सोमवार को जारी बयान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा नवीनतम सालाना अपडेट के बाद आईसीसी की पुरुषों की एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय टीम रैंकिंग में भारत शीर्ष पर बना हुआ है। वह दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड (113 अंक) से महज पांच अंक के मामूली अंतर से आगे है जबकि ऑस्ट्रेलिया (109 अंक) तीसरे स्थान पर बरकरार है और शीर्ष तीन टीम में शामिल है। भारत को एक रेटिंग अंक का नुकसान हुआ है और उसके खाते में 118 अंक हैं।

आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन पर फ्लावर पर जुर्माना

रायपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान चौथे अंपायर के साथ बहस करने के कारण आचार संहिता का उल्लंघन करने पर उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने एक बयान में कहा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर आईपीएल के खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

रोमांचक मुकाबले में दिल्ली ने मारी बाजी, पंजाब को 3 विकेट से हराया

आईपीएल-2026 : अक्षर पटेल और डेविड मिलर ने खेलीं अर्धशतकीय पारियां

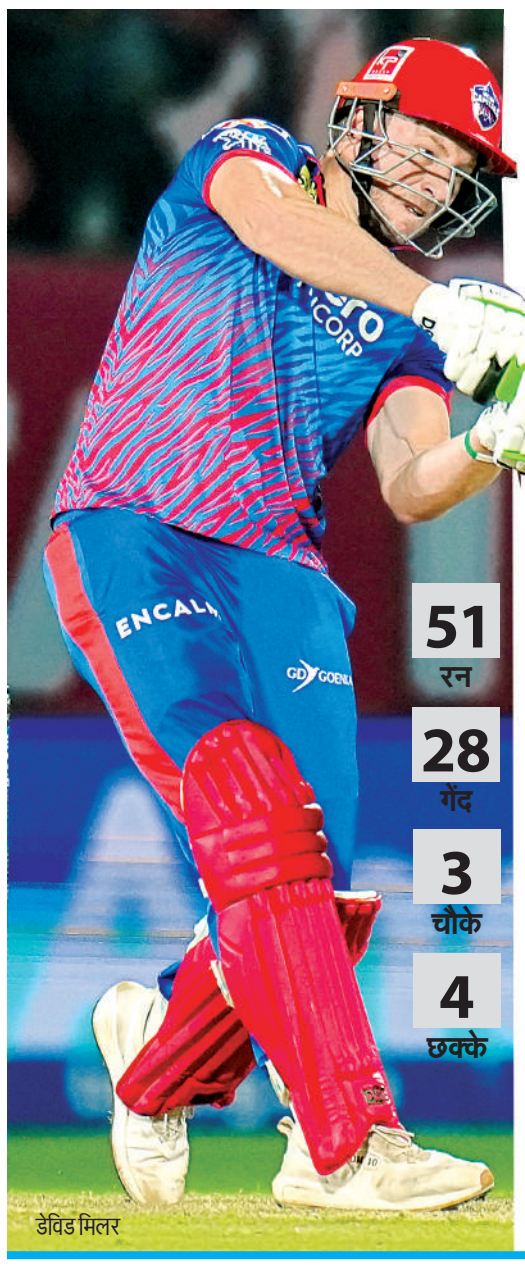

डेविड मिलर

धर्मशाला, एजेंसी

कप्तान अक्षर पटेल और डेविड मिलर के अर्धशतक से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां खराब शुरुआत से उबरकर पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हराकर नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करने की अपनी मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा। इस जीत से दिल्ली के 12 मैच में पांच जीत से 10 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। पंजाब की टीम लगातार चौथी हार के बाद 11 मैच में 13 अंक के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है। पंजाब के 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 33 रन पर तीन विकेट गंवाने के बावजूद अक्षर (56 रन, 30 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) और डेविड मिलर (51 रन, 28 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) के बीच पांचवें विकेट की 64 रन की साझेदारी से 19 ओवर में सात विकेट पर 216 रन बनाकर जीत दर्ज की।

अक्षर और मिलर के पवेलियन लौटने के बाद आशुतोष शर्मा (10 गेंद में 24 रन, दो छक्के, दो चौके) और माधव तिवारी (आठ गेंद में नाबाद 18, एक छक्का, दो चौके) ने टीम को जीत दिलाई। आकिब नबी ने दो गेंद में नाबाद 10 रन बनाए। पंजाब ने कप्तान श्रेयस अय्यर (36 गेंद में तीन छक्कों और पांच चौकों से नाबाद 59 रन) और प्रियांश (33 गेंद में छह छक्कों और दो चौकों से 56 रन) के अर्धशतक से पांच विकेट पर 210 रन बनाए। अय्यर ने कूपर कोनोली (38) के साथ तीसरे विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी की जबकि प्रियांश ने भी प्रभसिमरन सिंह (18) के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़कर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दिल्ली की ओर से माधव तिवारी ने 40 जबकि मिचेल स्टार्क ने 57 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे दिल्ली की शुरुआत खराब रही और टीम ने तीसरे ओवर में 14 रन तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों लोकेश राहुल (09) और अभेषेक पोरेल (05) के विकेट गंवा दिया। पोरेल को यश ठाकुर ने बोल्ड किया जबकि राहुल ने अर्शदीप सिंह की गेंद को हवा में लहराकर मार्को यानसेन को कैच थमाया। साहिल पारख भी 13 रन बनाने के बाद अर्शदीप की गेंद पर युजवेंद्र चहल के हाथों लपके गए।

दिल्ली ने पावर प्ले में तीन विकेट पर 47 रन बनाए। अक्षर और ट्रिस्टन स्टब्स ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। स्टब्स नौ रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब बेन ड्वारशुइस की गेंद पर अर्शदीप ने उनका आसान कैच टपका दिया।

अक्षर ने इसी ओवर में लगातार दो चौके मारे। स्टब्स हालांकि इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाए और गैरजरूरी रन लेने की कोशिश में कोनोली के सटीक निशाने पर रन आउट हुए। उन्होंने 17 गेंद में 12 रन बनाए। डेविड मिलर ने आते ही यानसेन पर चौका और मार्कस स्टोइनिस पर छक्का जड़ा। मिलर ने ड्वारशुइस की गेंद पर दो रन के साथ 12वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। अक्षर ने इसी ओवर में बड़ा छक्का मारा।

पंजाब किंग्स

210/5 (20 ओवर)

प्रियांश आर्य का पारख बो तिवारी	56
प्रभसिमरन सिंह का आकिब बो मुकेश	18
श्रेयस अय्यर नाबाद	59
कूपन कोनोली का मिलर बो तिवारी	38
मार्कस स्टोइनिस का तिवारी बो स्टार्क	01
शशांक सिंह का अक्षर बो स्टार्क	00
सूर्यांश शेडगे नाबाद	21

अतिरिक्त :17, विकेट पतन : 1-78, 2-97, 3-180, 4-187, 5-187 गेंदबाजी : स्टार्क 4-0-57-2, आकिब 4-0-32-0, एनगिडी 4-0-46-0, मुकेश 4-0-31-1, तिवारी 4-0-40-2

दिल्ली कैपिटल्स

216/7 (19 ओवर)

लोकेश राहुल का यानसेन बो अर्शदीप	09
अभिषेक पोरेल बो यश	05
साहिल पारख का चहल बो अर्शदीप	13
ट्रिस्टन स्टब्स रन आउट	12
अक्षर पटेल का ड्वारशुइस बो स्टोइनिस	56
डेविड मिलर का प्रभसिमरन बो ड्वारशुइस	51
आशुतोष शर्मा का स्थानापन्न बो यश	24
माधव तिवारी नाबाद	18
आकिब नबी नाबाद	10

अतिरिक्त : 18, विकेट पतन : 1-10, 2-10, 3-33, 4-74, 5-138, 6-170, 7-205 गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-21-2, यश 4-0-55-2, यानसेन 4-0-45-0, ड्वारशुइस 4-0-51-1, स्टोइनिस 3-0-44-1

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	11	7	4	0	14	1.103
2.	सनराइजर्स हैदराबाद	11	7	4	0	14	0.737
3.	गुजरात टाइटंस	11	7	4	0	14	0.228
4.	पंजाब किंग्स	11	6	4	1	13	0.428
5.	चेन्नई सुपर किंग्स	11	6	5	0	12	0.185
6.	राजस्थान रॉयल्स	11	6	5	0	12	0.082
7.	दिल्ली कैपिटल्स	12	5	7	0	10	-0.993
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	10	4	5	1	9	-0.169
9.	मुंबई इंडियंस	11	3	8	0	6	-0.585
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	11	3	8	0	6	-0.907

ऑरेंज कैप

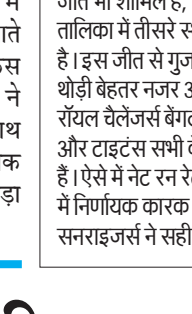

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-494 रन
- केएल राहुल दिल्ली-477 रन
- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -475 रन

पर्पल कैप

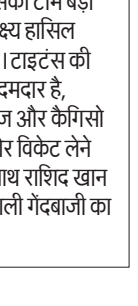

- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-21 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई-19 विकेट
- कागिसो रबाडा गुजरात-18 विकेट

प्लेऑफ के लिए दावेदारी मजबूत करने उतरेंगे हैदराबाद और गुजरात

मुकाबला आज

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल अब जबकि अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है तब दूसरे स्थान पर काबिज सनराइजर्स हैदराबाद और तीसरे स्थान की टीम गुजरात टाइटंस के बीच मंगलवार को यहां होने वाला मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है जो प्लेऑफ की दौड़ को ध्यान में रखते हुए दोनों टीम के लिए महत्वपूर्ण होगा। शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात की टीम ने सत्र की खराब शुरुआत से उबरते हुए कई महत्वपूर्ण जीत हासिल की हैं। इनमें पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स पर 77 रन की जीत भी शामिल है, जिससे वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस जीत से गुजरात की स्थिति थोड़ी बेहतर नजर आ रही है। अभी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स और टाइटंस सभी के समान 14 अंक हैं। ऐसे में नेट रन रेट प्लेऑफ की दौड़ में निर्णायक कारक बन सकता है। सनराइजर्स ने सही समय पर अपनी लय हासिल कर ली है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में पर 33 रन की जीत में उसने अपनी बल्लेबाजी ताकत का शानदार नमूना पेश किया। जहां तक टाइटंस का सवाल है तो उसकी टीम बेहद संतुलित है। उसकी बल्लेबाजी कप्तान गिल और साई सुदर्शन के इर्द-गिर्द घूमती है। इन दोनों ने शीर्ष क्रम में मजबूती प्रदान की है और पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन किया है। जोस बटलर और वाशिंगटन सुंदर बीच के ओवरों में अच्छी भूमिका निभा रहे हैं। इससे उसकी टीम बड़ा स्कोर बनाने या बड़े लक्ष्य हासिल करने में सफल रही है। टाइटंस की गेंदबाजी भी उतनी ही दमदार है, जिसमें मोहम्मद सिराज और कैगिसो रबाडा की तेज गति और विकेट लेने की क्षमता के साथ-साथ राशिद खान का की रुख बदलने वाली गेंदबाजी का शानदार संयोजन है।

लक्ष्य-सिंधु करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई

थाईलैंड ओपन आज से

बैंकॉक, एजेंसी

थॉमस कप में कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की नजरें मंगलवार से यहां शुरू हो रहे पांच लाख डॉलर ईनामी राशि के थाईलैंड ओपन में व्यक्तिगत प्रदर्शन पर होगी जिसमें लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे।

सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य कोहनी की चोट के कारण डेनमार्क में फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल नहीं खेल सके थे। वह पहले मैच में सिंगापुर के जैसन तेह जिया हेंग से खेलेंगे जबकि आयुष शेट्टी का सामना जापान के छठी वरीयता प्राप्त विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता कोडाइ नाराओका से होगा।

महिला एकल में छठी वरीयता प्राप्त सिंधु पहले दौर में चीनी ताइपै की तुंग सियू तोंग से खेलेंगी। मलेशिया में सेमीफाइनल और इंडोनेशिया में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को खिताब का सूखा खत्म करने के लिये प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। विश्व चैम्पियनशिप के पूर्व रजत पदक विजेता किदाम्बी श्रीकांत पिछले सत्र में मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता पर उन्हें मेहनत करनी होगी। श्रीकांत का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू से होगा।

तरुण मल्लेपल्ली का सामना जापान के कोकी वातानाबे से होगा। महिला वर्ग में उन्नति हुड्डा चौथी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेगी जबकि देविका सिहाग की टक्कर जापान की नत्सुकी निदाइरा से और तन्वी शर्मा का सामना हिना अकेची से होगा।

एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में कोमल ने जीता कांस्य पदक

गांधीनगर। कोमल कोहर ने एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतकर मेजबान भारत के पदकों का खाता खोला।

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू की जगह खेलते हुए 23 वर्षीय कोमल ने धैर्यपूर्ण और संयमित प्रदर्शन करते हुए शानदार खेल दिखाया। उन्होंने कुल 177 किग्रा उठाया जिसमें स्नैच में 78 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 99 किग्रा वजन उठाया। क्लीन एवं जर्क में उनके इस प्रयास ने उन्हें एक अन्य कांस्य पदक दिलाया। इस प्रतियोगिता में एशियाई भारोत्तोलक के कई पारंपरिक दिग्गज खिलाड़ी शामिल नहीं थे जिसका फायदा उठाते हुए चीनी ताइपे ने पहले और दूसरे स्थान पर कब्जा जमाकर अपना दबदबा बनाया। हुआंग यी चेन ने 193 किग्रा (81 किग्रा और 112 किग्रा) के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि उनकी हमवतन फैंग वान लिंग ने 192 किग्रा के साथ दूसरा स्थान हासिल करते हुए रजत पदक जीता।

बार्सिलोना ने फिर जीता ला लीगा खिताब

बार्सिलोना, एजेंसी

स्पेनिश ला लीगा चैंपियनशिप के साथ जश्न मनाती बार्सिलोना की टीम। एजेंसी

- फाइनल में रियाल मैड्रिड को 2-0 से हराया
- मार्कस रैशफोर्ड और फेरान टोरेस ने दागे गोल

> मैं इस दिन को कभी नहीं भूलूंगा। यह मेरे लिए बहुत मुश्किल दिन था। इसकी शुरुआत मेरे पिता के निधन की खबर से हुई, लेकिन मेरी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।
> **हांसी फ्लिक, बार्सिलोना के कोच**

36 रिकॉर्ड खिताब जीते हैं रियाल मैड्रिड ने, लेकिन लगातार दूसरे साल मिली असफलता

24 गोल किए हैं एमबाप्पे ने लीग में अभी सर्वाधिक

बार्सिलोना ने रविवार को कैंप नोउ में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी और कुल मिलाकर 29वीं बार स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा का खिताब जीता। मार्कस रैशफोर्ड के नौवें मिनट और फेरान टोरेस के 18वें मिनट में किए गए गोल ने बार्सिलोना की जीत सुनिश्चित की।

इससे उसने ला लिगा के तीन दौर के मैच शेष रहते हुए रियाल मैड्रिड पर 14 अंकों की अजेय बढ़त हासिल कर ली। अब बार्सिलोना की 35 मैच में 91 और रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 77 अंक हैं। बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक रविवार को खेले गए इस क्लासिको मैच में अपने पिता के निधन के बावजूद डगआउट में मौजूद थे। बार्सिलोना ने मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही उनके पिता के निधन की घोषणा की थी। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने काली पट्टी बांधी और मैच शुरू होने से पहले एक मिनट का मौन रखा। अगर यह मैच ड्रॉ भी हो जाता तो बार्सिलोना के लिए चार सत्र में अपना तीसरा लीग खिताब हासिल करने के लिए पर्याप्त होता।

रियाल मैड्रिड ने ला लिगा में रिकॉर्ड 36 खिताब जीते हैं लेकिन वह लगातार दूसरे साल को ही बड़ी ट्रॉफी नहीं जीत पाया। बार्सिलोना ने मैच में शुरू से ही दबदबा बना दिया था। उसने शुरू में बढ़त हासिल करने के बाद रियाल मैड्रिड को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उसकी रक्षापंक्ति में रियाल मैड्रिड के हमलों को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई। रैशफोर्ड ने फ्री किक पर बार्सिलोना के लिए पहला गोल किया, जबकि टोरेस ने डैनी ओल्मो के पास पर पेनल्टी एरिया के अंदर से गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया जो आखिर तक बरकरार रहा।

हांसी फ्लिक ने कहा यह टीम परिवार की तरह है और उन्होंने आज अपना सब कुछ झोंक दिया और मुझे उन पर बहुत गर्व है। इस स्टेडियम में रियाल मैड्रिड के खिलाफ क्लासिको में ला लिगा का खिताब जीतना अद्भुत है। रियाल मैड्रिड को काइलिन एमबाप्पे की कमी खली जो चोटिल हैं।

डब्ल्यूएफआई

प्रतिबंध के बावजूद राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में उतरने की तैयारी, महासंघ के मुताबिक जवाब अधूरा है, नहीं ले सकतीं भाग

गोंडा पहुंचीं विनेश फोगाट, कहा- भागीदारी के काबिल हूं

नंदिनीनगर, गोंडा

जवाब देने पहुंचीं भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट। अमृत विचार

अमृत विचार। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट और डब्ल्यूएफआई के बीच विवाद एक बार फिर गहरा गया है। महासंघ द्वारा घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर रोक लगाए जाने के बावजूद विनेश राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए गोंडा पहुंच गई हैं।

अयोध्या पहुंचने पर विनेश ने कहा कि वह प्रभु श्रीराम की नगरी में दर्शन करने आई हैं और इसके बाद नंदिनी नगर में आयोजित राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेंगी। उन्होंने कहा जो होगा देखा जाएगा। दरअसल, हाल ही में डब्ल्यूएफआई ने विनेश को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उन पर अनुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया था। महासंघ ने स्पष्ट किया था कि वह जून 2026 तक किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पात्र नहीं हैं। इस प्रतिबंध में गोंडा में 10 से 12 मई तक आयोजित राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट भी शामिल है। डब्ल्यूएफआई का कहना है कि यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास के बाद वापसी करने वाले खिलाड़ी को कम से कम छह महीने पहले सूचना देनी होती है और इस अवधि में एंटी डोपिंग जांच के लिए उपलब्ध रहना अनिवार्य होता है। महासंघ के अनुसार विनेश ने इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया। हालांकि विनेश ने महासंघ को दिए अपने जवाब में दावा किया है कि यह नियम उन पर लागू नहीं होता, क्योंकि वह जून 2025 में ही यूडब्ल्यूडब्ल्यू को अपनी वापसी की जानकारी दे चुकी थीं। उन्होंने कहा कि वापसी से जुड़ी सभी औपचारिकताएं पहले ही पूरी कर ली गई थीं। महासंघ ने 15 पन्नों के नोटिस में यह भी आरोप लगाया था कि विनेश के व्यवहार से भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा है। गौरतलब है कि 2024 समर ओलंपिक में फाइनल मुकाबले से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद विनेश ने संन्यास की घोषणा की थी।

कुश्ती महासंघ राहत देने के मूड में नहीं

डब्ल्यूएफआई सूत्रों का कहना है कि विनेश ने केवल पात्रता संबंधी बिंदुओं पर जवाब दिया है, जबकि अनुशासनहीनता के आरोपों का स्पष्ट उत्तर नहीं दिया। विवाद के बीच डब्ल्यूएफआई ने यह भी साफ किया कि टूर्नामेंट के चयन मानदंड किसी एक खिलाड़ी को रोकने के लिए नहीं बदले गए हैं।

दावा : वाडा ने पाक-साफ करार दिया

गोंडा। पहलवान विनेश फोगाट ने सोमवार को अपने पात्रता संबंधी विवाद पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) दोनों ने उन्हें एक जनवरी 2026 से फिर से प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए मंजूरी दे दी है।

सीनियर रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता में हरियाणा के पहलवानों का दबदबा

नवाबगंज, गोंडा

- फ्री-स्टाइल में जीते 8 स्वर्ण पदक नंदिनी नगर महाविद्यालय में चल रही प्रतियोगिता

अमृत विचार : नंदिनी नगर महाविद्यालय में आयोजित ओपन नेशनल सीनियर रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता में रविवार को हुए फ्री-स्टाइल शैली के मुकाबलों में हरियाणा के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम रखा।

हरियाणा ने कुल 8 गोल्ड, 7 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर टीम चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं दिल्ली ने 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। सेना (एसएससीबी) ने 1 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया। टीम रैंकिंग में हरियाणा ने 235 अंक अर्जित किए। दिल्ली की टीम 88 अंकों के साथ दूसरे तथा सेना 60 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। फ्री-स्टाइल शैली के सभी विजेता पहलवानों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन सोमवार को ग्रीको रोमन शैली की कुश्ती देर रात तक जारी रही। अर्जुन अवार्ड धारी अंतर्राष्ट्रीय नामी पहलवान दीपक पुनिया ने 97 किलो भार वर्ग की फ्रीस्टाइल कुश्ती में गोल्ड मेडल जीता।